एक पक्ष के लिए गैरकानूनी पैरवी करने वाले यूपी के अफसरों की जांच करें मुख्य सचिव-7

देश की वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान - 10

पश्चिम बंगाल में नाटकीय घटनाक्रम, फाल्टा चुनाव में टीएमसी प्रत्याशी ने मैदान छोड़ा - 11

आईपीएल की कमाई तो ठीक लेकिन लंबे करियर को समर्पण जरूरी : कोहली - 12

आज का मौसम

42.0⁰ अधिकतम तापमान

28.0⁰ न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.20

सूर्यास्त 06.58

अमृत विचार

बरेली

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

ज्येष्ठ शुक्ल पक्ष चतुर्थी 11:07 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 20 मई 2026, वर्ष 7, अंक 175, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

एक सप्ताह में दूसरी बार बढ़े पेट्रोल डीजल के दाम, 90 पैसे हुआ महंगा

नई दिल्ली, एजेंसी

पेट्रोल और डीजल की कीमतों में मंगलवार को लगभग 90 पैसे प्रति लीटर की वृद्धि की गई। एक सप्ताह से भी कम समय में दूसरी बार ईंधन के दाम बढ़ाए गए हैं। उद्योग सूत्रों के अनुसार, ईंधन के दाम बढ़ने के बाद नई दिल्ली में पेट्रोल की कीमत बढ़कर 98.64 रुपये प्रति लीटर हो गई जो पहले 97.77 रुपये प्रति लीटर थी। वहीं डीजल की कीमत 90.67 से बढ़कर 91.58 रुपये हो गई।

बीते शुक्रवार को पेट्रोल और डीजल की कीमतों में चार साल से अधिक समय में पहली बार तीन-

दिल्ली में पेट्रोल अब 98.64 का

तीन रुपये प्रति लीटर की वृद्धि की गई थी। अमेरिका और इजराइल के 28 फरवरी को ईरान पर किए गए हमले और तेहरान की जवाबी कार्रवाई के बाद वैश्विक तेल की आवाजाही के लिए महत्वपूर्ण मार्ग होर्मुज के बाधित होने से वैश्विक कच्चे तेल की कीमतों में 50 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है।

पेट्रोलियम मंत्रालय बोला नुकसान में लगभग एक चौथाई की कमी आई

पेट्रोलियम मंत्रालय की संयुक्त सचिव सुजाता शर्मा ने सोमवार को कहा था कि 15 मई को हुई बढ़ोतरी से नुकसान में लगभग एक चौथाई की कमी आई है। सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियां अब भी प्रतिदिन लगभग 750 करोड़ रुपये का नुकसान झेल रही हैं। विभिन्न राज्यों में मूल्य वर्धित कर (वैट) में अंतर के कारण ईंधन की कीमतें अलग-अलग हैं।

खतरनाक व रेबीज संक्रमित कुत्तों को जान से मारने की अनुमति

- आवारा कुत्तों के पुनर्वास, बंध्याकरण संबंधी आदेश वापस लेने की याचिकाएं खारिज कीं

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को एक महत्वपूर्ण फैसले में मानव जीवन की सुरक्षा को प्राथमिकता देते हुए रेबीज से संक्रमित, लाइलाज बीमारी से ग्रस्त या खतरनाक आवारा कुत्तों को जान से मारने (यूथेनेशिया) की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ, न्यायमूर्ति संदीप मेहता और न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया की पीठ ने देश में आवारा कुत्तों की बढ़ती आबादी से निपटने के लिए कई निर्देश जारी किए।

पीठ ने स्पष्ट और कड़े शब्दों में कहा कि आवारा कुत्तों को जान से मारने का निर्देश स्थानीय निकायों और संबंधित अधिकारियों

सुप्रीम कोर्ट ने जारी किए विस्तृत आदेश, कहा- आक्रामक हमलों से जनसुरक्षा को खतरा

कोर्ट कठोर जमीनी हकीकतों से आंखें नहीं मूंद सकती

पीठ ने पशु अधिकार कार्यकर्ताओं और अन्य याचिकाकर्ताओं की दलीलों पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, अदालत उन कठोर जमीनी हकीकतों से आंखें नहीं मूंद सकती, जिनमें बच्चे, विदेशी पर्यटक और बुजुर्ग कुत्तों के काटने की घटनाओं का शिकार हुए हैं। अदालत ने आवारा कुत्तों की समस्या से निपटने के लिए बुनियादी ढांचे को मजबूत करने संबंधी निर्देश राज्यों, केंद्रशासित प्रदेशों और अन्य वैधानिक निकायों को भी जारी किए। शीर्ष अदालत ने पिछले वर्ष सात नवंबर को शैक्षणिक संस्थानों, अस्पतालों और रेलवे स्टेशनों जैसे स्थानों पर कुत्तों के काटने की घटनाओं में चिंताजनक वृद्धि पर संज्ञान लेते हुए निर्देश दिया था कि आवारा कुत्तों को बंध्याकरण और टीकाकरण के बाद निर्धारित आश्रय स्थलों में भेजा जाए।

को जारी किए गए आदेशों में सबसे महत्वपूर्ण निर्देश है। जिन क्षेत्रों में आवारा कुत्तों की संख्या चिंताजनक स्तर तक पहुंच गई हो और जहां बार-बार कुत्तों के काटने या आक्रामक हमलों से जनसुरक्षा को लगातार खतरा पैदा हो रहा हो, वहां स्थानीय अधिकारी कुत्तों को जान से मारने का निर्णय ले सकते हैं। शीर्ष अदालत ने यह आदेश पिछले वर्ष 28 जुलाई को स्वतः संज्ञान लेकर शुरू किए गए मामले की सुनवाई के दौरान पारित किया।

कोर्ट ने आवारा कुत्तों के स्थानांतरण और बंध्याकरण संबंधी अपने पूर्व के आदेशों को वापस लेने की मांग वाली सभी याचिकाएं और आवेदन भी मंगलवार को यह कहते हुए खारिज कर दिए कि सम्मान के साथ जीवन जीने के अधिकार में कुत्तों के हमलों के भय से मुक्त होकर जीने का अधिकार भी शामिल है।

ब्रीफ न्यूज

सितंबर में भारत आएंगे रूसी राष्ट्रपति पुतिन

मॉस्को। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन 12 और 13 सितंबर को नई दिल्ली में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे। राष्ट्रपति के सहायक ने यह जानकारी दी। भारत ब्रिक्स की अध्यक्षता के तहत सितंबर में समूह के वार्षिक शिखर सम्मेलन की मेजबानी करेगा। नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान राष्ट्रपति पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग के बीच एक द्विपक्षीय बैठक की योजना बनाई गई है।

रुपया 50 पैसे टूटकर सर्वकालिक निचले स्तर 96.70 पर बंद

मुंबई। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मंगलवार को 50 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ कारोबार के अंत में 96.70 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ। कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक जोखिम से बचाव की प्रवृत्ति के बीच मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की बाजार से निकासी के कारण रुपये पर दबाव रहा। रुपया 2026 में एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया है।

(संबंधित कारोबार पेज पर)

भारत-नॉर्डिक के बीच अटूट संबंध आतंक पर नहीं चलेंगे दोहरे मापदंड

शिखर सम्मेलन में बोले प्रधानमंत्री मोदी, हरित प्रौद्योगिकी एवं नवाचार पर बनी सहमति

- प्रधानमंत्री ने डेनमार्क, आइसलैंड और फिनलैंड के अपने समकक्षों से की वार्ता

ओस्लो, एजेंसी

भारत और नॉर्डिक देशों ने स्वच्छ और पर्यावरण अनुकूल बदलाव, व्यापार और निवेश तथा समुद्री अर्थव्यवस्था (ब्लू इकोनॉमी) जैसे क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के लिए अपने संबंधों को हरित प्रौद्योगिकी एवं नवाचार रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक बढ़ाने का निर्णय लिया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा यहां नॉर्डिक देशों के अपने समकक्षों के साथ वार्ता के दौरान यह फैसला लिया गया। तीसरे भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन के बाद एक संयुक्त प्रेस बयान में मोदी ने कहा कि भारत-नार्डिक के बीच अटूट संबंध हैं। वे नियम-आधारित वैश्विक व्यवस्था को मजबूत करने के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

प्रधानमंत्री ने आतंकवाद के मुद्दे पर बेहद साफ रुख अपनाते हुए कहा कि इस मामले में कोई समझौता और कोई दोहरा मापदंड स्वीकार नहीं किया जा सकता। आतंकवाद पर हमारा स्पष्ट और एकजुट रुख है- नो कॉम्प्रोमाइज, नो डबल स्टैंडर्ड्स। वैश्विक संघर्षों का जिक्र करते हुए मोदी ने कहा कि

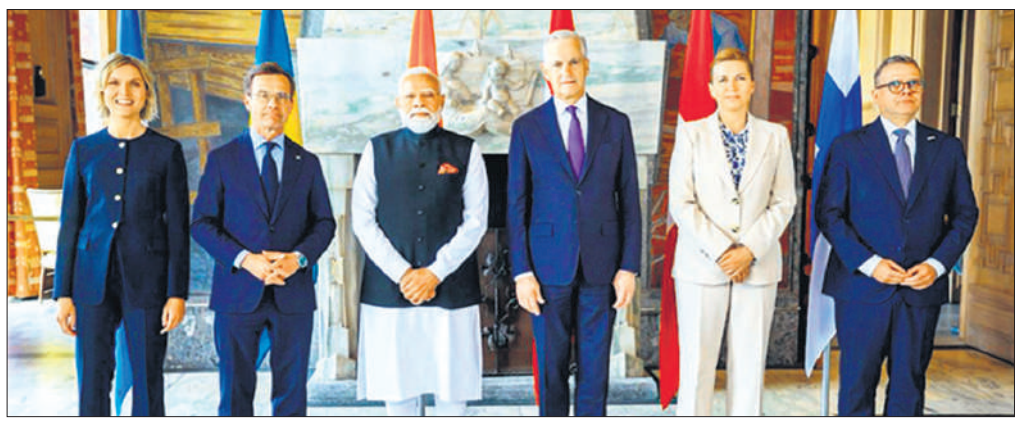

ओस्लो में नॉर्डिक-भारत शिखर सम्मेलन के दौरान नॉर्वे, फ़िनलैंड, स्वीडिश, आइसलैंड, डेनिश के समकक्षों के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

प्रधानमंत्री बोले- भले ही हम सब अलग-अलग भाषाएं बोलते हों लेकिन जुड़ाव एक

प्रधानमंत्री ने कहा, भले ही हम सब अलग-अलग भाषाएं बोलते हैं, लेकिन कभी-कभी एक शब्द भी हमारी स्वाभाविक साझेदारी को दर्शाने के लिए काफी होता है। आज मैंने 'संबंध' शब्द का कई बार इस्तेमाल किया। कई नॉर्डिक भाषाओं में 'संबंध' शब्द का अर्थ जुड़ाव, रिश्ते या बंधन होता है। हिंदी में भी 'संबंध' का यही अर्थ है। यह केवल शब्दों की समानता नहीं है, बल्कि यह हमारे विचारों और सोच की समानता को भी दर्शाता है।' दोनों पक्षों ने बहुपक्षीय मंचों में सहयोग बढ़ाने पर भी सहमति जताई। नॉर्डिक नेताओं ने एक विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के लिए भारत की स्थायी सदस्यता के प्रति अपने समर्थन को दोहराया। नेताओं ने अगला भारत-नॉर्डिक शिखर सम्मेलन हेलसिंकी में आयोजित करने का निर्णय लिया।

चाहे यूक्रेन हो या मिडिल ईस्ट भारत शांति और संघर्षों के शीघ्र समाधान के प्रयासों का समर्थन करता रहेगा। नॉर्वे, डेनमार्क, फिनलैंड, आइसलैंड और स्वीडन के अपने समकक्षों की मौजूदगी में मोदी ने कहा, लोकतंत्र, कानून के शासन और बहुपक्षवाद के प्रति हमारी साझा प्रतिबद्धता हमें स्वाभाविक साझेदार बनाती है। विदेश मंत्रालय ने सम्मेलन के आठ परिणामों की एक सूची साझा की, जिनमें जलवायु परिवर्तन पर भारत-नॉर्डिक देशों की पहल, समुद्री अर्थव्यवस्था में सहयोग बढ़ाना, प्रतिभाओं के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना और नॉर्डिक देशों के साथ रक्षा औद्योगिक सहयोग को मजबूत करना आदि शामिल है।

देश में पहली बार बिजली की मांग 260.45 गीगावाट के पार, बांदा सबसे गर्म

नई दिल्ली, एजेंसी

देश में अधिकतम बिजली की मांग मंगलवार को 260.45 गीगावाट के सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंच गई। विद्युत मंत्रालय ने एक्स पर लिखा, मंगलवार दोपहर तीन बजकर 40 मिनट पर 260.45 गीगावाट की अधिकतम बिजली मांग सफलतापूर्वक पूरी की गई। यह एक नया रिकॉर्ड है। इसने सोमवार की 257.37 गीगावाट (सौर ऊर्जा घंटे) की अधिकतम मांग को भी पार कर लिया है जिसे भी सफलतापूर्वक पूरा किया था। वहीं, बांदा देश का सबसे गर्म शहर रहा। यहां तापमान 48.02 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

विद्युत मंत्रालय के अनुसार, सोमवार को दोपहर तीन बजकर 42 मिनट पर अधिकतम मांग 257.37 गीगावाट दर्ज की गई और इसे पूरा किया गया। यह 25 अप्रैल, 2026 को दर्ज किए गए पिछली रिकॉर्ड मांग 256.1 गीगावाट से अधिक थी। मंत्रालय का अनुमान है कि इस गर्मी में देश की अधिकतम बिजली मांग 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है। इस बीच, आईएमडी ने उत्तर-पश्चिम और मध्य भारत के बड़े हिस्सों में इस सप्ताह लू चलने का अनुमान लगाया है जहां कई स्थानों पर तापमान सोमवार को 45 डिग्री से. के करीब पहुंच गया। र पंजाब, हरियाणा, राजस्थान और दिल्ली के कुछ हिस्सों में सोमवार से 24 मई तक लू चलने के आसार हैं जबकि उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में मंगलवार से लू तथा भीषण लू की स्थिति

- अधिकतम बिजली मांग मंगलवार को सर्वकालिक उच्चस्तर पर पहुंची
- मंत्रालय का अनुमान 270 गीगावाट तक पहुंच सकती है डिमांड

2025 में अधिकतम मांग 242.77 गीगावाट हुई थी दर्ज

आईएमडी ने इस वर्ष भीषण गर्मी रहने का अनुमान लगाया है। पिछले वर्ष जून, 2025 में अधिकतम बिजली मांग 242 .77 गीगावाट दर्ज की गई थी जो सरकार के 277 गीगावाट के अनुमान से कम रही थी। मई, 2024 में अधिकतम बिजली मांग 250 गीगावाट रही थी जो उस समय का रिकॉर्ड था और सितंबर, 2023 में दर्ज 243 .27 गीगावाट के पिछले उच्चस्तर से अधिक था।

बन सकती है। पंजाब के बठिंडा में सोमवार को अधिकतम तापमान 47 डिग्री से. दर्ज किया गया।

(दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में यूपी के 40 जिले... पेज-3)

दिल्ली-एनसीआर में ट्रक यूनियन कल से हड़ताल पर

नई दिल्ली, एजेंसी

ट्रांसपोर्टर निकाय एआईएमटीसी ने दिल्ली-एनसीआर में 21 मई से तीन दिन की हड़ताल का आह्वान किया है। यह हड़ताल वाणिज्यिक वाहनों पर बढ़ाए गए पर्यावरण क्षतिपूर्ति अधिभार (ईसीसी) और बीएस-4 या उससे पुराने वाहनों पर प्रस्तावित प्रतिबंध के विरोध में की जा रही है।

अखिल भारतीय मोटर ट्रांसपोर्ट कांग्रेस (एआईएमटीसी) ने मंगलवार को कहा कि उसके बैनर तले दिल्ली-एनसीआर के 68

- ट्रांसपोर्टर निकाय एआईएमटीसी ने किया एलान

से अधिक ट्रांसपोर्ट संगठन तीन दिनों तक अपने परिचालन बंद रखेंगे। यह निकाय देशभर में 95 लाख ट्रक चालकों और 26 लाख निजी बस, टैक्सी और मैक्सी कैब संचालकों के साथ विभिन्न राज्य स्तरीय परिवहन संगठनों के प्रतिनिधित्व का भी दावा करता है। एआईएमटीसी ने आरोप लगाया कि यह हड़ताल वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम), अदालतों और दिल्ली सरकार की अनुचित नीतियों के विरोध में बुलाई जा रही है। उसने कहा कि परिवहन संबंधी नीतियों में वैज्ञानिक एवं कानूनी आधार का अभाव है। केंद्र सरकार के प्रदूषण नियामक सीएक्यूएम ने वायु प्रदूषण कम करने के लिए एक नवंबर से बीएस-4 और उससे पुराने वाणिज्यिक वाहनों के दिल्ली-एनसीआर में प्रवेश पर रोक लगाने का प्रस्ताव दिया है।

बांग्लादेश में भारतीय राजनयिक की संदिग्ध मौत

ढाका। बांग्लादेश में भारतीय उच्चायोग में तैनात एक राजनयिक की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। उनका शव चटगांव स्थित भारतीय उच्चायोग कार्यालय से बरामद किया गया है। मृत भारतीय राजनयिक चटगांव में भारतीय मिशन में सुरक्षा प्रोटोकॉल अधिकारी के रूप में तैनात थे।

उनकी पहचान 35 वर्षीय नरेन धर के रूप में हुई हैं। उनके पिता का नाम राम निवास बताया जा रहा है, जो हरियाणा के निवासी हैं। चटगांव मेट्रोपॉलिटन पुलिस कमिश्नर हसन मोहम्मद शौकत अली ने बताया कि नरेन कार्यालय में सुरक्षा प्रोटोकॉल अधिकारी के तौर पर कार्यरत थे।

- चटगांव उच्चायोग से शव बरामद, सहायक प्रोटोकॉल अधिकारी के पद पर थे नरेन धर

कमिश्नर के अनुसार, दूतावास के अधिकारियों को शुरू में नरेन के कमरे से कोई जवाब नहीं मिला, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी।जांच रिपोर्ट तैयार करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए चटगांव मेडिकल कॉलेज अस्पताल के मोर्चरी भेज दिया गया। उन्होंने बताया कि जांच में कोई बाहरी गड़बड़ी नहीं पाई गई, लेकिन मौत का सही कारण पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही पता चलेगा।

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री बीसी खंडूड़ी का 91 की उम्र में निधन

देहरादून। उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और भाजपा नेता भुवन चंद्र खंडूड़ी (91) का मंगलवार सुबह आकस्मिक निधन हो गया। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू, पीएम नरेंद्र मोदी, राज्यपाल गुरमीत सिंह और मुख्यमंत्री धामी ने उनके निधन पर गहरा शोक व्यक्त किया है।

पूर्व मुख्यमंत्री के परिवार में पत्नी अरूणा, एक बेटा मनीष और बेटी रितु खंडूड़ी भूषण हैं। दिवंगत खंडूड़ी की बेटी और उत्तराखंड विसा की अध्यक्ष रितु खंडूड़ी भूषण ने बताया कि उनके पिता लंबे समय से उम्र संबंधी समस्याओं से ग्रस्त थे और कई बार अस्पताल में भर्ती हुए थे।

राजनीति में आने से पहले भारतीय सेना से मेजर जनरल के पद से सेवानिवृत्त हुए खंडूड़ी 'जनरल साहब' के नाम से मशहूर थे।

यूपीपीएससी के दायरे से बाहर हुए 12 पद, अधिसूचना जारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश सरकार ने उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (कार्य का परिसीमन) विनियम, 1954 में संशोधन करते हुए 12 पदों को यूपीपीएससी की चयन प्रक्रिया के दायरे से बाहर कर दिया है। इस संबंध में कार्मिक अनुभाग-1 की ओर से अधिसूचना जारी कर दी गई है।

प्रमुख सचिव कार्मिक एम देवराज की अधिसूचना के अनुसार उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (कार्य का परिसीमन) (बाईसवां संशोधन) विनियम, 2026" तत्काल प्रभाव से लागू होगा। शासनादेश में खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कुल 12 पदों को विनियम-3 में नई धारा (ङ) के तहत शामिल किया गया है। इनमें खेल विभाग के 9 "क्रीड़ाधिकारी" तथा युवा कल्याण विभाग के 3 "जिला युवा कल्याण एवं प्रादेशिक विकास दल अधिकारी" के पद शामिल

- खेल विभाग के 9 और युवा कल्याण विभाग के 3 पद शामिल, तत्काल प्रभाव से संशोधन लागू
- राज्यपाल की मंजूरी के बाद जिलाधिकारियों और विभागाध्यक्षों को भेजे निर्देश

हैं। शासन के अनुसार यह संशोधन संविधान के अनुच्छेद 320(3) के प्रावधानों के तहत राज्यपाल की स्वीकृति के बाद लागू किया गया है।

कार्मिक विभाग द्वारा जारी आदेश में सभी अपर मुख्य सचिवों, प्रमुख सचिवों, मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और संबंधित विभागाध्यक्षों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए गए हैं। अधिसूचना की प्रतियां राजपत्र में प्रकाशन के लिए भी भेज दी गई हैं। विशेष सचिव अवनीश सक्सेना द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि शासनादेश इलेक्ट्रॉनिक रूप से जारी किया गया है और इसकी प्रमाणिकता शासकीय वेबसाइट पर सत्यापित की जा सकती है।

स्वास्थ सेवाएं | बरेली में इलाज पर 682 .99 करोड़ से अधिक का भुगतान, गोरखपुर दूसरे और मुरादाबाद तीसरे स्थान पर

आयुष्मान भारत योजना का लाभ लेने में बरेली प्रदेश में प्रथम

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाएं लगातार मजबूत हो रही हैं। गरीबों और जरूरतमंदों को बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से संचालित आयुष्मान भारत योजना में बरेली प्रदेश में अव्वल रहा है। यहां इलाज पर 682.99 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान हुआ है, जबकि गोरखपुर दूसरे और मुरादाबाद तीसरे स्थान पर है।

प्रदेश में अब तक 50 लाख 40 हजार 937 आयुष्मान कार्ड धारक मरीजों ने 91 लाख 87 हजार 418 बार इलाज कराया है। इन उपचारों के लिए 15 हजार 140 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम किया गया, जिनमें से 13 हजार 315 करोड़

- योगी सरकार की स्वास्थ्य योजनाओं से गरीबों को राहत, प्रदेश में 13 हजार करोड़ से अधिक का भुगतान

रुपये से अधिक का भुगतान किया जा चुका है। साचीज की मुख्य कार्यकारी अधिकारी अर्चना वर्मा के अनुसार आयुष्मान योजना के तहत सबसे अधिक भुगतान बरेली जिले में किया गया है। बरेली में 1 लाख 83 हजार 714 लाभार्थियों ने योजना का लाभ लिया और 3 लाख 72 हजार 319 उपचार क्लेम दर्ज किए गए। इसके लिए 682 करोड़ 99 लाख रुपये से अधिक का क्लेम किया गया, जबकि 620 करोड़ 81 लाख रुपये से अधिक का भुगतान हो चुका है।

प्रदेश में गोरखपुर दूसरे स्थान पर रहा। यहां 1 लाख 71 हजार 492 लाभार्थियों ने योजना के तहत इलाज कराया। जिले में 3 लाख 59 हजार 529 क्लेम दर्ज किए गए, जिनके लिए 591 करोड़ से अधिक की धनराशि स्वीकृत हुई और 539 करोड़ से अधिक का भुगतान किया गया। मुरादाबाद तीसरे स्थान पर रहा। यहां 1 लाख 29 हजार से अधिक लाभार्थियों ने आयुष्मान योजना का लाभ लिया। जिले में 2 लाख 57 हजार 480 क्लेम दर्ज हुए, जिन पर 519 करोड़ से अधिक का क्लेम और 460 करोड़ का भुगतान किया गया।

आयुष्मान योजना की बड़ी तस्वीर

- 50 .40 लाख से अधिक लाभार्थियों ने कराया इलाज
- 91.87 लाख से अधिक उपचार क्लेम दर्ज
- 15,140 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम
- 13,315 करोड़ रुपये से अधिक का भुगतान।

सबसे अधिक भुगतान वाले जिले

- बरेली : 682 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम
- गोरखपुर : 591 करोड़ रुपये से अधिक
- मुरादाबाद : 519 करोड़ रुपये से अधिक
- बिजनौर, सहारनपुर और वाराणसी भी प्रमुख जिलों में शामिल।

लखनऊ और कानपुर के लोगों ने उठाया बड़ा लाभ

अर्चना वर्मा ने बताया कि बिजनौर, सहारनपुर, वाराणसी, बुलंदशहर, मेरठ, लखनऊ और कानपुर नगर के लाभार्थियों ने भी योजना का बड़े स्तर पर लाभ उठाया। बिजनौर में 486 करोड़ रुपये से अधिक, सहारनपुर में 463 करोड़ रुपये से अधिक और वाराणसी में 449 करोड़ रुपये से अधिक के क्लेम दर्ज किए गए। अधिकारियों के अनुसार वर्ष 2017 के बाद प्रदेश सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र को सर्वोच्च प्राथमिकताओं में शामिल किया है। मेडिकल कॉलेजों की संख्या बढ़ाने, जिला अस्पतालों को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने और स्वास्थ्य सेवाओं के डिजिटलीकरण पर विशेष जोर दिया गया है। इसका परिणाम है कि अब गरीबों को बड़े अस्पतालों में भी सुविधा मिल रही है।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 मई 2026

न्यूज ब्रीफ

एक करोड़ की हेरोइन के साथ गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : एंटी नारकोटिक्स टॉक्स फोर्स प्रयागराज इकाई द्वारा मंगलवार को प्रतापगढ़ के देल्हूपुर थाना क्षेत्र में 503 ग्राम हेरोइन के साथ एक तस्कर गिरफ्तार किया गया है। हेरोइन की अनुमानित कीमत एक करोड़ एक लाख रुपए बताई जा रही है। गिरफ्तार तस्कर का नाम रिजवानुर्रहमान बताया गया है, जोकि बाराबंकी जनपद के कुसुंभी का रहने वाला है। इकाई प्रभारी ने बताया कि आरोपी के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा रही है।

रथ हत्याकांड में एक और आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री सुवेंदु अधिकारी के पीए चंद्रनाथ रथ हत्याकांड के मामले में जांच कर रही सीबीआई ने मंगलवार को वाराणसी से विनय राय नामक को गिरफ्तार किया है। सीबीआई ने विनय राय को सीजेएम कोर्ट में पेशकर दो दिनों के रिमांड पर पश्चिम बंगाल ले गई है। विनय राय गाजीपुर जिले के देवरिया गांव का रहने वाला है। पुलिस की छानबीन में पता चला कि वह एक कुख्यात अपराधी भी है। बतातें चले कि सीबीआई ने इस मामले में विगत 10 मई को अयोध्या से राज सिंह को गिरफ्तार किया था। जबकि राजकुमार सिंह नामक व्यक्ति को सीबीआई ने सोमवार को मुजफ्फरनगर से उठाया था। छानबीन के दौरान ही सीबीआई की टीम ने मंगलवार को वाराणसी से विनय राय को गिरफ्तार किया है।

खड़े ट्रक से कार टकराने से महिला समेत दो की मौत

मुजफ्फरनगर,एजेंसी : जिले में मंगलवार को पिन्ना बाईपास पर खड़े एक ट्रक से कार टकरा जाने से महिला समेत दो लोगों की मौत हो गई और एक महिला गंभीर रूप से घायल हो गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार यह हादसा कोतवाली थानाक्षेत्र में चरथावल कट के पास हुआ। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) संजय कुमार ने बताया कि हताहत हुए लोग शामली जिले से मेरठ जा रहे थे, तभी उनकी कार खड़े ट्रक के पिछले हिस्से से टकरा गई। कुमार के अनुसार टक्कर इतनी तेज थी कि कार में आग लग गई। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान नाजिम (35) और रविता (30) के रूप में हुई है। पुलिस का कहना है कि हादसे में गंभीर रूप से घायल नज्जो को अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

यमुना में नहाते चार युवकों की डूबकर मौत

मथुरा,एजेंसी : मथुरा जनपद में दो अलग-अलग घटनाओं में यमुना में नहाते समय चार युवकों की डूबकर मौत हो गयी। पुलिस के अनुसार सोमवार को बलदेव के सेहत गांव के समीप यमुना में नीचे नहाते समय तीन युवक गहरे पानी में चले गए और डूब गए। उसने कहा कि सूचना मिलने पर राज्य आपदा मोचन बल (एसडीआरएफ) का दल मौके पर पहुंचा तथा पुलिस एव स्थानीय गोताखोरों के साथ मिलकर तलाशी अभियान चलाया गया। पुलिस के अनुसार सोमवार देर शाम उनमें से एक युवक अहले हसन (20) का शव बरामद हुआ तथा मंगलवार को आसू एवं डेविड के भी शव मिल गए।

पुलिस मुठभेड़ में दो बदमाश घायल

नोएडा,एजेंसी : नोएडा सेक्टर-63 थाना पुलिस ने कल देर एक मुठभेड़ में दो बदमाशों को गोली लगने के बाद गिरफ्तार कर लिया जबकि अन्य दो नाबालिग आरोपियों को बाद में हिरासत में लिया गया। पुलिस ने मुठभेड़ की जानकारी देते हुए मंगलवार को बताया कि 17 मई को थाना 63 क्षेत्र की चोटपुर कॉलोनी में दीपक (20) के साथ पैसे के विवाद को लेकर चार अज्ञात लोगों ने चाकू से हमला किया।

विकास सिंह ने आरोप लगाया कि अस्पताल में डॉक्टरों से लापरवाही के कारण काटना पड़ा हाथ, न्याय चाहिए

आईटीबीपी जवान मां का कटा हाथ लेकर पहुंचा पुलिस ऑफिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: अस्पताल में डॉक्टरों की लापरवाही से बीमार मां का एक हाथ काटना पड़ा। तीन दिन से मां का कटा हाथ लेकर आईटीबीपी जवान न्याय के लिए भटक रहा है। मंगलवार पुलिस ऑफिस पहुंचा तो हड़कंप मच गया। जवान का आरोप है टाटमिल स्थित कृष्णा हॉस्पिटल के डॉक्टरों ने लापरवाही बरती। पीड़ित ने अस्पताल प्रशासन व डॉक्टरों पर आरोप लगाते हुए निष्पक्ष जांच व कार्रवाई की मांग की। पुलिस अधिकारियों ने जांच के आदेश दे दिए हैं।

मूलरूप से फतेहपुर निवासी विकास सिंह महाराजपुर स्थित आईटीबीपी की 32वीं बटालियन में सिपाही हैं। विकास के अनुसार 13 मई को उनकी मां को सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इस पर उन्हें आईटीबीपी कैंप ले गए। जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद बड़े अस्पताल के लिए रेफर कर दिया। उन्हें टाटमिल स्थित कृष्णा हॉस्पिटल में भर्ती करा दिया। मां को आईसीयू में भर्ती किया गया। रात भर के इलाज से सांसें सामान्य हो गईं। विकास ने बताया कि सुबह जब मां को होश में आया तो दायां हाथ पूरी तरह काला पड़ चुका था। भारी सूजन थी और मां को काफी दर्द हो रहा था। डॉक्टरों से पूछा कि क्या हुआ तो टालते रहे। कहा कुछ नहीं है, ठीक हो जाएगा। आरोप है कि शाम तक उनकी मां दर्द से तड़पती रहीं, लेकिन अस्पताल में किसी ने ध्यान नहीं दिया। इस पर अपनी बटालियन में बताया। वहां से तुरंत अस्पताल से शिफ्ट करने की सलाह मिली।

मां का कटा हाथ बॉक्स में लिए आईटीबीपी जवान। ● अमृत विचार

विकास के अनुसार 14 मई की शाम डिस्चार्ज कराकर पारस हॉस्पिटल ले गए। जहां डॉक्टरों ने हाथ देखा तो हैरान रह गए। जांच में पता चला कि कलाई के आगे खून का दौरा बंद हो चुका है। इंफेक्शन शरीर में न फैले व जान बचाई जा सके, इसके लिए डॉक्टरों को 17 मई को मां का दाया हाथ काटना पड़ा।

विकास ने कहा, न्याय चाहिए कोई सुन नहीं रहा

जवान विकास ने कहा कि तीन दिन से मां का कटा हाथ लेकर न्याय के लिए भटक रहे हैं। सबसे पहले रेल बाजार थाने गए, फिर एडीसीपी शिवा सिंह के पास। उन्होंने बताया कि सब लोग सिर्फ प्रार्थना पत्र ले रहे हैं। किसी ने कहा कि सीएमओ जांच करेंगे तो किसी ने कहा पुलिस। फफकते हुए जवान ने कहा कि हमें न्याय चाहिए।

तीन सदस्यीय कमेटी गठित कर जांच के आदेश

पुलिस ऑफिस में मां का हाथ लेकर न्याय मांगने पर हड़कंप मचा रहा। पुलिस अधिकारियों ने तुरंत जवान की बात सुनी। सीएमओ को जांच के लिए पत्र भिजवाया। मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। कमिश्नरेट के स्टॉफ अफसर अमरनाथ यादव ने बताया कि तीन सदस्यीय कमेटी गठित की गई है। जांच रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई होगी।

सपा प्रवक्ता भाटी के खिलाफ एक और प्राथमिकी दर्ज

मुजफ्फरनगर,एजेंसी: जिले में सिविल लाइंस थाना पुलिस ने मंगलवार को समाजवादी पार्टी (सपा) के प्रवक्ता राज कुमार भाटी के खिलाफ कथित तौर पर एक जाति विशेष पर आपत्तिजनक टिप्पणी के मामले में प्राथमिकी दर्ज की। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। इससे पहले पिछले मंगलवार को भी भाटी के खिलाफ गाजियाबाद जिले के कविनगर इलाके में ब्राह्मण समाज पर कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने के आरोप में प्राथमिकी दर्ज की गई थी। इस बार उनके खिलाफ जाट महासभा के प्रदर्शन के बाद प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। एसएसपी संजय कुमार ने यहां बताया कि जसवीर सिंह की शिकायत पर पुलिस ने भाटी के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

भरण-पोषण कोई दया नहीं, पत्नी और बच्चे का कानूनी अधिकार : हाईकोर्ट

परिवार न्यायालय को इस संबंध में सतर्क रहने की आवश्यकता

विधि संवाददाता,प्रयागराज

अमृत विचार: इलाहाबाद हाईकोर्ट ने भरण पोषण से जुड़े मामलों में बार-बार पति द्वारा आए छिपाकर या पत्नी के शिक्षित होने का हवाला देते हुए राशि को कम करने या भरण पोषण से बचने की प्रवृत्ति पर कड़ी आपत्ति जताते हुए कहा कि भरण-पोषण कोई दान या दया नहीं, बल्कि पत्नी और बच्चों का वैधानिक अधिकार है। केवल पत्नी के शिक्षित होने के आधार पर उसे भरण-पोषण से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने यह भी टिप्पणी की कि पति यदि अपनी वास्तविक आय और संपत्ति छिपाने का प्रयास करे तो परिवार न्यायालय को इस संबंध में सतर्क रहने की आवश्यकता है।

इसी आधार पर न्यायमूर्ति डॉ. अजय कुमार-II ने साधना उर्फ साक्षी और उनके पुत्र की ओर से दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को स्वीकार कर परिवार न्यायालय, बुलंदशहर द्वारा निर्धारित भरण-पोषण राशि बढ़ाते हुए पत्नी और पुत्र के लिए कुल 47,500 रुपये प्रतिमाह देने का आदेश दिया। कोर्ट ने रेखांकित किया कि सीआरपीसी की धारा 125 का उद्देश्य परित्यक्त पत्नी और बच्चों को भूख, दरिद्रता और असुरक्षा से बचाना है। यह सामाजिक न्याय का प्रावधान है, जिसे संवेदनशील दृष्टिकोण से लागू किया जाना चाहिए।

कोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले का हवाला देते हुए कहा कि संपत्ति और देनदारी का शपथ पत्र केवल औपचारिकता मात्र नहीं है बल्कि परिवार न्यायालय का यह दायित्व है कि वह ऐसे मामलों में दाखिल हलफनामों का गंभीरता से जांच करें और आय छिपाने या भ्रामक जानकारी देने के प्रयासों पर आवश्यक कार्रवाई करे, क्योंकि ऐसे मामले केवल कानूनी विवाद नहीं बल्कि सामाजिक न्याय और मानवीय गरिमा से जुड़े होते हैं।

मृत्यु प्रमाणपत्र को एसडीएम की अनुमति जरूरी

विधि संवाददाता,प्रयागराज : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने मृत्यु प्रमाण पत्र जारी करने के संबंध में नियमों को स्पष्ट किया है कि किसी व्यक्ति की मृत्यु के संबंध में पर्याप्त साक्ष्य और सक्षम प्राधिकारी के आदेश के बिना सीधे मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करने का निर्देश नहीं दिया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि विधिक प्रक्रिया को दरकिनार कर मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करना किसी व्यक्ति के अस्तित्व को समाप्त करने जैसा होगा। एसडीएम की अनुमति के बिना मृत्यु प्रमाणपत्र जारी करना विधिसम्मत नहीं है। यह आदेश न्यायमूर्ति अतुल श्रीधरन और न्यायमूर्ति विवेक सारण की खंडपीठ ने वाराणसी निवासी नवल किशोर श्रीवास्तव की याचिका खारिज करते हुए पारित किया।

एसिड अटैक पीड़ितों के पुनर्वास को राज्य केवल मुआवजे तक सीमित नहीं कर सकता

प्रयागराज, अमृत विचार : इलाहाबाद हाईकोर्ट ने एसिड अटैक पीड़ितों के पुनर्वास को लेकर उत्तर प्रदेश सरकार के रवैये पर गंभीर असंतोष जताते हुए कहा कि राज्य की संवैधानिक जिम्मेदारी केवल अपराधियों को दंडित करने तक सीमित नहीं है। कोर्ट ने स्पष्ट किया कि एसिड अटैक पीड़ितों को केवल मामूली आर्थिक सहायता देकर छोड़ना उचित नहीं है, बल्कि उन्हें चिकित्सा, पुनर्निर्माण सर्जरी, मनोवैज्ञानिक परामर्श, शिक्षा, रोजगार सहायता और सम्मानजनक जीवन के लिए दीर्घकालिक पुनर्वास उपलब्ध कराना भी राज्य का दायित्व है। यह टिप्पणी न्यायमूर्ति सरल श्रीवास्तव और न्यायमूर्ति गरिमा प्रसाद की खंडपीठ ने एसिड अटैक सर्वाइवर फरहा की याचिका पर सुनवाई करते हुए की। कोर्ट ने कहा कि वर्ष 2016 में सुप्रीम कोर्ट ने एक मामले में एसिड अटैक पीड़ितों के लिए व्यापक पुनर्वास नीति की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा था कि मुआवजा पीड़िता की आजीवन पीड़ा, सामाजिक बहिष्कार, चिकित्सा व्यय और गरिमापूर्ण जीवन के नुकसान को ध्यान में रखकर तय होना चाहिए, लेकिन उत्तर प्रदेश सरकार इस संबंध में अब तक कोई ठोस नीति नहीं बना सकी है।

पीएम की अपील का असर

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की मितव्ययिता की अपील को ध्यान में रखते हुए, भाजपा सांसद हेमा मालिनी सोमवार को मथुरा स्थित जिला कलेक्टर कार्यालय में एक बैठक में भाग लेने के बाद इलेक्ट्रिक ऑटो रिक्शा से रवाना होते हुए। ● एजेंसी

चाइनीज मांझे पर कानून लाने की तैयारी में सरकार

लखनऊ, अमृत विचार : प्रदेश में चाइनीज मांझे को लेकर इलाहाबाद हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने सख्त रुख अपनाया है। मंगलवार को सुनवाई के दौरान यूपी सरकार ने कोर्ट में अपना पक्ष रखते हुए बताया कि इस संबंध में हम नया कानून ला रहे हैं।

इसका नाम उत्तर प्रदेश घातक मांझा (निर्माण, बिक्री और उपयोग निषेध) अधिनियम रखा जा सकता है। अभी इस पर मंथन चल रहा है। इस कानून में मांझे से प्रभावित लोगों को मुआवजा भी दिए जाने की बात कही गई है। सरकार के अधिवक्ता ने कहा कि अभी नए कानून का प्रस्ताव ड्राफ्टिंग और विचार-विमर्श के चरण में है। इस कानून के जरिए चाइनीज मांझा और कांच लगे धागों पर सख्त रोक लगाने की योजना है। जस्टिस राजन रॉय और जस्टिस मंजीव शुक्ल की खंडपीठ ने स्पष्ट किया कि यह मामला सीधे जीवन के अधिकार से जुड़ा है, इसलिए केवल कागजी कार्रवाई नहीं, बल्कि जमीनी असर जरूरी है। मामले की अगली सुनवाई 13 जुलाई 2026 को होगी।

बता दें कि 5 फरवरी को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा था कि चीनी मांझे से होने वाली मौतों को हत्या माना जाएगा। इस संबंध में उन्होंने राज्यव्यापी छापेमारी के आदेश भी दिए थे, मामले में कई लोगों को हिरासत में लिया गया था। यूपी में चाइनीज मांझे की बिक्री पर पूरी तरह प्रतिबंध है।

भ्रष्टाचार पर रोक लगाने के लिए जल सारथी एप सक्रिय

● प्लंबर से अधिकारियों तक के नंबर एप पर उपलब्ध

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश सरकार जल जीवन मिशन को पूरी तरह डिजिटल और पारदर्शी बनाने की दिशा में तेजी से काम कर रही है। ग्रामीण क्षेत्रों में हर घर तक शुद्ध पेयजल पहुंचाने के अभियान में 'जल सारथी' मोबाइल ऐप ग्रामीणों को योजनाओं की लाइव जानकारी और शिकायत समाधान की सुविधा मिल रही है।

पाइल बिझाने से लेकर टोटी और टंकियों के कार्य में होने वाली अनियमितता की पूरी सूचना दी जा सकती है, जिसपर विभाग से लेकर शासन तक समाधान और कार्रवाई तय करता है। नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति विभाग के विशेष सचिव एवं एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर प्रभास कुमार के अनुसार 'जल सारथी' ऐप के जरिए राज्य से लेकर गांव स्तर तक चल रही परियोजनाओं की लाइव मॉनिटरिंग संभव हो गई है।

मल्टी लेवल डैशबोर्ड के माध्यम से किसी भी गांव में पानी की टंकी, पाइपलाइन या घरेलू नल कनेक्शन की स्थिति एक क्लिक पर देखी जा सकती है। उन्होंने बताया कि प्रदेश के 75 जिलों की लगभग 58 हजार ग्राम पंचायतों में करीब 40 हजार परियोजनाओं के जरिए हर घर तक जलापूर्ति सुनिश्चित की जा रही है। इन सभी परियोजनाओं को ऐप से ऑनलाइन जोड़ा जा रहा है, ताकि उनकी वास्तविक स्थिति की निगरानी की जा सके।

पानी के स्रोत से घर की टोटी तक निगरानी

- 'जल सारथी' ऐप में जियो टैगिंग आधारित व्यवस्था लागू की गई है। जैसे ही किसी गांव में पाइपलाइन, टंकी या नल कनेक्शन का कार्य पूरा होता है, उसकी जानकारी ऐप पर अपडेट हो जाती है। इससे विभाग पानी के स्रोत से लेकर घरों में लगी टोटी तक पूरी प्रणाली की निगरानी कर पा रहा है। पाइपलाइन, मोटर और टंकी जैसी परिसंपत्तियों का संचालन भी इसी माध्यम से ट्रैक किया जा रहा है।

पानी की गुणवत्ता की निगरानी भी डिजिटल

- सरकार केवल जलापूर्ति ही नहीं, बल्कि पानी की गुणवत्ता सुनिश्चित करने पर भी जोर दे रही है। ग्राम स्तर पर फील्ड टेस्ट किट के जरिए पानी की जांच की जिम्मेदारी स्थानीय महिलाओं को दी गई है। इन महिलाओं का विवरण भी ऐप पर उपलब्ध है, जिससे ग्रामीण स्वयं उनकी पुष्टि कर सकते हैं और जवाबदेही सुनिश्चित हो रही है।

जिम जिहाद मामले में 10 आरोपियों के खिलाफ गैंगस्टर

मिर्जापुर,एजेंसी: जिले में कथित जिम जिहाद मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 10 आरोपियों के खिलाफ गिरोहबंद और समाज-विरोधी क्रियाकलाप (निवारण) अधिनियम के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, मुख्य आरोपी इमरान खान और मौलाना खलीलुद्दीन समेत सभी आरोपी पहले से ही गिरफ्तार हैं और मिर्जापुर जिला कारागार में बंद हैं। पुलिस इस मामले में अदालत में छह हजार पन्नों का आरोप-पत्र भी दाखिल कर चुकी है। पुलिस जांच में सामने आया कि गिरोह का सरगना इमरान खान अपने साथियों के साथ मिलकर जिम में आने वाली हिंदू महिलाओं और लड़कियों को निशाना बनाता था।

पुलिस के अनुसार, आरोपी पहले उनसे दोस्ती करते और फिर उन्हें गुमराह करके धर्मांतरण का दबाव बनाते थे।

छात्रा से आपत्तिजनक बातचीत का आरोपी प्रोफेसर निलंबित

लखनऊ,एजेंसी

लखनऊ विश्वविद्यालय (एलयू) के प्राणीशास्त्र विभाग के एक सहायक प्रोफेसर को एक छात्रा से फोन पर कथित तौर पर आपत्तिजनक बातचीत करने के आरोप में मंगलवार को निलंबित कर दिया गया। विश्वविद्यालय प्रशासन ने यह जानकारी दी। विश्वविद्यालय की ओर से जारी बयान के मुताबिक मंगलवार को कुलपति प्रोफेसर जे.पी. सैनी की अध्यक्षता में कार्यपरिषद की लगातार दूसरे दिन हुई आपात बैठक में तीन सदस्यीय उच्चस्तरीय अनुशासन समिति की अंतरिम रिपोर्ट के आधार पर आरोपी सहायक प्रोफेसर डॉक्टर परमजीत सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित करने का फैसला लिया गया।

बयान के अनुसार समिति ने अपनी अंतरिम रिपोर्ट में स्पष्ट किया है कि यह आरोप सिद्ध हुआ है कि शिक्षक ने परीक्षा प्रश्न-पत्र लीक करने का प्रलोभन देकर छात्रा के यौन शोषण का प्रयास किया जो शिक्षक आचरण नियमावली का उल्लंघन है। समिति ने कहा कि शिक्षक की हरकत से विश्वविद्यालय की साख, सामाजिक प्रतिष्ठा एवं अकादमिक निष्ठा को गंभीर क्षति पहुंची है तथा यह कार्यस्थल पर गंभीर यौन एवं मानसिक उत्पीड़न और अशोभनीय कदाचार से जुड़ा है। बयान के मुताबिक इस मामले में निलंबन की कार्यवाही के साथ-साथ आरोपी शिक्षक के खिलाफ एक आरोप पत्र भी जारी किया गया है जिस पर उसे 15 दिन के अंदर सुबूतों के साथ लिखित सफाई पेश करनी होगी । बयान के अनुसार अगर वह ऐसा करने में नाकाम रहता है तो इसे अपराध के प्रति उसकी मूक स्वीकारोक्ति मानते हुए उसकी बर्खास्तगी की कार्यवाही भी की जा सकती है।

प्रश्नपत्र में ब्राह्मणवादी पितृसत्ता पर सवाल को लेकर समाज में नाराजगी

वाराणसी,एजेंसी : काशी हिन्दू विश्वविद्यालय के स्नातकोत्तर (एमए-इतिहास) के प्रश्न पत्र में ब्राह्मणवादी पितृसत्ता पर उठाये गए सवाल को लेकर ब्राह्मण समाज में रोष व्याप्त हो गया है।

कांग्रेस ने एक प्रतिष्ठित विश्वविद्यालय के प्रश्नपत्र में विवादित सवाल पूछे जाने को दुर्भाग्यपूर्ण और चिंताजनक करार देते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन से इस सवाल का वापस लेने की मांग की है। हालांकि इस मामले में विश्वविद्यालय प्रशासन की तरफ से कोई भी आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है।

विद्यार्थियों ने बताया कि एमए-इतिहास के चौथे सेमेस्टर के प्रश्न पत्र में एक सवाल पूछा गया कि ब्राह्मणवादी पितृसत्ता शब्द से आप क्या समझते है? चर्चा कीजिये कि किस प्रकार ब्राह्मणवादी पितृसत्ता ने प्राचीन भारत में महिलाओं की प्रगति में बाधा डाली।

सफलता | जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग ने हासिल की यह उपलब्धि

विश्व में पहली बार दिल की दवा से लौटी आंख की रोशनी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: आंख में चोट लगने के बाद जमे थक्के को हटाने के लिए दुनिया में पहली बार दिल की बीमारी में इस्तेमाल की जाने वाली दवा का प्रयोग किया गया। जिसके बाद आंख में जमा खून का थक्का पिघला और बिना चीरे के महिला के आंख का प्रेशर कम हुआ और उसकी आंख की रोशनी दोबारा लौटी। यह करिश्मा जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के नेत्र रोग विभाग में डॉ.परवेज खान ने अपनी टीम के साथ करके दिखाया। डॉ.परवेज का दावा है कि दुनिया में यह पहला केस है।

गोविंद नगर निवासी 30 वर्षीय सीमा की आंख में बच्चे की कोहनी लग गई थी, जिसकी वजह से आंख सूजकर बाहर की ओर आ गई थी, परिजन जब तक महिला को लेकर जीएसवीएम मेडिकल कॉलेज के हैलट अस्पताल पहुंचे तो महिला की आंख की रोशनी जा चुकी थी। डॉ. परवेज खान ने बताया कि चोट लगने से आंख के भीतर काफी ब्लीडिंग होने से खून का बड़ा थक्का उसमे जम गया था। जांच में पता चला कि क्लॉट की वजह से आंख की कोरॉयड परत दोनों तरफ से उखड़कर आपस में चिपक गई हैं। गंभीर स्थिति की वजह से आंख का प्रेशर 80 तक पहुंच गया था, जबकि सामान्य आई प्रेशर इससे काफी कम होता है। ऐसे में दिल के मरीजों में इस्तेमाल होने वाली दवा टेनेक्टेप्लेस को आंख के इलाज में प्रयोग करने की योजना तैयार की। बताया कि यह दवा कॉर्डियोलॉजी के निदेशक डॉ. राकेश वर्मा ने उपलब्ध कराई। डॉक्टरों ने काफी रिसर्च के बाद दवा की मात्रा तय की, ताकि ब्लीडिंग दोबारा न बढ़े। दवा को आंख के भीतर जमा थक्के तक पहुंचाने के लिए पेटेंट हुई विशेष सुप्राकोरॉइडल नीडल का इस्तेमाल किया। दवा देने के 24 घंटे बाद थक्का पिघल गया। इसके बाद डॉक्टरों ने उसी 26 गेज की पतली सुई से पिघला हुआ खून बाहर निकाला। दावा है कि पूरी प्रक्रिया बिना चीरा लगाए की गई। खून निकलते ही आंख का प्रेशर सामान्य होने पर मरीज को दर्द से राहत मिली।

अपने चैम्बर में डॉ.परवेज खान।

डीजीसीआई से मंजूरी लेने की तैयारी

डॉ. परवेज खान ने दावा किया कि इस स्थिति में इस तकनीक और दवा का इस्तेमाल दुनिया में पहली बार किया गया है। इस तरह का केस अब तक मेडिकल साहित्य या ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर भी दर्ज नहीं है। अब डॉक्टर इस तकनीक और विशेष सुई के व्यावसायिक इस्तेमाल के लिए डीजीसीआई से मंजूरी लेने की तैयारी कर रहे हैं, ताकि भविष्य में दूसरे आई सर्जन भी इस तकनीक का इस्तेमाल कर सकें। कहा कि निजी अस्पतालों में इस तरह के इलाज पर करीब एक लाख रुपये तक खर्च आ सकता था, लेकिन हैलट अस्पताल में यह पूरा इलाज मुफ्त किया गया।

लेखपाल,बीएड प्रवेश परीक्षा को लेकर अलर्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● 44 जिलों में लेखपाल भर्ती और 72 जिलों में बीएड प्रवेश परीक्षा लाखों अभ्यर्थी होंगे शामिल

अमृत विचार: कृषि उत्पादन आयुक्त दीपक कुमार ने मंगलवार को लेखपाल भर्ती की मुख्य लिखित परीक्षा और उत्तर प्रदेश संयुक्त बीएड प्रवेश परीक्षा-2026 की तैयारियों की समीक्षा करते हुए सभी मंडलायुक्तों, जिलाधिकारियों और वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को निष्पक्ष, पारदर्शी और व्यवस्थित परीक्षा संचालन के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा कि परीक्षा की शुचिता बनाए रखना सर्वोच्च प्राथमिकता है और इसके लिए सभी स्तरों पर सतर्कता और समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

दीपक कुमार ने निर्देश दिए कि केंद्र अधीक्षकों, स्टैटिक मजिस्ट्रेट, सेक्टर मजिस्ट्रेट और परीक्षा ड्यूटी में लगाए गए कर्मचारियों का गहन प्रशिक्षण कराया जाए। प्रश्नपत्र और अन्य गोपनीय सामग्री की सुरक्षा सुनिश्चित करते हुए उन्हें समयबद्ध तरीके से परीक्षा केंद्रों तक पहुंचाने के निर्देश भी दिए गए। अभ्यर्थियों की चेकिंग और फ्रिस्किंग को पूरी गंभीरता से कराने पर जोर दिया गया।

कृषि उत्पादन आयुक्त ने कहा कि परीक्षा के दौरान रेलवे स्टेशन और बस अड्डों पर अभ्यर्थियों की भीड़ को देखते हुए अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया जाए। ट्रैफिक जाम रोकने के लिए विशेष व्यवस्था करने और सोशल मीडिया पर कड़ी निगरानी रखने के निर्देश भी दिए गए। गर्मी को देखते हुए परीक्षा केंद्रों पर निर्बाध बिजली, पेयजल और चिकित्सा सुविधाएं सुनिश्चित करने को कहा गया है।

उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग के अध्यक्ष एसएन साबत ने बताया कि लेखपाल भर्ती की मुख्य परीक्षा 21 मई 2026 को सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक प्रदेश के 44 जिलों के 861 परीक्षा केंद्रों पर आयोजित होगी। इसमें 3,66,712 अभ्यर्थी शामिल होंगे। लखनऊ, वाराणसी, कानपुर नगर, मेरठ, गोरखपुर, बरेली, आगरा, प्रयागराज और गाजियाबाद समेत कई जिलों में 10 हजार से अधिक अभ्यर्थी परीक्षा देंगे।

बैठक में प्रमुख सचिव उच्च शिक्षा एमपी अग्रवाल, एडीजी एलओ अमिताभ यश, सचिव उच्च शिक्षा अमृत त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित रहे।

न्यूज ब्रीफ

रिश्वत लेते रंगे हाथ चार कार्मिक गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : भ्रष्टाचार निवारण संगठन की ओर से मंगलवार को प्रदेश के गोंडा, बहराइच और आजमगढ़ में की गई कार्रवाई में लेखपाल, नाजिर नायब सहित चार कार्मिक रंगे हाथ गिरफ्तार किए गए हैं। पहली कार्रवाई भ्रष्टाचार निवारण संगठन लखनऊ इकाई की ओर से विमल प्रताप सिंह निवासी सीताकुंज, मिश्रिख सीतापुर, स्थाईपता ग्राम समशपुर, कछौना हरदोई से प्लाट के दाखिल खारिज कराने के एवज में अवैध धनराशि की मांग के संबंध में की गई शिकायत पर निरीक्षक एकता त्यागी के नेतृत्व में नाजिर नायब अनीश अहमद, रोहित सिंह , को 18 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया। इसी तरह गोण्डा इकाई द्वारा राजेन्द्र कुमार निवासी बहादुरपुर चक, कोतवाली देहात जिला बहराइच से सीएससी व आधार सेंटर चलाने के एवज में अवैध धनराशि की मांग के सम्बन्ध में की गई शिकायत पर निरीक्षक धनंजय कुमार सिंह के नेतृत्व में नगर पालिका परिषद बहराइच गेट के सामने मेन रोड से आशुतोष पाण्डेय को 10 हजार रुपये रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया। आजमगढ़ इकाई द्वारा महेन्द्र कुमार निवासी धरमपुर कैथवली, मधुवन से जमीन पैमाइश कराने के एवज में अवैध धनराशि की मांग के संबंध में की गई थी। निरीक्षक हरिवंश कुमार शुक्ला के नेतृत्व में ग्राम कटघरा महल गेट के पास से राजस्व लेखपाल अनिल कुमार को 5 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया।

उत्तराखंड के जंगलों में आज से होगी गजराज की गणना

हल्द्वानी, अमृत विचार : छह वर्ष बाद, उत्तराखंड में आज से एक बार फिर से हाथियों की गणना की जाएगी। भारतीय वन्यजीव संस्थान (डब्ल्यूआईआई) की मदद से होने वाली यह गणना डायरेक्ट साइटिंग मैथड से की जाएगी। पहली बार हाथी गणना का डेटा मोबाइल ऐप में भी देना होगा। वन अधिकारियों के अनुसार, 20 मई से 30 जून नैनीताल, अल्मोड़ा, चम्पावत, ऊधम सिंह नगर, हरिद्वार, देहरादून, पौड़ी आदि जिलों के जंगलों में हाथियों की गणना की जाएगी। इसके लिए सभी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। जंगलात के फील्ड स्टाफ व संबंधित अधिकारियों-कर्मियों को इस बाबत प्रशिक्षण दिया गया है। 42 दिनों तक होने वाली गणना में डायरेक्ट साइटिंग मैथड अपनाया जाएगा। सरल शब्दों में कहें तो प्रत्येक वन डिवीजन में हाथियों को देखकर संबंधित रेंज, बीट, प्लॉट आदि के साथ हाथियों की संख्या नोट करेगा।

16128 वाहनों का किया चालान

लखनऊ, अमृत विचार : डीजीपी राजीव कृष्ण के निर्देश पर यूपी में सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने हेतु चलाए जा रहे अभियान 16 और 17 मई को भी चला। इस दौरान कुल 2,52,122 वाहनों की जाँच की गई। मद्यपान कर वाहन चलाते हुए 5143 लोग पाए गए। प्रेशर हार्न और हूटर का उपयोग करने वाले 4225 लोग पाए गए। फाल्टीड नम्बसर प्लेऽट, एचएसआरपी नहीं होने पर 4594 लोगों सहित कुल 16128 वाहन चालकों का 0 7 करोड़ 70 लाख के अर्थदण्ड का चालान किया गया। डीजीपी ने सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाने के उद्देश्य से अभियान चलाकर कार्यवाही किये जाने का निर्देश दिया था। 9, 10, 16 व 17 मई को जनपदीय नोडल अधिकारी, यातायात एवं क्षेत्राधिकारियों के पर्यवेक्षण में परिवहन विभाग के सहायक सम्भागीय अधिकारियों ने अभियान चलाया।

आईआईटी कानपुर की उन्नत तकनीक से नई कृषि क्रांति की तैयारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गो संरक्षण को वैज्ञानिक खेती रोजगार से जोड़ रही सरकार
- गोबर-गोमूत्र आधारित ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर तकनीक विकसित

अमृत विचार: योगी सरकार गो संरक्षण को केवल धार्मिक और सामाजिक दृष्टिकोण तक सीमित न रखकर वैज्ञानिक कृषि, जैविक खेती और ग्रामीण अर्थव्यवस्था से जोड़ने की दिशा में बड़ा कदम उठा रही है। सरकार संरक्षित गोमाता आधारित माइक्रो-आंत्रप्रेन्योरशिप मॉडल के जरिए प्रदेश में नई कृषि क्रांति की तैयारी कर रही है, जिसमें आईआईटी कानपुर की उन्नत तकनीक अहम भूमिका निभाएगी।

प्रदेश की गोशालाओं को अब केवल पशु संरक्षण केंद्र के रूप में नहीं, बल्कि जैविक कृषि और ग्रामीण विकास की नई ताकत के रूप में विकसित किया जाएगा। गोबर और गोमूत्र आधारित हाई-क्वालिटी जैविक उर्वरक तैयार करने की आधुनिक तकनीक आईआईटी कानपुर में विकसित की गई है, जिससे खेती को अधिक प्राकृतिक, टिकाऊ और पर्यावरण अनुकूल बनाने में मदद मिलेगी।

आईआईटी कानपुर के बायोलॉजिकल साइंसेज एंड बायोइंजीनियरिंग विभाग के पीएचडी स्कॉलर अक्षय श्रीवास्तव ने यह तकनीक विकसित की है। इस शोध का नेतृत्व अमिताभ बंध्योपाध्य कर रहे हैं। तकनीक के जरिए गोबर और गोमूत्र से वैज्ञानिक तरीके से उच्च गुणवत्ता वाला ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर तैयार किया जाएगा। विशेषज्ञों के अनुसार इससे रासायनिक उर्वरकों पर निर्भरता घटेगी, खेती की लागत कम होगी और पर्यावरण संरक्षण को भी बढ़ावा मिलेगा। योगी सरकार इस तकनीक को माइक्रो-आंत्रप्रेन्योरशिप मॉडल से जोड़ने की तैयारी कर रही है। इसके तहत ग्रामीण युवाओं, महिलाओं और किसानों को छोटे स्तर की फर्टिलाइजर यूनिट्स से जोड़ा जाएगा। इससे गांवों में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। सरकार की योजना है कि गोशालाओं में तैयार जैविक उत्पाद सीधे किसानों तक पहुंचें और गांव स्तर पर ही उत्पादन, बिक्री और आय का मजबूत आर्थिक चक्र तैयार हो। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को नई गति मिलने की उम्मीद है।

गोशालाओं से जुड़ेगा नया आर्थिक मॉडल

- प्रदेश की गोशालाओं को जैविक कृषि, प्राकृतिक खेती और ग्रामीण विकास के नए मॉडल के रूप में विकसित किया जाएगा। सरकार का मानना है कि यदि यह मॉडल बड़े स्तर पर सफल हुआ तो उत्तर प्रदेश देश में गो आधारित वैज्ञानिक खेती और ऑर्गेनिक फर्टिलाइजर टेक्नोलॉजी का सबसे बड़ा केंद्र बन सकता है। श्याम बिहारी गुप्ता ने कहा कि योगी सरकार गो संरक्षण को वैज्ञानिक कृषि और रोजगार से जोड़कर ऐसा मॉडल विकसित कर रही है, जो भविष्य में पूरे देश के लिए उदाहरण बन सकता है।

रोडवेज कर्मियों का आंदोलन स्थगित

अमृत विचार,लखनऊ: रोडवेज कर्मचारी संयुक्त परिषद उत्तर प्रदेश ने प्रस्तावित आंदोलन के दूसरे चरण को पीक सीजन तक स्थगित कर दिया है। परिषद के अध्यक्ष गिरिजा शंकर तिवारी और महामंत्री गिरीश चंद्र मिश्र ने विज्ञप्ति जारी कर बताया कि 15 मई को प्रबंध निदेशक स्तर और 18 को शासन स्तर पर वार्ता के बाद निर्णय लिया गया। परिषद ने कहा कि मुख्यमंत्री की सार्वजनिक परिवहन के अधिकतम उपयोग की अपील को देखते हुए आंदोलन स्थगित किया गया है।

दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में यूपी के 40 जिले

बांदा में 48.2, मुरादाबाद, इटावा और औरैया में पारा 47 डिग्री पार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश इस समय भीषण गर्मी और लू की चपेट में है। हालात ऐसे हैं कि दुनिया के 100 सबसे गर्म शहरों में अकेले यूपी के 40 शहर शामिल हो गए हैं। तापमान 44 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंचने से प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में जनजीवन प्रभावित हो गया है। दोपहर के समय सड़कें सूनी नजर आ रही हैं और लोग घरों में रहने को मजबूर हैं।

गूगल पर उपलब्ध मौसम आंकड़ों और एयर क्वालिटी ट्रैकिंग प्लेटफॉर्म के अनुसार लगातार तीसरे दिन मंगलवार को बांदा एशिया में सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान इतिहास में तीसरी बार 48.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। इसके पहले वर्ष 2019 मई माह में 48.1 डिग्री और वर्ष 2022 में 49 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया था। मुरादाबाद, इटावा और औरैया में तापमान 47 डिग्री सेल्सियस तक दर्ज किया गया। इसके अलावा 46 डिग्री से अधिक वाले शहरों में प्रयागराज, बदायूं, रामपुर, फतेहपुर, संभल, एटा, बिजनौर, अमरोहा, मिर्जापुर, अलीगढ़, बलरामपुर, बरेली और वाराणसी शामिल रहे। 45 डिग्री तापमान की तपिश से जौनपुर, आजमगढ़, झांसी, मुजफ्फरनगर, फिरोजाबाद, आगरा, मथुरा, हाथरस, सीतापुर, शाहजहांपुर, शामली और अयोध्या जूझता रहा। पश्चिमी यूपी और एनसीआर में भी गर्मी से कोई राहत नहीं है। नोएडा, ग्रेटर नोएडा, गाजियाबाद और मेरठ जैसे शहरों में तापमान 44 डिग्री दर्ज किया गया है। इसके अलावा बागपत, बुलंदशहर, हापुड़ और सहारनपुर में भी गर्मी का प्रचंड रूप देखने को मिल रहा है।मौसम विभाग के मुताबिक, पश्चिम से लेकर पूरब तक अगले पांच-छह दिनों तक तपिश से राहत के आसार नहीं हैं। इस दौरान राजधानी समेत 60 से अधिक जिलों में हीटवेव को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। मौसम वैज्ञानिक मोहम्मद दानिश के अनुसार, लू का सबसे अधिक असर बुंदेलखंड इलाके में है। बांदा में सहित आसपास के जिलों में आसमान से आग बरस रही है। बुधवार और गुरुवार को बांदा, फतेहपुर, आगरा, फिरोजाबाद, इटावा, जालौन, हमीरपुर, महोबा, झांसी और आसपास के जिलों में लू को लेकर रेड अलर्ट जारी किया गया है।

गर्मी से राहत पाने के लिए लखनऊ में गोमती नदी में नहाता बच्चा। अमृत विचार

दोपहर में बाहर निकलने से बचें

- स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने लोगों को दोपहर 12 बजे से शाम 4 बजे तक अनावश्यक रूप से बाहर न निकलने की सलाह दी है। डॉक्टरों का कहना है कि लगातार पानी, ओआरएस, नींबू पानी और अन्य तरल पदार्थों का सेवन करें। हल्के रंग के सूती कपड़े पहनें और सिर को ढककर रखें।

यूपी के सबसे गर्म शहर

मुरादाबाद	47 डिग्री सेल्सियस
बांदा	47 डिग्री सेल्सियस
इटावा	47 डिग्री सेल्सियस
औरैया	47 डिग्री सेल्सियस
प्रयागराज	46 डिग्री सेल्सियस
बरेली	46 डिग्री सेल्सियस
वाराणसी	46 डिग्री सेल्सियस

अगले कुछ दिन और मुश्किल

- मौसम विभाग के अनुसार फिलहाल गर्मी से राहत मिलने के आसार कम हैं। पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय नहीं होने के कारण शुष्क और गर्म हवाएं तापमान को और बढ़ा सकती हैं। मौसम विशेषज्ञों का अनुमान है कि अगले कुछ दिनों तक लू का असर जारी रह सकता है।

भीषण गर्मी में निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करें

- **अमृत विचार, लखनऊ :** उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन के प्रबंध निदेशक नितीश कुमार ने प्रदेश में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए सभी क्षेत्रों में निर्धारित रोस्टर के अनुसार निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने वितरण निगमों के कार्यों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को विशेष सतर्कता बरतने को कहा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों को नियमित मॉनीटरिंग करने तथा किसी भी स्थान पर ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त होने पर उसे निर्धारित समय में बदलकर आपूर्ति शीघ्र बहाल करने के निर्देश दिए।उन्होंने बताया कि स्मार्ट मीटर और पुराने चेक मीटर की रीडिंग का अभियान चल रहा है, जिसमें अब तक लगभग 50 हजार मीटरों का परीक्षण किया गया है। उपभोक्ताओं को चेक मीटर रीडिंग की जानकारी देने के लिए व्यापक प्रचार-प्रसार के निर्देश भी दिए गए। साथ ही 1912 हेल्पलाइन पर आने वाली शिकायतों का त्वरित निस्तारण सुनिश्चित करने को कहा गया। वहीं ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्तता के मामलों पर अधीक्षण अभियंता मुजफ्फरनगर से भी जवाब तलब किया गया।

राज्य सलाहकार समिति की बैठक आज

अमृत विचार,लखनऊ: उत्तर प्रदेश में ऊर्जा क्षेत्र की सबसे बड़ी संवैधानिक समिति 'राज्य सलाहकार समिति' की बैठक बुधवार को उत्तर प्रदेश विद्युत नियामक आयोग में होगी। आयोग के अध्यक्ष की अध्यक्षता में 11:30 बजे से होने वाली इस बैठक में पांच अपर मुख्य सचिव ऊर्जा, बिजली कंपनियों के प्रबंध निदेशक भाग लेंगे। राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद के अध्यक्ष अवधेश कुमार वर्मा उपभोक्ताओं की ओर से बिजली दरों में कमी की मांग उठाएंगे। परिषद का आरोप है कि पावर कॉरपोरेशन वर्ष 2026-27 में स्मार्ट प्रीपेड मीटर के नाम पर करीब 3838 करोड़ रुपये का अतिरिक्त भार उपभोक्ताओं पर डालने की तैयारी कर रहा है। स्मार्ट प्रीपेड मीटर के अलावा लगभग 35 लाख गरीब परिवारों का मुद्दा भी प्रमुखता से उठेगा, जो घरेलू कनेक्शन से छोटे व्यवसाय और जीविका चला रहे हैं। साथ ही नोएडा पावर कंपनी क्षेत्र में उपभोक्ताओं को मिल रही 10 प्रतिशत रिबेट जारी रखने की मांग भी परिषद मजबूती से रखेगी।

प्रदेश में 27.94 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश सरकार ने खरीफ सीजन को देखते हुए किसानों के लिए पर्याप्त मात्रा में उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित की है। वर्तमान में प्रदेश में कुल 27.94 लाख मीट्रिक टन उर्वरक उपलब्ध है, जो पिछले वर्ष की तुलना में 3.13 लाख मीट्रिक टन अधिक है। उपलब्ध उर्वरकों में 13.28 लाख मीट्रिक टन यूरिया, 5.23 लाख मीट्रिक टन डीएपी, 4.81 लाख मीट्रिक टन एनपीके, 3.69 लाख मीट्रिक टन एसएसपी और 0.93 लाख मीट्रिक टन एमओपी शामिल हैं।

प्रदेश सरकार किसानों को अनुदान पर उर्वरकों की उपलब्धता सुनिश्चित कराने के लिए लगातार प्रयास कर रही है। कृषि विभाग ने बताया कि रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से उर्वरकों की निरंतर आपूर्ति कराई जा रही है, ताकि किसानों को किसी प्रकार की परेशानी न हो।

उर्वरकों के दुरुपयोग और कालाबाजारी को रोकने के लिए सरकार ने नया प्रावधान लागू किया है। अब अनुदानित उर्वरकों की बिक्री केवल किसान पहचान पत्र (फार्मर आईडी) और जोत संबंधी अभिलेखों के आधार पर ही की जाएगी। साथ ही उर्वरकों के साथ किसी अन्य उत्पाद की टैगिंग को पूरी तरह प्रतिबंधित कर दिया गया है।

महंगाई, कानून-व्यवस्था और ट्रैफिक को लेकर सरकार पर बरसे अखिलेश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- बड़े मंगल के भंडारे में पहुंचे सपा प्रमुख बोले- आने वाले समय में और बढ़ेगी महंगाई
- प्रश्नपत्र लीक, महिलाओं की सुरक्षा और स्मार्ट सिटी व्यवस्था पर भी उठाए सवाल

अमृत विचार: सपा प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव ने मंगलवार को हजरतगंज स्थित बड़े मंगल के भंडारे में पहुंचे, जहां उन्होंने प्रसाद वितरण किया और बाद में मीडिया से बातचीत में केंद्र और प्रदेश सरकार पर तीखा हमला बोला। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में महंगाई और बढ़ेगी तथा पेट्रोल-डीजल के दामों में भी वृद्धि हो सकती है।

अखिलेश यादव ने कहा कि लखनऊ की गंगा-जमुनी तहजीब की पहचान ऐसे आयोजनों से होती है और इस तरह के भंडारे समाज में सौहार्द और राहत का संदेश देते हैं। उन्होंने कहा कि रुपया लगातार कमजोर हो रहा है और लगता है कि अब पाताल लोक में जाकर रुपया ढूंढना पड़ेगा।

सपा प्रमुख ने केंद्र सरकार पर कटाक्ष करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री लोगों से अपील कर रहे हैं, आगे चलकर शायद कपड़े न पहनने की भी अपील करें क्योंकि कपड़े भी महंगे हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार की नीतियों के कारण महंगाई लगातार बढ़ रही है।अखिलेश यादव ने कहा कि राजधानी को स्मार्ट सिटी कहा जाता है, लेकिन यहां ट्रैफिक रेंगता हुआ नजर आता है। उन्होंने कहा कि स्मार्ट सिटी में सभी धर्मों का सम्मान होना चाहिए और किसी भी धर्म के साथ खिलवाड़ नहीं होना चाहिए।

सपा प्रमुख ने कहा कि हाल के चुनावों में भाजपा को हार का सामना करना पड़ा है और पार्टी अभी तक उससे उबर नहीं पाई है। उन्होंने दावा किया कि जनता भाजपा की नीतियों से परेशान है और छोटे व्यापारियों पर दबाव बढ़ाया जा रहा है। अखिलेश यादव ने प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्नपत्र लीक होने के मामलों को लेकर सरकार को घेरा। उन्होंने कहा कि नीट परीक्षा अब लीक एग्जाम बन गई है और इससे करोड़ों युवा प्रभावित हुए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार में चारों तरफ भ्रष्टाचार व्याप्त है और युवा लगातार परेशान हो रहे हैं।

सपा प्रमुख ने कहा कि सरकार बड़े पैमाने पर एनकाउंटर कर कानून-व्यवस्था का दिखावा कर रही है। उन्होंने राजधानी लखनऊ में महिलाओं और लड़कियों के साथ बढ़ती घटनाओं का मुद्दा उठाते हुए कहा कि सरकार को इस संबंध में वास्तविक आंकड़े भी जारी करने चाहिए।

भंडारे में प्रसाद वितरित करते सपा प्रमुख अखिलेश यादव। अमृत विचार

कानून-व्यवस्था, निवेश, रोजगार में यूपी के नए कीर्तिमान

बस्तर में हुई मध्य क्षेत्रीय परिषद बैठक में योगी ने गिनाईं प्रदेश की उपलब्धियां

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नए भारत की संकल्पना का साकार रूप देश के हर क्षेत्र में दिखाई दे रहा है। पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने कानून-व्यवस्था, निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। कभी बीमारू कहलाने वाले राज्य आज देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन चुका है।

योगी मंगलवार को छत्तीसगढ़ के गृह मंत्री अमित शाह की अध्यक्षता में बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि कभी चुनौतीपूर्ण माना जाने वाला बस्तर अब राष्ट्रीय नीति-निर्धारण की मुख्यधारा का हिस्सा बन चुका है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने सहकारी संघवाद पर आधारित टीम भारत का विजन दिया है और केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषदें इसे मजबूती से आगे बढ़ा रही हैं। सीएम योगी ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में उत्तर प्रदेश ने कानून-व्यवस्था, निवेश, इंफ्रास्ट्रक्चर, रोजगार और कल्याणकारी योजनाओं के क्षेत्र में नए कीर्तिमान स्थापित किए हैं। जो राज्य कभी बीमारू कहलाता था, वह आज देश के विकास का ग्रोथ इंजन बन चुका है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तर प्रदेश ई-गवर्नेंस के क्षेत्र में देश का अग्रणी राज्य बन चुका है। प्रदेश की 57,695 ग्राम पंचायतों में 2.33 लाख से अधिक कॉमन सर्विस सेंटर संचालित हैं, जिनसे अब तक 44 करोड़ से अधिक नागरिक लाभान्वित हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रदेश सरकार ने यूपी एआई मिशन के लिए 225 करोड़ रुपये और क्वांटम एवं फोटोनिक्स जैसी नई तकनीकों के लिए 100 करोड़ रुपये का प्रावधान किया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में प्रत्येक जिला मुख्यालय को चार लेन और प्रत्येक तहसील व ब्लॉक को दो लेन सड़क कनेक्टिविटी से जोड़ा जा रहा है। देश के कुल एक्सप्रेसवे नेटवर्क का लगभग 60 प्रतिशत हिस्सा उत्तर प्रदेश में है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि श्रमिकों को त्वरित और पारदर्शी न्याय दिलाने के लिए राज्य सरकार ने "श्रम न्याय सेतु" पोर्टल शुरू किया है, जिससे श्रम विवादों के ऑनलाइन समाधान की व्यवस्था सुनिश्चित की गई है।

छत्तीसगढ़ के बस्तर में मध्य क्षेत्रीय विकास परिषद की बैठक में केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के साथ मुख्यमंत्री योगी और अन्य।

हरिद्वार में बाघ का शिकार शिकारियों ने चारों पंजे काटे

संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार: श्यामपुर वन क्षेत्र से वन्यजीव अपराध का मंगलवार को एक बेहद गंभीर मामला सामने आया है। सजनपुर बीट में करीब दो साल के एक नर बाघ को जहर देकर मार डाला गया। यहीं नहीं, शिकारियों ने बाघ के चारों पंजे भी काट लिए।

जानकारी के अनुसार, बाघ का शिकार करने के लिए शिकारियों ने मरी हुई भैंस का प्रयोग किया। पहले बाघ ने भैंस का शिकार किया था, जिसके बाद आरोपियों ने उसके शव पर जहरीला पदार्थ डाल दिया। जब बाघ दोबारा उसी शिकार को खाने पहुंचा तो जहर उसके लिए जानलेवा साबित हुआ। वन विभाग को क्षेत्र में कुछ संदिग्ध गतिविधियों की सूचना मिली थी। इसके बाद पुलिस व एसओजी ने संयुक्त अभियान चलाया। सर्च ऑपरेशन में जंगल से बाघ का शव बरामद हुआ, जबकि पास में मृत भैंस भी पाई गई।

डीएफओ हरिद्वार स्वप्निल अनिरुद्ध के मुताबिक, शुरुआती जांच में पता चला कि शिकारियों ने बाघ के पंजे काटे थे और आगे उसकी खाल तथा दांत निकालने की योजना थी। सूचना पर टीम ने घेराबंदी कर कार्रवाई की। इस मामले में आलम उर्फ फम्मी निवासी श्यामपुर को गिरफ्तार किया गया है। उसका साथी आमिर हमजा फरार है। हरिद्वार में कई वर्षों बाद हरिद्वार में बाघ के शिकार की यह घटना सामने आयी है।

तीसरा बड़ा मंगल

प्रयागराज में बाघंबरी मठ के महंत बलबीर गिरि मंगलवार को तीसरे बड़े मंगल, बुढ़वा मंगल पर प्रयागराज के बड़े हनुमान मंदिर में भगवान हनुमान की पूजा करते हुए। ● एजेंसी

पुलिस कांस्टेबल पर चढ़ा दी बुलेट

हल्द्वानी, अमृत विचार: हीरानगर पुलिस चौकी के सामने वाहन चेकिंग के दौरान एक बुलेट चालक ने पुलिस टीम पर बाइक चढ़ाने का प्रयास किया। घटना में एक कांस्टेबल का फ्रैक्चर हो गया। पुलिस ने आरोपी चालक को पकड़ लिया है।

कांस्टेबल ललित नाथ, सीपीयू टीम के उप निरीक्षक जगत सिंह भंडारी एवं अन्य पुलिसकर्मियों के साथ कालाढूंगी रोड पर संयुक्त वाहन चेकिंग अभियान चला रहे थे। इसी दौरान कालाढूंगी तिराहे की ओर से एक बुलेट मोटरसाइकिल आती दिखाई दी, जिसका चालक बिना हेलमेट के था। पुलिस टीम ने उसे रुकने का इशारा किया, लेकिन चालक बाइक दौड़ाते हुए गली में घुस गया । पुलिस टीम ने गली में वाहन रोकने का प्रयास किया।

हमीरपुर जिला अस्पताल में डॉक्टर पर हमला, मुकदमा दर्ज

हमीरपुर, एजेंसी : हमीरपुर जिला अस्पताल में मंगलवार को एक डॉक्टर और अस्पताल के कर्मचारियों पर हमला करके मेडिकल उपकरणों में तोड़फोड़ करने एवं चिकित्सक की सोने की अंगूठी तथा अन्य मूल्यवान सामान लूट ले जाने के आरोप में मुकदमा दर्ज किया गया है। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि बिंवार थानाक्षेत्र के अतरार गांव के जितेंद्र सिंह (18) को मंगलवार सुबह कथित तौर पर सल्फास की गोलियां खाने के बाद गंभीर हालत में जिला अस्पताल लाया गया था।

इमरजेंसी ड्यूटी पर तैनात डॉक्टर महेंद्र कुमार सिंह ने प्राथमिक उपचार के बाद मरीज को कानपुर रेफर कर दिया था। सूत्रों ने बताया कि हालांकि परिवार के सदस्य जाने से पहले युवक को वापस इमरजेंसी वार्ड ले आए और दोबारा जांच करने पर डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूत्रों ने बताया कि आरोप है कि इसके बाद जितेंद्र के साथ आये 10-15 रिश्तेदारों और ग्रामीणों ने डॉक्टर पर आरोप लगाते हुए अस्पताल परिसर के अंदर हंगामा किया। इन लोगों ने बीच-बचाव की कोशिश करने पर अस्पताल के कर्मचारी विपिन तथा एक सुरक्षा गार्ड के साथ भी मारपीट की। डॉक्टर ने शिकायत में आरोप लगाया है कि हमलावर मौके से भागने से पहले उनकी सोने की चेन, अंगूठी और घड़ी लूट ले गये। इस शिकायत के आधार पर पुलिस ने मुख्य आरोपी कौशल और 10-15 अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है।

न्यूज ब्रीफ

शिकायत की तो पशुपालक ने किया हमला

बिशारतगंज अमृत विचार : खेत में लगे भूसे के वोगे को एक पालतू पशु के द्वारा क्षतिग्रस्त करने की शिकायत करने पर उस व्यक्ति को पशु मालिक ने पीटकर गंभीर रूप से घायल कर दिया। इस मामले में नामजद रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। थाना क्षेत्र के गांव मलगांव निवासी संजीव कुमार ने दर्ज कराई रिपोर्ट में बताया है कि उन्होंने अपने खेत में भूसे का वोगा लगा दिया था। गांव के ही रहने वाले लेखराज अपने पशु वहीं चराते थे। पशुओं ने वोगा क्षतिग्रस्त कर दिया। संजीव का आरोप है कि शिकायत करने पर लेखराज ने लाठी डंडों व धारदार हथियार से वार कर घायल कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

हाईटेंशन लाइन पर काम करते समय करंट से लाइनमैन गिरा

सिरौली, अमृत विचार : गांव गुरुवा में शटडाउन लेकर हाईटेंशन लाइन संभालते समय लगे करंट से लाइनमैन पोल से गिरकर घायल हो गया। गंभीर हालत में उसे बरेली में भर्ती कराया गया है। लाइनमैन अमित तिवारी शटडाउन लेकर 11केवी की लाइन सही करने गांव गुरुवा गया था लेकिन काम के दौरान ही उपकेन्द्र से लाइन जोड़ दी गई। इससे काम कर रहे लाइनमैन को जोर का झटका लगा और वह पोल से गिरकर घायल हो गया। मामले में जांच कर लापरवाह कर्मचारी और अधिकारी पर कार्रवाई की मांग की गई है।

एसडीओ विशाल वर्मा ने बताया कि फिलहाल अमित को उपचार हेतु बरेली ले जाया जा रहा है बिना शटडाउन वापस लिए लाइन कैसे लगाई गई। इसकी जांच की जाएगी।

फरीदपुर में खेल के मैदान पर निर्माण से हुआ बखेड़ा

डीएम ने मौके पर भेजी टीम, पैमाइश के बाद काम रुकवाया

- छंगामल स्कूल प्रबंधन और किसानों के बीच हुआ विवाद
- आंवला सांसद नीरज मौर्या के हस्तक्षेप पर प्रशासन जुटा

कार्यालय संवाददाता, बरेली/फरीदपुर

अमृत विचार: फरीदपुर में छंगामल मोंटेसरी स्कूल प्रबंधन और किसानों के बीच मंगलवार को जमीन के पीछे विवाद गहरा गया। किसानों ने खेल मैदान व खेती की जमीन पर अवैध निर्माण का आरोप लगाते हुए हंगामा किया। शिकायत आंवला से सपा सांसद नीरज मौर्य तक भी पहुंची, जिसके बाद उन्होंने प्रशासन को अवगत कराया। डीएम के निर्देश पर पहुंची टीम ने जमीन की पैमाइश की। विवाद बढ़ने की आशंका के चलते फिलहाल अफसरों ने निर्माण रुकवा दिया है। आरोप-प्रत्यारोप के बीच मामला तूल पकड़ता दिखाई दे रहा है।

स्थानीय नागरिकों ने अफसरों को बताया कि छंगामल मोंटेसरी स्कूल के प्रबंधन की ओर से जिस भूमि पर निर्माण कराया जा रहा है, वह सीएएस इंटर कॉलेज के खेल मैदान का हिस्सा है। आरोप है कि इस जमीन पर वर्षों से रामलीला मेले का आयोजन होता रहा है और स्थायी मंच भी बना हुआ है। किसानों का कहना है कि निर्माण स्थल में उनकी निजी जमीन भी शामिल है। किसानों ने इस बारे में सांसद नीरज मौर्य से शिकायत कर मदद मांगी थी। सांसद ने उन्हें जिलाधिकारी के पास भेजा, जिसके बाद फरीदपुर एसडीएम रामजन्म यादव को जांच के निर्देश जारी किए। एसडीएम के आदेश पर नायब तहसीलदार के नेतृत्व में राजस्व टीम मौके पर जमीन की पैमाइश में जुट गई जो शाम तक चलती रही।

आसपास रहने वाले लोगों का कहना है कि मैदान में रामलीला मेले का आयोजन भी होता आया है। निर्माण होने से न केवल रामलीला मेले का अस्तित्व खतरे में पड़ जाएगा और खेल मैदान भी छोटा हो जाएगा। वहीं दूसरी ओर स्कूल प्रबंधन ने आरोपों को पूरी तरह निराधार बताया है। स्कूल प्रबंधक प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि छंगामल मोंटेसरी स्कूल और सीएएस इंटर कॉलेज एक ही ट्रस्ट के अंतर्गत संचालित होते हैं तथा भवन निर्माण के लिए पालिका से विधिवत अनुमति ली गई है।

तनातनी के बीच प्रशासन ने कहा, अभी काम नहीं होगा

एसडीएम रामजन्म यादव ने पत्रकारों को बताया कि किसानों ने जमीन को लेकर शिकायत की थी। भूमि की पैमाइश शुरू करा दी गई है। जब तक पैमाइश का काम पूरा नहीं हो जाता, तब तक निर्माण कार्य रुकवा दिया गया है। वहीं, किसानों ने कहा है कि अगर जमीन और रामलीला स्थल को बचाने के लिए कार्रवाई नहीं हुई तो प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री से शिकायत की जाएगी।

बहेड़ी में बाइक की टक्कर से महिला की मौत

बहेड़ी, अमृत विचार : गांव खगाई नागर निवासी गणेश राम की पत्नी प्रेमवती (50) मंगलवार अपने खेत पर जा रही थी। वह गांव से भिलेइया रोड पर पहुंची और सड़क पार करने लगी, तभी एक तेज रफ्तार बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दी। इससे उनकी मौत हो गई।

20 दिन में सिर्फ 3 दिन आई बिजली, किया हंगामा

- मेहतरपुर करोड में बिजली संकट से फूटा ग्रामीणों का गुस्सा

संवाददाता, फरीदपुर,

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के ग्राम मेहतरपुर करोड में बिजली व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों का गुस्सा फूट गया। भीषण गर्मी के बीच गांव में लगातार खराब बिजली सप्लाई से परेशान ग्रामीणों ने बिजली निगम के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। ग्रामीणों का आरोप है कि गांव में पिछले 20 दिनों में केवल 3 दिन ही बिजली आई, जिससे लोगों का जीवन पूरी तरह प्रभावित हो गया है।

ग्रामीणों का कहना है कि लगातार बिजली न मिलने से घरों में छोटे बच्चों, बुजुर्गों और मरीजों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। भीषण गर्मी में लोगों का घरों में रहना मुश्किल हो गया है। कई बार शिकायत करने के बावजूद समस्या का समाधान नहीं हुआ। बिजली संकट से नाराज दर्जन भर से ज्यादा लोगों ने बिजलीघर पहुंच गए और वहां जमकर हंगामा किया। ग्रामीणों ने बिजली विभाग के अधिकारियों से जल्द बिजली व्यवस्था ठीक करने की मांग की। सूचना पर पहुंचे विभागीय अधिकारियों ने ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया।

मौके पर मौजूद एसडीओ ने ग्रामीणों को आश्वासन दिया कि शाम तक बिजली व्यवस्था सुचारू कर दी जाएगी। लेकिन ग्रामीणों ने साफ शब्दों में कहा कि जब तक गांव की बिजली व्यवस्था सही नहीं होगी, तब तक हम बिजलीघर से वापस नहीं जाएंगे। इसी बीच ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि ग्राम अमरेख में पिछले 15 दिनों से ट्रांसफॉर्मर खराब पड़ा है, भीषण गर्मी में गांव के लोग भारी परेशानियों का सामना कर रहे हैं। ग्रामीणों का कहना है कि कई बार शिकायत करने के बावजूद अब तक ट्रांसफॉर्मर नहीं बदला गया। प्रदर्शन के दौरान मनोज कुमार सैनी, शिव ओम मौर्य, उमाशंकर, अनिल, डॉ. शानू, डॉ. रामकुमार एवं ग्राम प्रधान सोमपाल यादव सहित कई ग्रामीण मौजूद रहे। अफसरों ने जल्द समस्या के समाधान का भरोसा दिलाया है।

बिशारतगंज में उपकेन्द्र पर पहुंचे ग्रामीणों ने कस्बे की आपूर्ति बंद कराई

बिशारतगंज अमृत विचार : अंटूआ बिजलीघर के गांव भिण्डोरा में 8 दिन बाद भी बिजली नहीं पहुंची तो मंगलवार की रात ग्रामीणों ने बिजली घर पर पहुंच कर प्रदर्शन किया और कस्बे की लाइन बंद करा दी। सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने ग्रामीणों को समझाया और गांव भेज दिया। इसके बाद कर्मचारियों ने कस्बे की लाइन जोड़ दी। इस दौरान करीब पौन घंटे बिजली आपूर्ति बाधित रही। प्राप्त जानकारी के अनुसार आंधी तूफान के दौरान खराब हुई बिजली आपूर्ति व्यवस्था अब तक ठीक नहीं हो पाई है। क्षेत्र के भिण्डौरा गांव में आधे गांव में एक खंभा टूटा होने के कारण अभी तक अंधेरा है। बिजली निगम कर्मी फाल्ट सुधारने के लिए सुविधा शुल्क कीमांग कर रहे हैं। उनका कहना हैकि सुविधा शुल्क नहीं मिलने के कारण ही आठ दिन से गांव की बिजली ठीक नहीं की गई है। बिजली नहींआने से क्षुब्ध ग्रामीणों ने मंगलवार की रात बिजली घर पहुंच कर हंगामा किया और कस्बा की बिजली बंद करा दी। जिसे पुलिस ने ग्रामीणोंको समझाकर शांत कराया और आपूर्ति चालू करवाई। मंगलवार को ग्राम मनौना, कंथरी, विजयनगला आदि गांवो के ग्रामीणों ने मनपुरा बिजली उपकेन्द्र पर प्रदर्शन किया और अफसरों से शीघ्र ही बिजली आपूर्ति सुचारु करने की बात कही। भाजपा नेता प्रमोद अनुरागी ने अफसरों से गांव व ट्यूबवेल की लाइन शीघ्र दुरुस्त कराने की मांग की है।

भदपुरा में गर्मी में बदले जा रहे पुराने पोल और तार

भदपुरा अमृत विचार : भीषण गर्मी और लगातार हो रही बिजली कटौती ने ग्रामीण क्षेत्रों में जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त कर दिया है। मंगलवार को तेज धूप और उमस के बीच बिजली आपूर्ति बाधित रहने से लोगों को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा। लोगों का घरों से बाहर निकलना तक मुश्किल हो गया। बिजली कटौती के कारण रात में भी लोगों को जागकर समय बिताना पड़ रहा है। क्षेत्र के किशनपुर, धनौर, डडिया सफदर अली, सिठौरा, भदपुरा, बिहारीपुर, नौगमा भगवंतपुर, नकटी नारायणपुर, बहर जागीर, मैथी, बड़ेपुरा और अब्दुल्ला सहित दर्जनों गांवों में बिजली संकट से लोगों का जीवन प्रभावित हो गया है। बिजली नहीं आने से परेशान तुलाराम, प्रेमपाल, आदित्य, रमेश पाल, कृष्ण पाल, जयपाल, ओमप्रकाश, शिव कुमार, प्रियांशु गंगवार और भुवनेश कुमार आदि ग्रामीणों ने तत्काल कटौती पर अंकुश लगाने की मांग की। जेई जागेश कुमार ने बताया कि क्षेत्र में पुरानी लाइन और खंभों को दुरुस्त करने के साथ नए खंभे लगाए जा रहे हैं। कार्य पूरा होने के बाद जल्द नियमित बिजली आपूर्ति बहाल कर दी जाएगी।

ऊंचे ब्रेकर ने ले ली युवक की जान

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार : आंवला-भमोरा मार्ग पर मंगलवार शाम सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई, जबकि उसकी पत्नी और पांच वर्षीय बेटी गंभीर रूप से घायल हो गईं। राहगीरों ने घायलों को उपचार के लिए अस्पताल पहुंचाया, जबकि शव को मोर्चरी में रखा गया है।

मृतक धीरेन्द्र।

आंवला क्षेत्र के गांव दरावनगर निवासी रामकुंवर ने बताया कि उनका भतीजा धीरेन्द्र दिवाकर (32) पुत्र गुरचरन दिवाकर अपनी पत्नी छाया (30) और पांच वर्षीय बेटी नंदनी के साथ बाइक से अपनी ससुराल गांव घटपुरी, थाना बिनावर जनपद बदायूं जा रहा था।

शाम के समय जब वह आंवला-भमोरा मार्ग पर सेंधा गांव के पुल से पहले पहुंचे, तभी सड़क पर बने ऊंचे ब्रेकर पर बाइक अनियंत्रित हो गई। संतुलन बिगड़ने से बाइक पुल के समीप मंदिर के सामने पेड़ और नाग देवता के थान से जा टकराई। हादसे में धीरेन्द्र, उसकी पत्नी छाया और बेटी नंदनी गंभीर रूप से घायल हो गईं। घटना के बाद राहगीरों की भीड़ जुट गई। लोगों ने तत्काल घायलों को अस्पताल भिजवाया। धीरेन्द्र को जिला अस्पताल भेजा गया था। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। उन्होंने बताया कि मां बेटी की हालत भी चिंताजनक बनी हुई है।

किशोरी को घर में खींच कर किया दुष्कर्म

संवाददाता, शेरगढ़

अमृत विचार : पड़ोसी के घर मट्ठा लेने गई किशोरी को रास्ते में रोककर दूसरे के मकान में ले जाकर दुराचार किया गया। किशोरी की मां ने मामले में रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

थाना क्षेत्र शेरगढ़ के एक गांव निवासी किशोरी की मां ने पुलिस को दी तहरीर में कहा है कि उसकी पुत्री कक्षा सात की छात्रा है। बीती 7 मई को दोपहर वह पड़ोसी के घर मट्ठा लेने गई थी। तब पड़ोसी की पत्नी ने मट्ठा लेने के लिए घर से बर्तन लाने को कहा। मां का आरोप है कि उसकी बेटी जैसे ही पड़ोसी के घर से निकली वैसे ही पुत्री को पड़ोसी के बराबर में रहने वाले एक अन्य पड़ोसी के घर आये रिश्तेदार ने दबोच लिया। आरोप है कि मुंह में कपड़ा ठूंस कर पुत्री को एक खाली मकान में खींचकर अंदर ले गया और उसके साथ दुष्कर्म किया। इसके बाद उसने घटना की जानकारी किसी को देने पर परिवार को जान से मारने की धमकी भी दी।

पीड़ित किशोरी की मां की तहरीर पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

झांसा देकर किशोरी को कई महीने तक शिकार बनाया

- गर्भवती होने पर खुला राज

कैंट, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के एक गांव में किशोरी से गांव के ही युवक ने शादी का झांसा देकर 10 माह तक दुष्कर्म किया। किशोरी गर्भवती हुई तो आरोपी ने गर्भपात की दवा खिला दी, जिससे किशोरी की हालत बिगड़ गई, और उल्टियां होने लगीं। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां परिजनों को जांच में सारी घटना की जानकारी हुई। किशोरी के पिता ने कैंट थाने में तीन लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस मामले की जांच कर रही है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि गांव के ही एक युवक ने उसकी 17 वर्षीय नाबालिग बेटी को अपने प्रेम जाल में फंसा लिया और शादी का झांसा देकर उसकी मर्जी के खिलाफ 10 माह से संबंध बनता चला आ रहा है। इस दौरान किशोरी गर्भवती हो गई। इस पर आरोपी युवक कहीं से गर्भपात की दवा ले आया और उसे खिला दी। जिससे किशोरी को उल्टियां होने लगीं, और हालात बिगड़ गई। परिजन उसे अस्पताल ले गए, जहां जांच में पता चला, कि किशोरी गर्भवती है, जिससे परिजनों के होश फाख्ता हो गए। जानकारी होने पर किशोरी के परिजन आरोपी युवक के घर गए। इस पर आरोपी अफरोज उसका भाई फिरोज खान तथा बड़का पुत्रगण कल्लू पैसों का लालच देकर बात खत्म करने को कहने लगे। विरोध करने पर गाली गलौज तथा जान से मारने की धमकी देने लगे। पीड़ित ने उपरोक्त आरोपियों के खिलाफ संबंधित धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

न्यूज डायरी

जनगणना में लगे शिक्षक और अनुदेशक कार्य में कोताही न बरतें

शेरगढ़, अमृत विचार : बीआरसी केंद्र डेलपुर में शिक्षकों की बैठक में विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा हुई। बीईओ मुकेश भारती ने ग्रीष्मकालीन अवकाश के पहले सभी शिक्षक विद्यालयों में अभिलेखों समेत सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें। जनगणना को लेकर कहा कि स्वगणना के बाद 22 मई से जनगणना का कार्य शुरू हो रहा है। ऐसे में जनगणना ड्यूटी में लगे शिक्षक, शिक्षामित्र और अनुदेशक किसी प्रकार की कोताही न बरतें और निष्ठा के साथ कार्यों को अंजाम दें। इस अवसर पर एआरपी शिखा भारतीय, महिमा दीक्षित, शिव स्वरूप शर्मा, चंद्रशेखर मिश्रा, कांता प्रसाद गंगवार, सरल कुमार त्रिवेदी, ममता रावत, मीनाक्षी तिक्खा, रजनीश गंगवार, मीना कुमारी, राजीव शर्मा, आदि रहे।

शोध पत्र लेखन पर ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित

भदपुरा अमृत विचार : संघटक राजकीय महाविद्यालय भदपुरा और रिसर्च न्यू इंडिया के संयुक्त तत्वावधान में दो दिवसीय राष्ट्रीय ऑनलाइन कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला का उद्घाटन महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ. रुद्रमन सिंह ने किया। मुख्य वक्ता रामजस कॉलेज दिल्ली के वाणिज्य विभाग के प्रोफेसर डॉ. सुमनजीत सिंह रहे। उन्होंने बताया कि एक अच्छा रिसर्च पेपर कैसे लिखा जाए और उसमें किन तकनीकों, पद्धतियों व टूल्स का उपयोग करना चाहिए। साथ ही शोध कार्य में साहित्यिक चोरी से बचने और स्कोपस, वेब ऑफ साइंस, एससीआई, ईएससीआई व पियर रिव्यूड जर्नल्स की जानकारी भी दी। कार्यक्रम का संचालन डॉ. संतोष उपाध्याय ने किया। डॉ. प्रीति गुप्ता कोऑर्डिनेटर और डॉ. रमेश कुमार निषाद सह-समन्वयक रहे। अंत में डॉ. प्रीति गुप्ता ने मुख्य वक्ता का आभार व्यक्त किया।

जनगणना ड्यूटी में विसंगतियों को दूर करने की मांग

आंवला, अमृत विचार : यूनाइटेड टीचर्स एसोसिएशन (यूटा) बरेली के शिक्षकों ने मंगलवार को उपजिलाधिकारी विदुषी सिंह को ज्ञापन सौंपकर जनगणना कार्य में आ रही समस्याओं के समाधान की मांग की। जिला उपाध्यक्ष सत्येन्द्र पाल सिंह के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में बताया गया कि 22 मई से शुरू होने वाली मकान गणना के लिए कई प्रगणकों को एक से अधिक मकान सूचीकरण ब्लॉक (एचएलबी) आवंटित कर दिए गए हैं, जिसे भीषण गर्मी में पूरा करना मुश्किल है। साथ ही कई कर्मचारियों की ड्यूटी उनके स्कूलों से दूर लगा दी गई है, संगठन ने गर्मी और आवागमन की दिक्कतों को देखते हुए विसंगतियां दूर करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में त्रिभुवन सिंह, प्रदीप, मोहित, पवन दिवाकर, नीरज कुमार विक्रम, आयुष सक्सेना, इत्यादि मौजूद रहे।

सफाई कर्मचारी संघ के अध्यक्ष बने यशु गुप्ता

सिरौली, अमृत विचार : नगर पंचायत कार्यालय में सोमवार को सफाई कर्मचारी संघ की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई, जिसमें नई कार्यकारिणी का गठन किया गया। बैठक के दौरान कर्मचारियों में काफी उत्साह और गहमागहमी देखने को मिली। पदाधिकारियों के नामों की घोषणा होते ही कार्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा। कर्मचारियों के बीच लोकप्रिय और उनके हितों के लिए सक्रिय रहने वाले यशु गुप्ता को सर्वसम्मति से पुनः अध्यक्ष चुना गया। उनके दोबारा अध्यक्ष बनने पर कर्मचारियों ने खुशी जाहिर करते हुए मिठाई बांटी और एक-दूसरे का मुंह मीठा कराया। नई कार्यकारिणी में राम अवतार चौधरी और रामकिशन को उपाध्यक्ष, रोहतास कुमार को महामंत्री तथा दिनेश कुमार को मंत्री बनाया गया। नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का माला पहनाकर स्वागत किया गया और उन्हें बधाई दी गई।

रामकथा समापन के बाद हुए भंडारे में शामिल हुए लोग

शेरगढ़, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव बैरमनगर में आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा का मंगलवार को समापन हो गया। इस दौरान श्रद्धालुओं ने यज्ञ में आहुतियां देकर सुख-शांति और समृद्धि की कामना की। इस अवसर पर विशाल भंडारे का आयोजन भी किया गया। कथावाचक विशेष पाठक ने अंतिम दिन राज तिलक कथा का प्रसंग सुनाया। श्रद्धालुओं ने प्रभु श्रीराम, लक्ष्मण, माता सीता और हनुमान जी की आरती उतारी। श्रीराम कथा की बहती भक्तिमय रसधार में श्रद्धालु सराबोर नजर आए। इस दौरान श्रीराम जन्म से राज तिलक की कथा के अलग-अलग रसों में प्रसंग सुनाए गए। वहीं मनमोहक झांकियां प्रस्तुत की गईं। इस अवसर पर रमेश चंद्र शर्मा, प्रमोद श्रीवास्तव, पुष्पेंद्र सिंह, बुद्धसेन शंखधार, रेखा देवी आदि रहीं।

किशोरी को ले जाने के आरोप में दो पर केस

हाफिजगंज, अमृत विचार: थाना क्षेत्र के एक मोहल्ले से 17 वर्षीय किशोरी को बहला-फुसलाकर ले जाने के आरोप में पुलिस ने दो युवकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

पीड़ित पिता ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उनकी पुत्री कस्तूरबा स्कूल के पास किराये पर रहने वाले युवक फिरोज और उसके एक साथी के संपर्क में थी। आरोप है कि 16 मई की रात दोनों युवक किशोरी को बहला-फुसलाकर अपने साथ ले गए। सुबह परिजनों ने किशोरी की तलाश की तो वह घर पर नहीं मिली। इसके बाद परिवार में हड़कंप मच गया। काफी खोजबीन के बाद भी कोई सुराग न मिलने पर परिजन थाना पहुंचे और पुलिस को तहरीर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर लिया है।

ताला तोड़कर महिला से जेवर छीनने का आरोप

- महिला ने दूसरी महिला पर लगाया ताला तोड़ने का आरोप
- थाने में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की

संवाददाता, नवाबगंज

अमृत विचार: थाना क्षेत्र के ग्राम ईंध जागीर स्थित प्रकाश नगर में सोमवार शाम एक महिला के साथ मारपीट कर जेवरात और जरूरी दस्तावेज छीन लिए गए। पीड़िता ने थाना नवाबगंज में तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है।

ग्राम लावाखेड़ा वृदीप्रसाद मजरा हुसैनगंज गौटिया हाल निवासी प्रकाश नगर, ईंध जागीर निवासी विद्यावती पत्नी स्वर्गीय अमर सिंह ने पुलिस को दिए शिकायती पत्र में बताया कि उनके नाम प्रकाश नगर में करीब 200 वर्गगज का मकान है। आरोप है कि शाम करीब छह बजे वह मकान में ताला लगाकर जा रही थीं, तभी एक महिला वहां पहुंची और जबरन मकान का ताला तोड़ दिया।

पीड़िता का आरोप है कि विरोध करने पर आरोपी महिला ने गाली-गलौज शुरू कर दी। मना करने पर बाल पकड़कर खींचा और डंडों, लात-घूंसों से मारपीट की। आरोप है कि इसी दौरान उनके पास रखा सोने का टीका, बेसर, सोने की मोहर, चांदी की तगड़ी और मकान का बैनामा छीन लिया गया। शोर सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए और बीच-बचाव कराया।

पंप साझेदारी विवाद में 61 लाख रुपए हड़पने का केस दर्ज

नवाबगंज, अमृत विचार: पेट्रोल पंप की साझेदारी को लेकर हुए विवाद में थाना नवाबगंज पुलिस ने दो लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है। साझेदारी के नाम पर लाखों रुपये हड़पने के साथ गाली-गलौज, जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया गया है।

बारादरी क्षेत्र के माया भवन, सैटेलाइट बस स्टैंड निवासी अनुज कुमार गंगवार ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि वर्ष 2025 में ग्राम लाइखेड़ा स्थित एक पेट्रोल पंप के निर्माण और संचालन के लिए उसकी साझेदारी ग्राम मुझैना जागीर निवासी मोहन स्वरूप के साथ हुई थी।

आरोप है कि पेट्रोल पंप के निर्माण और संचालन में उसने अपने और रिश्तेदारों से उधार लेकर करीब 85 लाख रुपये खर्च किए। मार्च 2026 में हिसाब-किताब मांगने पर आरोपी ने केवल 40 लाख रुपये दिए, पीड़ित के अनुसार बाद में हुई बैठक में बकाया रकम और लाभ मिलाकर 61 लाख रुपये देने पर सहमति बनी थी, लेकिन आरोपियों ने भुगतान नहीं किया और सोशल मीडिया पर भ्रामक वीडियो वायरल किए, मामले में ग्राम रिछौला ताराचंद निवासी एक अन्य व्यक्ति पर भी सहयोग करने का आरोप लगाया गया है। न्यायालय के आदेश पर नवाबगंज में मुकदमा दर्ज किया गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

पब्लिक नोटिस

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि राजेश कुमार सिन्हा पुत्र श्री सुरेश चंद्र सिन्हा निवासी, एस.यू. रोड सिन्हा बिल्डिंग 136 नगरिया परीक्षित बरेली के निवासी है। राजेश कुमार सिन्हा के आधार कार्ड, पैन कार्ड व बैंक पासबुक में राजेश कुमार सिन्हा लिखा हुआ है जबकि इनके हाईस्कूल के सर्टिफिकेट में राजेश कुमार लिखा हुआ है। दोनों एक ही व्यक्ति है तथा वर्तमान में इनको राजेश कुमार सिन्हा के नाम से जाना जाता है।

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

MEDICAL Lifelines OF BAREILLY
अमृत विचार
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें :- 8445507002

फोकस नेत्रालय
राजेन्द्र नगर, बरेली 731-098-7005
● 40,000 से अधिक सफल सर्जरी सम्पन्न
● बिना इंजेक्शन एनेस्थीसिया (केवल आई ड्राप्स द्वारा)
● आयुष्मान/सीजीएचएस/ईसीएचएस/सीएपीएफ सभी स्वास्थ्य बीमा मान्य
● कैशलेस ईलाज
बरेली का सबसे बड़ा केवल आँखों के लिए समर्पित प्राइवेट अस्पताल ...
नवीनतम AI तकनीक एवं NABH मान्यता के साथ

डॉ. हारिस अंसारी
एम.एस., एम.सी.एच. (यूरोलॉजी)
Consultant Urologist & Andrologist
गुर्दा, प्रोस्टेट, पेशाब की थैली की पथरी व कैंसर सर्जन
● प्रोस्टेट (गदूद का आपरेशन) (TURP) ● गुर्दे की पथरी का आपरेशन (PCNL) ● गुर्दे की नली (यूरेटस) की पथरी का ऑपरेशन (URSC) ● पेशाब के समस्त प्रकार के रोगों का इलाज
कैशलेस, इंश्योरेंस, TPA व ESI आयुष्मान से अनुबन्धित अस्पताल
डॉ. एम. खान हॉस्पिटल
मल्टी स्पेशलिटी व क्रिटिकल केयर सेन्टर स्टेडियम रोड, निकट सेंट फ्रांसिस स्कूल, बरेली
हेल्पलाईन 9897838286, 9837549348

जीवनी बोन एण्ड हैल्थ क्लीनिक
डा. विनय गंगवार
एमबीबीएस (एएमयू), डी. आर्थो (एएमयू), डीएनबी आर्थो (दिल्ली) डीआईपी, फीफा (स्पोर्ट्स मेडिसिन)
हड्डी एवं जोड़ रोग विशेषज्ञ
कुल्हा एवं घुटना प्रत्यारोपण, दूरबीन विधि द्वारा (Arthoscopic) घुटने का इलाज (ACL/PCL Tear) गठिया एवं समस्त जोड़ों के दर्द का इलाज, सियाटिका/कमर दर्द का इलाज, फिजियोथेरेपी, प्लास्ट एवं टूटी हड्डी (फ्रैक्चर) के समस्त ऑपरेशन
डा. आंचल अग्रवाल
एमबीबीएस, एमडी (मेडिसिन) सीसीईबीडीएम, सीसीओपीएम (पीएचएफआई)
फीजिशियन
शुगर एवं ब्लड प्रेशर, खांसी, सांस में दर्द, भूख न लगना, उल्टी एवं दस्त की बीमारी, माइग्रेन का इलाज, पैरों में सूजन, पीलिया/काला पीलिया का इलाज, टीबी, गुर्दे में दिक्कत, कोलेस्ट्रॉल चेकअप, बुखार (डेंगू, टाइफाइड, मलेरिया)
ओपीडी समय : सुबह 10 बजे से दोपहर 12:30 बजे शाम 6 बजे से रात 8 बजे तक
बंसल इंटीरियर के सामने, 6-ए, मॉडल टाउन, स्टेडियम रोड, बरेली मो. 6396640323

श्वांस रोग जागरूकता अभियान
डॉ. दीपक माहेश्वरी
M.B.B.S., M.D., परामर्श फिजीशियन क्रिटिकल केयर
स्पेशलिस्ट-ब्लड प्रेशर, हृदय, श्वांस व गम्भीर रोगों का इलाज
पैकेज मात्र ₹1199/- परामर्श + ECG + PFT + Lipid Profile + RBS + Chest X-Ray
प्रेमलोक हॉस्पिटल नरियावल अड्डा, शाहजहाँपुर रोड, बरेली
9084307201, 9520340911
डॉ. नितिन अग्रवाल वरिष्ठ हृदय रोग विशेषज्ञ मो. 9457833777

डॉ. ज़हीर उल हसन
एम.बी.बी.एस., एम.डी. (मेडिसिन)
कन्सलटेंट फिजीशियन
हृदय, शुगर, बी.पी., पेट एवं श्वांस रोग विशेषज्ञ
विभाग : जनरल सर्जरी, आर्थो, यूरोलॉजी, ईएनटी, स्त्री एवं प्रसूति रोग एवं अन्य विभाग
आयुष्मान कार्ड द्वारा ऑपरेशन व इलाज की सुविधा
हेल्पलाइन नम्बर : 7037029092
उम्मीद हॉस्पिटल एवं क्रिटिकल केयर
आईसीआईसीआई बैंक के पास, मिनी बाईपास, कर्मचारी नगर, बरेली

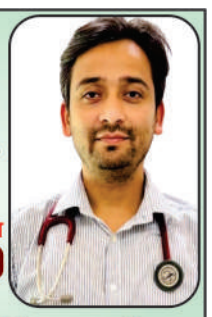

न्यूज ब्रीफ

कुत्ते बांधकर रखने को कहा तो दी गालियां, रिपोर्ट

मानपुर अमृत विचार : थाना शीशगढ़ के चौकी क्षेत्र मानपुर के एक गांव निवासी ग्रामीण ने गांव के ही एक निवासी पर कुत्ते बांधकर रखने को कहने पर गाली – गलौच करने व धमकाने का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज कराई है। ग्राम शहपुरा निवासी बबलू ने पुलिस को बताया कि गांव का ही निवासी महेंद्रपाल अपने घर में कुत्ते पालता है जो कि आने – जाने वाले राहगीरों पर भौंकते हैं । आरोप है कि महेंद्रपाल से कुत्ते को बांधकर रखने पर कहने पर उक्त ने ग्रामीण के साथ गाली – गलौच की व झगड़े पर आमदा हो गया। पुलिस ने उपरोक्त के विरुद्ध मुकद्दमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

कोर्ट के आदेश पर गर्भवती से मारपीट की रिपोर्ट

गुलड़िया अमृत विचार : थाना सिरौली क्षेत्र के गांव गणेशपुर में गर्भवती महिला के साथ मारपीट के बाद पुलिस द्वारा कार्रवाई नहीं करने का मामला सामने आया है। महिला ने गांव के ही दो लोगों पर घर में घुसकर मारपीट और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाया। आरोपियों ने रंजिश के चलते पेट पर लात मारी इससे उसकी हालत बिगड़ गई। घटना के बाद घायल महिला को पहले प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया, जहां से हालत गंभीर होने पर जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। पीड़िता का आरोप है कि शिकायत के बावजूद थाना सिरौली पुलिस ने तत्काल कोई कार्रवाई नहीं की और वह न्याय के लिए दर-दर भटकती रही। थाना स्तर पर सुनवाई न होने के बाद उसने एसएसपी समेत अन्य उच्च अधिकारियों को भी शिकायत भेजी, लेकिन मुकदमा दर्ज नहीं हुआ तो कोर्ट की शरण ली। कोर्ट के आदेश के बाद पुलिस ने आरोपियों पर रिपोर्ट दर्ज की है।

रंगदारी न देने पर अपहरण की धमकी

नवाबगंज अमृत विचार : कोतवाली क्षेत्र स्थित हनुमानगढ़ी मंदिर की कमेटी को लेकर सोमवार को इस मामले में दो पक्ष आमने-सामने आ गए। मामले में एक अधिवक्ता ने दुकानदार पर रंगदारी मांगने और जान से मारने की धमकी देने का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है। अधिवक्ता प्रिया शंकर ने तहरीर में आरोप लगाया कि हनुमानगढ़ी मंदिर की संपत्ति पर कब्जे को लेकर विवाद चल रहा है। मंदिर की एक दुकान उनके पास है, जिसका किराया नियमित रूप से मंदिर के पुजारी को दिया जाता है। आरोप है कि कस्बे का एक दुकानदार मंदिर की संपत्ति पर कब्जा करना चाहता है और दुकान खाली कराने के लिए उन पर दबाव बना रहा है। इस मामले में पुलिस से कार्रवाई की मांग की है।

एक ही मोहल्ले में कई परिवार उजड़े, स्वास्थ्य सर्वे तक नहीं हुआ ,दहशत में जी रहे हैं क्षेत्र के नागरिक

आखिर स्वास्थ्य विभाग शाहगढ़ में फैले कैंसर से क्यों है बेपरवाह !

शुऐब, बहेड़ी

अमृत विचार : आखिर स्वास्थ्य विभाग मोहल्ला शाहगढ़ में फैली कैंसर की बीमारी को लेकर बे परवाह क्यों बना हुआ है । यह सवाल मोहल्ले के हर शख्स की जुबान पर है ।रविवार को शमील की मौत के बाद मोहल्ले में दहशत का आलम है। मोहल्ले का हर शख्स डरा हुआ है।

बहेड़ी के मोहल्ला शाहगढ़ में कैंसर की त्रासदी से हर शख्स में दहशत व्याप्त है। मोहल्ले के दो परिवार ऐसे हैं, जिनमें तीन-तीन सगे भाइयों की मौत हो चुकी है ।वज़हुल कमर और उनकी पत्नी नाजमा बेगम, दोनों को कैंसर निगल चुका है ।छोटे और उसके बेटे फहीम की कैंसर से मौत हो चुकी है। एक ही परिवार में कैंसर से कई-कई मौतें होने से लोगों के दिलों में डर फ़ैलना लाज़िमी है।

मोहल्ला शाहगढ़, बाई पास के किनारे बसा है ।सरकारी अस्पताल की पहुँच से यह दूर नहीं है। स्वास्थ्य विभाग के अमले में फील्ड स्टॉफ भी होता है, जिसकी घर -घर जाकर स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी लेने की ज़िम्मेदारी होती है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग का पूरा अमला शाहगढ़ में फैली कैंसर की त्रासदी की जानकारी होने से इंकार करता रहा। 15 मई के अंक में अमृत विचार ने शाहगढ़ में फैली खतरनाक बीमारी को लेकर रिपोर्ट प्रकाशित की थी, और स्वास्थ्य विभाग के ज़िम्मेदारों को अवगत भी कराया था, लेकिन उसके बाद भी आज तक स्वास्थ्य विभाग के लोगों ने शाहगढ़ की तरफ रुख नहीं किया।

रविवार को 40 साल के शमील ने दम तोड़ दिया। पैसा न होने से वह अपना इलाज नहीं करा पाया। पैसों की तंगी के चलते कोई आदमी बिना इलाज के मर जाए, इससे बड़ी शर्म की बात और क्या हो सकती है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग पर इस मज़दूर की मौत कोई कंम्पन पैदा नहीं किया। शमील की मौत ने पूरे मोहल्ले को झकझोर कर रख दिया है। मोहल्ले के आसिफ खां कहते हैं :यह बात समझ में नहीं आ पा रही कि स्वास्थ्य विभाग इतना बेपरवाह क्यों है। कैंसर जैसी बीमारी, जिस शिद्दत के साथ इस मोहल्ले में फैली हुई है, उससे हर कोई डरा हुआ है, लेकिन स्वास्थ्य विभाग वाले यहाँ क्यों नहीं आ रहे, यह रहस्यमय है।

मोहल्ले के ज़ुबैर रज़ा खां ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर इस बारे में शिकायत की थी, लेकिन उस शिकायत को नगर पालिका प्रशासन ने कागज़ों में ही दफन कर दिया। ज़ुबैर रज़ा ने इस बीमारी के फैलने की वजह जानने के लिए पानी की जाँच कराने की मांग की थी, और नगर पालिका ने जवाब में कह दिया कि समय समय पर मानको के अनुसार हाइपो सोडियम क्लोराइड डाला जाता है ।नगर पालिका ने जवाब में यह भी कह दिया कि रोगों की रोकथाम के लिए समय समय पर कीटनाशकों का छिड़काव किया जाता है। मतलब नगर पालिका ने कैंसर के मुद्दे को सामान्य छिड़काव में ही मानकर शिकायत निस्तारित कर दी।

वैसे नगर पालिका अध्यक्ष की कुर्सी पाने के लिए कई लोगों ने ज़ोर आज़माइश की थी, और कमोबेश सभी शाहगढ़ मोहल्ले के वोटर्स पर अपना हक़ बना रहे थे, लेकिन इस मोहल्ले में फैली इस त्रासदी को लेकर कोई भी ज़बान खोलने को तैयार नहीं। किसी ने यहाँ के लोगों में बसे डर को दूर कराने के लिए कोई कदम नहीं बढ़ाया। विधायक अताउर रहमान ने शाहगढ़ में फैले कैंसर पर रिपोर्ट छपने के बाद इस बारे में बात करने पर कैंसर के और जगह भी फैलने की बात कहते हुए चिंता जताई थी, लेकिन इसको लेकर उनकी तरफ से कोई पहल नहीं हुई। विधायक की कुर्सी पाने के लिए भी कई और लोग मैदान में थे, लेकिन उन्होंने भी शाहगढ़ में फैले कैंसर को लेकर कोई कदम नहीं बढ़ाया।

कुल मिलाकर शाहगढ़ के लोग कैंसर के खौफ में जी रहे हैं। कैंसर थोड़े थोड़े दिन में किसी न किसी को अपना शिकार बना ले रहा है। स्वास्थ्य विभाग तो बेपरवाह है ही, वह लोग भी बेपरवाह हैं, जो यहाँ के लोगों के वोट पाने के लिए तो कोशिश करते हैं, मगर उनके हालात से उनको कोई सरोकार नहीं।

चनेहटी में सट्टा लगाते दंपति पकड़े

कैंट, अमृत विचार : चनेहटी की साप्ताहिक बाजार में गश्त के दौरान राधा माधव मंदिर के पीछे एक दंपति को सट्टे की खाईबाड़ी करते हुए पुलिस ने पकड़ा है। पुलिस ने दंपति को 20 व 50 रुपए लगाने की बात कहते हुए सुना। महिला उप निरीक्षक भारती रानी ने मौके पर ही महिला को पकड़ लिया। पुलिस कर्मियों ने उसके पति को पकड़ लिया।

प्रधान सहित 6 पर केस

मानपुर अमृत विचार : ग्राम बंजरिया में सरकारी भूमि पर खड़े यूकेलिप्टस के 23 पेड़ काटकर बेचने के आरोप में लेखपाल ने वर्तमान प्रधान राजेंद्र, खेमकरन, होरीलाल, दीनानाथ, सद्दीक अहमद व एक अन्य अज्ञात सहित छह लोगों पर मुकद्दमा दर्ज कराया है।

पानी को लेकर बहेड़ी के किसानों की रुद्रपुर के मेयर से तीखी नोकझोंक

बहगुल नदी में गंदा पानी आने से बहेड़ी में पशुपालक और जनता हो रही परेशान

संवाददाता, बहेड़ी

अमृत विचार : रुद्रपुर (उत्तराखंड) के मेयर को बहगुल नदी में आ रहा गंदा पानी प्रदूषित नहीं लगता। प्रदूषित पानी पीने से जानवर बीमार होकर मर रहे हैं,और इंसान भी बीमार पड़ रहे हैं, यह बात भी वह नहीं मानते। नदी में प्रदूषित पानी को रोकने की मांग करने को वह राजनीति चमकाने का तरीका मानते हैं। रुद्रपुर के मेयर सौरभ शर्मा की इस तरह की बातों पर किसान कल्याण समिति के सदस्यों और मेयर के बीच तीखी बहस हुई।

किसान कल्याण समिति के सदस्यों ने रुद्रपुर में एडीएम को ज्ञापन दिया।

किसान कल्याण समिति के सदस्य, अपने अध्यक्ष और पूर्व विधायक जयदीप सिंह बरार के नेतृत्व में मंगलवार को रुद्रपुर गए थे। दरअसल उत्तराखण्ड की तमाम मिलों से निकलने वाला प्रदूषित पानी बहगुल नदी में डाला जा रहा है, जिससे नदी का पानी प्रदूषित हो गया है। बहगुल नदी पर किसानों ने खमरिया में कच्चा बांध बनाया है। यहाँ जमा हुआ प्रदूषित पानी आगे नहरों में जा रहा है। प्रदूषित पानी से फसलें ख़राब हो रही हैं, और इस पानी को पीकर जानवर बीमार पड़ रहे हैं। प्रदूषित पानी हैंडपम्प के ज़रिए लोग भी पीने को मजबूर हैं, और बीमार पड़ रहे हैं।

समिति के अध्यक्ष जयदीप सिंह बरार ने बहगुल नदी में मिलों का प्रदूषित पानी डालने से रोकने के लिए रुद्रपुर के मेयर को ज्ञापन देने का कार्यक्रम बनाया था, जिसके तहत किसान रुद्रपुर पहुँचे। मेयर से मुलाक़ात होने पर उनको नदी के पानी वाली एक बोतल दी गई,और एक चश्मा दिया गया। पूर्व विधायक ने कहा कि कहा कि उनके यहाँ की मिलों से बहगुल नदी में छोड़े जा रहे पानी से जानवर मर रहे हैं,और उन पर जानवरों की हत्या व गौ हत्या का मुकदमा होना चाहिए।

इसी बात पर मेयर भड़क गए। उन्होंने उन लोगों पर राजनीति चमकाने के लिए यह सब कुछ करने का आरोप लगाया। किसान

- **पूर्व विधायक जयदीप सिंह बरार के नेतृत्व में किसान कल्याण समिति ने एडीएम को दिया ज्ञापन**

नेता तेजविंदर सिंह विर्क और मेयर में काफी तीखी बहस हो गई। किसान नेता अनित पाल ने कहा कि प्रदूषित पानी पीने से बच्चे बीमार हो रहे हैं, इस बात पर भी मेयर भड़क गए।काफी देर चली नोकझोंक के बाद मेयर ने 15 दिन का समय माँगा। पूर्व विधायक ने 15 दिन में नदी में प्रदूषित पानी न रुकने पर हाई कोर्ट जाने की चेतावनी दी।

किसान कल्याण समिति के सदस्य कलक्ट्रेट भी पहुँचे। जिलाधिकारी उधम सिंह नगर ने एडीएम को ज्ञापन लेने भेजा। इन लोगों ने एडीएम को ज्ञापन सौंप कर नमामि गंगे के तहत नदी साफ कराने और नदी में मिलों का पानी छोड़ना बंद करने की मांग की। ज्ञापन देने वालों में किसान नेता जैल सिंह भी थे।

मेयर की भाषा अमर्यादित, निंदनीय

किसान नेता तेजेंद्र सिंह विर्क ने मेयर के वक्तव्य की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि मेयर ने 82 वर्षीय पूर्व विधायक जयदीप बरार से राजनीति चमकाने की बात कही, जबकि किसान कल्याण समिति का राजनीति से कोई लेना देना नहीं। किसानों के लिए समिति ने बहगुल नदी पर बांध बनाया है। विर्क ने कहा कि मेयर एक नेता पर भड़कते हुए बोले कि तेरे घर से कौन मरा है। मेयर के ये बोल अमर्यादित हैं। नदी के पानी में तमाम ज़हरीले तत्व हैं, जिनसे जानवर मर रहे हैं। इंसानों को हेपेटाइटिस सी हो रहा है। अब कोई जानवर मरेगा या कोई इंसान हेपेटाइटिस सी से हम इनके पास लाश लेकर आएंगे। प्रदूषित पानी के खिलाफ जयदीप बरार के नेतृत्व में बहुत जल्द जन आंदोलन शुरू किया जाएगा।

डेढ़ किलो अफीम के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

संवाददाता, कैंट

अमृत विचार : एसटीएफ (स्पेशल टास्क फोर्स) की फील्ड यूनिट टीम ने कैंट क्षेत्र के कांधरपुर से सोमवार देर रात कैंट पुलिस की मदद से डेढ़ किलो अफीम के साथ दो तस्करों को गिरफ्तार कर मंगलवार को न्यायलय में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। उक्त अफीम झारखंड से लाई गई थी। और कैंट क्षेत्र के एक गांव निवासी युवक को सप्लाई की गई थी। एसटीएफ दरोगा अमित कुमार ने बताया, उन्हें रविवार को जानकारी मिली थी, कि सोमवार को झारखंड से एक झारखंड के थाना चतरा के दरियातू निवासी राजू डांगी पुत्र भुनेश्वर डांगी कैंट के हिंडौलिया भोलापुर निवासी महेश पाल पुत्र जमुना प्रसाद को अफीम सप्लाई करने आ रहा है। मिली सूचना के अनुसार एसटीएफ की टीम कैंट पुलिस को साथ लेकर सोमवार शाम करीब 6 बजे कांधरपुर पहुंच गई। सूचना के मुताबिक एसटीएफ और कैंट पुलिस ने थाना बारादरी के बनखंडी नाथ मंदिर निवासी श्यामपाल दिवाकर हाल निवासी कांधरपुर थाना कैंट के मकान पर पहुंची और अफीम की डील करते हुए दोनों आरोपियों को पकड़ लिया।

मौके से पुलिस ने काफी सामान भी बरामद किया है। पुलिस ने मंगलवार को दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया।

पूर्वी में गांजा के साथ युवक को पकड़ा

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : हाईवे किनारे चल रहे नशे के कारोबार पर फतेहगंज पूर्वी पुलिस ने एक युवक को भारी मात्रा में गांजा और डोडा छिलका के साथ गिरफ्तार किया है। थाना पुलिस जहांगीर मस्जिद के आगे हाईवे किनारे संदिग्ध व्यक्तियों की चेकिंग कर रही थी। उसी दौरान पुलिस को एक युवक संदिग्ध हालत में दिखाई दिया। तलाशी लेने पर उसके पास से 1,480 ग्राम गांजा और 1,309 ग्राम डोडा छिलका बरामद हुआ। पूछताछ में आरोपी ने अपना नाम मोर सिंह पुत्र नरेश पाल सिंह निवासी ग्राम सिमरा हरचंद सिंह थाना फतेहगंज पूर्वी बताया। आरोपी ने पुलिस को बताया कि वह ट्रकों से आने वाले गांजा और डोडा छिलका को खरीदकर फुटकर में बेचता है ।बह इसी धंधे से मोटी कमाई कर रहा था। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ एनडीपीएस एक्ट के तहत मुकदमा दर्ज कर उसे जेल भेज दिया है।

243 ग्राम स्मैक के साथ दो युवक दबोचे

भमोरा,अमृत विचार : थाना भमोरा पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान दो युवकों को 243 ग्राम अवैध स्मैक के साथ गिरफ्तार किया है। बरामद स्मैक की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत करीब 2.43 करोड़ रुपये बताई गई है। पुलिस ने दोनों आरोपियों को जेल भेज दिया है। एसएचओ भमोरा पवन कुमार सिंह ने बताया कि मंगलवार रात गांव बमियाना जाने वाले रास्ते पर संदिग्ध व्यक्तियों और वाहनों की चेकिंग की जा रही थी। इसी दौरान कमल पुत्र ओमपाल निवासी ग्राम कुण्डलिया, फैजल्लापुर थाना अलीगंज के पास से 124 ग्राम व उसका साथी गांव निवासी विजय वर्मा पुत्र लालमन वर्मा के पास से 119 ग्राम अवैध स्मैक बरामद हुई। गिरफ्तारी टीम में प्रभारी निरीक्षक पवन कुमार, उपनिरीक्षक हरेंद्र सिंह, उपनिरीक्षक राजपाल सिंह, उपनिरीक्षक योगेश प्रताप सिंह तथा कांस्टेबल मुस्तफा शामिल रहे।

तालाब में जहर डालने से मछलियां मरीं, नुकसान

संवाददाता, आंवला

अमृत विचार: तहसील क्षेत्र के ग्राम मनोना में एक संवेदनहीन घटना सामने आई है। गांव निवासी रामगोपाल कश्यप के पट्टे के तालाब में किसी अज्ञात असामाजिक तत्व द्वारा कथित रूप से जहरीली व नशीली दवा डाल दी गई, जिससे तालाब में मौजूद सभी मत्स्य बीज मर गए। घटना से मत्स्य पालक को करीब डेढ़ लाख रुपये का आर्थिक नुकसान हुआ है।

रामगोपाल कश्यप ने बताया कि उन्हें वर्ष 2031 तक तालाब का पट्टा आवंटित है और उन्होंने कुछ समय पहले ही मछली पालन के लिए तालाब में मत्स्य बीज डाले थे। सोमवार को जब वह तालाब पर पहुंचे तो बड़ी संख्या में मरी हुई मछलियां पानी में तैरती मिलीं। उनका आरोप है कि किसी ने रंजिशन तालाब में जहरीला पदार्थ मिला दिया, जिससे पूरी मछली नष्ट हो गई। पीड़ित ने मंगलवार को आंवला तहसील पहुंचकर एसडीएम विदुषी सिंह को शिकायती पत्र सौंपते हुए मामले की जांच और दोषियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की। एसडीएम ने मामले को गंभीर मानते हुए संबंधित अधिकारियों को जांच के निर्देश दिए हैं।

मारपीट व जानलेवा हमले की रिपोर्ट दर्ज

आंवला अमृत विचार : थाना आंवला क्षेत्र के ग्राम मानपुर निवासी राम नरेश ने थाना आंवला में दी तहरीर में आरोप लगाया कि गांव के ही कुछ लोगों ने पुरानी रंजिश के चलते लाठी-डंडे व धारदार हथियारों से हमला कर दिया। हमले में कई लोग घायल हो गए, जिनमें महिलाओं को भी चोटें आई हैं।

पीड़ित ने आरोप लगाया कि आरोपी जान से मारने की धमकी देते हुए मौके से फरार हो गए। घटना के बाद घायलों का उपचार कराया गया। पुलिस ने तहरीर के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बिना लाइसेंस साप्ताहिक बाजार लगाने पर प्रशासन सख्त, नई बाजार की शुरुआत

संवाददाता, शेरगढ़,

अमृत विचार : नगर पंचायत शेरगढ़ में बिना वैध लाइसेंस के साप्ताहिक बाजार लगाए जाने का मामला तूल पकड़ता जा रहा है। नगर पंचायत प्रशासन ने इस संबंध में पूर्व में एसडीएम बहेड़ी को पत्र भेजकर कार्रवाई की मांग की थी। आईजीआरएस पोर्टल पर मिली शिकायतों के बाद हुई जांच में पता चला कि बाजार संचालन का लाइसेंस वर्ष 2005 में ही समाप्त हो चुका था और उसके बाद उसका नवीनीकरण नहीं कराया गया। मंगलवार को

मंडी स्थल पर जांच को पहुंचे अधिकारी

एसडीएम के निर्देश पर नायब तहसीलदार दिवाकर सिंह, अधिशासी अधिकारी दुर्गेश कुमार सिंह, लेखपाल और पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर जांच की। जांच के दौरान बाजार संचालन का कोई वैध लाइसेंस नहीं मिला। अधिकारियों ने संबंधित लोगों को लाइसेंस मिलने तक बाजार न लगाने की चेतावनी दी। बिना लाइसेंस बाजार संचालन नियमों के विरुद्ध है।

इधर शेरगढ़-बहेड़ी मार्ग पर थाना के निकट नई साप्ताहिक बाजार की शुरुआत हो गई। पहले ही दिन बड़ी संख्या में खरीदार और दुकानदार पहुंचे। बाजार में स्वच्छ पेयजल की व्यवस्था की गई तथा दुकानदारों से कोई शुल्क नहीं लिया गया, जिससे व्यापारियों में खुशी दिखी। बताया जा रहा है कि नई बाजार के लिए वैध लाइसेंस भी जारी कर दिया गया है।

आग से दो बाइक समेत गृहस्थी का सामान राख

संवाददाता, भमोरा,

अमृत विचार : थाना क्षेत्र के गांव कुलड़िया इकलासपुर में सोमवार देर रात एक मकान में लगी भीषण आग ने दो परिवारों की पूरी गृहस्थी तबाह कर दी। आग इतनी विकराल थी कि मकान में खड़ी दो मोटरसाइकिल, एक साइकिल, गेहूं, चावल, कपड़े तथा अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया।

थाना क्षेत्र के गांव कुलड़िया इकलासपुर निवासी नरेश पाल ने बताया कि 13 मई को आए तेज आंधी-तूफान के बाद क्षेत्र की बिजली व्यवस्था ठप हो गई है। बिजली न होनेसे उनके परिवार और भाई नन्हेंलाल के परिवार ने घर में रोशनी के लिए मोमबत्ती जलाई थी। सोमवार को खाना खाने के बाद मकान की छत पर सोने चले गए। रात करीब 11 बजे गांव के कुछ लोगों ने मकान के भीतर से धुआं और आग की तेज लपटें उठती देखीं। उन्होंने शोर मचाकर परिवार के लोगों को जगाया। आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंच गए और आग बुझाने का प्रयास शुरू कर दिया। आग की चपेट में घरेलू सामान पूरी तरह नष्ट हो गया।

अधिवक्ताओं ने जताया विरोध, कार्रवाई की मांग

नवाबगंज में ज्ञापन देने पहुंचे अधिवक्ता। ● अमृत विचार

संवाददाता,नवाबगंज।

अमृत विचार: लखनऊ में अधिवक्ताओं पर हुए लाठीचार्ज के विरोध में मंगलवार को स्थानीय वकीलों ने प्रदर्शन कर दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग उठाई। अधिवक्ताओं ने नारेबाजी करते हुए तहसील पहुंचकर राज्यपाल को संबोधित ज्ञापन एसडीएम को सौंपा। एडवोकेट प्रैक्टिशनर्स एसोसिएशन के अध्यक्ष शिशुपाल सिंह गंगवार के नेतृत्व में अधिवक्ताओं ने लखनऊ की घटना की कड़ी निंदा की। वकीलों ने कहा कि अधिवक्ताओं पर किया गया लाठीचार्ज दुर्भाग्यपूर्ण है और दोषी पुलिस कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए।

तहसील पहुंचे अधिवक्ताओं ने एसडीएम उदित पवार को ज्ञापन सौंपते हुए मांग की कि लाठीचार्ज में घायल हुए अधिवक्ताओं को आर्थिक सहायता उपलब्ध कराई जाए तथा घटना के जिम्मेदार पुलिस कर्मियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की जाए।

एसडीएम ने अधिवक्ताओं को आश्वासन दिया कि उनका मांगपत्र शासन स्तर तक भेजा जाएगा। इस दौरान संगठन के सचिव पुष्पाल सिंह गंगवार, कोषाध्यक्ष वीरेन्द्र कुमार पटेल, पूर्व अध्यक्ष हाजी माजिद हुसैन जैदी, पूर्व सचिव उस्मान अली, अशोक राठौर, श्रीपाल गंगवार, सुरेश पटेल, संजीव गंगवार, सलमान जैदी, लालबहादुर गंगवार, मोहम्मद हारून, सुरेंद्र पाल सिंह, बुद्धसेन, ओम प्रकाश, अरविन्द कुमार, सत्यपाल गंगवार और समेत बड़ी संख्या में अधिवक्ता मौजूद रहे।

फरीदपुर बार एसोसिएशन ने दिया ज्ञापन

फरीदपुर, अमृत विचार : लखनऊ में अधिवक्ताओं पर पुलिस के लाठीचार्ज के विरोध में बार एसोसिएशन ने मुख्यमंत्री को संबोधित ज्ञापन नायब तहसीलदार को सौंपकर दोषी पुलिसकर्मी के विरूद्ध तत्काल कार्रवाई की मांग की है। 17 मई को लखनऊ पुलिस ने अधिवक्ताओं के चैम्बर तोड़कर उन पर लाठियाँ बरसाईं। इस घटना ने प्रदेशभर के वकीलों के मन में गहरा आक्रोश भर दिया है। फरीदपुर बार के महासचिव अतुल कुमार शुक्ला एवं अध्यक्ष विजयपाल सिंह के नेतृत्व में दर्जनों अधिवक्ताओं ने एकजुट होकर मांग की कि दोषी पुलिसकर्मियों को न केवल तत्काल बर्खास्त किया जाए, बल्कि उनके विरुद्ध एफआईआर दर्ज कर विधिक कार्रवाई भी सुनिश्चित की जाए। ज्ञापन में यह भी माँग की गई कि लखनऊ के अधिवक्ताओं के टूटे चैम्बरों को पुन: बनाया जाए और प्रदेश में अधिवक्ता संरक्षण अधिनियम लागू किया जाए, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। ज्ञापन सौंपने वालों में पी.एन. मिश्रा, अनिल कुमार मिश्रा, सतेन्द्र कुमार सक्सेना, रविन्द्रपाल सिंह राठौर, बृजेन्द्र मिश्रा, सुन्दर लाल यादव, मुन्ना लाल साहू, उत्पल पाठक, बलराम यादव, विवेक भूमिली, जितेन्द्र यादव, हरिमेश यादव और धीरेन्द्र भदौरिया आदि उपस्थित रहे।

दूसरे समुदाय को बसाने वाला भगवान दास कोर्ट में पेश

रिठौरा अमृत विचार : श्मशान भूमि पर अवैध कब्जे को हटाने पहुंचे रिठौरा पुलिस चौकी प्रभारी का अभियान एक ''कागजी कोरम'' बनकर सिमट गया। पुलिस ने गरीब और छोटे-मोटे अतिक्रमणकारियों पर तो डंडा चमकाया, लेकिन मौके पर अवैध रूप से चल रहे रूई धुनाई मशीन के इंजन पर मेहरबानी दिखाते हुए उसे हाथ तक नहीं लगाया हाफिजगंज थाना पुलिस ने मोहल्ला इंद्रानगर के भगवान दास प्रजापति को दबोचा है। आरोप है कि भगवान दास ने चंद स्वार्थों के चलते श्मशान भूमि के ''अस्थि कलश कक्ष'' में दूसरे समुदाय के एक परिवार को अवैध रूप से रहने में मदद की थी। सांप्रदायिक सौहार्द और धार्मिक भावनाओं से खिलवाड़ के इस मामले में पुलिस ने आरोपी भगवान दास पर शांति भंग की धारा में कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश किया है।

भमोरा में फर्जी विद्यालय का संचालक हुआ फरार

संवाददाता, भमोरा,

- **आईजीआरएस पर हुई शिकायत के बाद बंद मिला विद्यालय**
- **दूसरे की मान्यता के इस्तेमाल का आरोप**

अमृत विचार : ग्राम पंचायत देवचरा में फर्जी तरीके से विद्यालय संचालन का मामला सामने आने पर शिक्षा विभाग ने सख्ती दिखाई है। खंड शिक्षा अधिकारी आलमपुर जाफराबाद सतीश वर्मा ने थाना भमोरा में तहरीर देकर विद्यालय संचालक के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की मांग की है। विभागीय जांच में आदर्श शिक्षा निकेतन नामक विद्यालय बंद मिला और संचालक मौके से फरार पाया गया।

बीईओ के अनुसार आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत मिली थी कि विद्यालय बिना वैध प्रक्रिया के संचालित किया जा रहा है।

जांच में सामने आया कि विद्यालय की मान्यता किसी अन्य व्यक्ति के नाम पर है, जबकि उसका संचालन कोई दूसरा व्यक्ति कर रहा था। आरोप है कि दूसरे की मान्यता का उपयोग कर विद्यालय चलाया जा रहा था, जिससे छात्र-छात्राओं के भविष्य के साथ खिलवाड़ किया गया। विभाग का कहना है कि जांच शुरू होने के बाद से ही संचालक फरार है। नोटिस जारी किए जाने के बावजूद संचालक की ओर से कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया।

विद्यार्थियों की पढ़ाई प्रभावित न हो, इसके लिए कक्षा एक से पांच तक के बच्चों का प्रवेश प्राथमिक विद्यालय देवचरा तथा कक्षा छह से आठ तक के बच्चों का प्रवेश उच्च प्राथमिक विद्यालय क्योना शादीपुर में कराया जाएगा। एसएचओ पवन कुमार सिंह ने बताया कि मामले की जांच कर आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

केन्द्रीय मंत्री ने डीएलएड छात्रा की मौत पर दुख जताया

बहेड़ी अमृत विचार : केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने डीएलएड छात्रा नीतू की मौत पर दुःख जताया है। केंद्रीय राज्य मंत्री ने नीतू के परिजनों से फोन पर बात कर शोक जताते हुए उनको सांत्वना दी।

मंत्री ने डीएलएड छात्रा नीतू की मौत की जानकारी मिलने पर अपने प्रतिनिधि रवि मल्होत्रा को उसके घर मानपुर भेजा। सांसद प्रतिनिधि ने नीतू की मौत पर गहरा दुःख जताते हुए शोक संतृप्त परिवार को सांत्वना दी, और उनके साथ खड़े होने की बात कही। सांसद प्रतिनिधि ने नीतू के परिजनों से केंद्रीय राज्य मंत्री की बात कराई।

केंद्रीय राज्य मंत्री ने इस मामले में बरेली के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से भी बात की, और इस मामले में सख्त कानूनी कार्रवाई करने की बात कही।

बिजली कनेक्शन के नाम पर रिश्वत मांगने का आरोप

बरेली, अमृत विचार : सीबीगंज क्षेत्र के ग्राम मुर्शीदाबाद निवासी अरविन्द कुमार ने अधिशासी अभियंता को शिकायती पत्र दिया कि घरेलू बिजली कनेक्शन के लिए नदोसी बिजली घर पर एक संविदा एसएसओ ने उनसे 10 हजार रुपये की मांग की। 8 जनवरी को ऑनलाइन आवेदन करने के बाद अगले दिन सर्वे के लिए फोन आया और रुपये तैयार रखने को कहा गया।

आरोप है कि सर्वे के बाद एक संविदा कर्मचारी ने कनेक्शन और सर्वे के नाम पर फिर नौ हजार रुपये की मांग की। अरविन्द कुमार का कहना है कि उनके पास रुपये मांगने की ऑडियो रिकॉर्डिंग है। उन्होंने आरोप लगाया कि पैसे न देने के कारण अब तक उनका घरेलू बिजली कनेक्शन नहीं लगाया गया। साथ ही गांव के अन्य लोगों से भी कनेक्शन के नाम पर रुपये लेने की बात कही गई है। पीड़ित ने जांच कर कार्रवाई की मांग की है।

लखनऊ आंदोलन में जाने से रोके गए ग्राम प्रधान, ब्लॉक परिसर में धरने पर बैठे

पंचायत चुनाव, कार्यकाल विस्तार समेत चार सूत्रीय मांगों को लेकर सम्मेलन में शामिल होने जा रहे थे प्रधान

संवाददाता, भमोरा

अमृत विचार : पंचायतों के अधिकारों की रक्षा, समय पर पंचायत चुनाव कराए जाने, ग्राम प्रधानों का कार्यकाल बढ़ाने तथा गठित होने वाली समिति में वर्तमान प्रधान को प्रशासक अध्यक्ष बनाए जाने की मांग को लेकर लखनऊ में आयोजित सम्मेलन में शामिल होने जा रहे दर्जनों प्रधानों को पुलिस और प्रशासन ने ब्लॉक आलमपुर जाफराबाद परिसर में रोक लिया। इससे नाराज प्रधान ब्लॉक परिसर में ही धरने पर बैठ गए और प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी शुरू कर दी।

ग्राम प्रधान आदेश यादव के नेतृत्व में करीब दो दर्जन प्रधान मंगलवार को लखनऊ में आयोजित प्रधान संगठन के सम्मेलन में भाग लेने जाने वाले थे लेकिन पुलिस ने उन्हें ब्लॉक परिसर में ही रोक लिया। प्रधानों का आरोप है कि उन्हें शांतिपूर्ण ढंग से सम्मेलन में जाने से रोका गया,

मीरगंज में प्रधानसंघ के अध्यक्ष को घर में नजरबंद कर दिया गया। ● अमृत विचार

भदपुरा से चकमा देकर रवाना हुए प्रधान

भदपुरा अमृत विचार : लखनऊ में प्रस्तावित अखिल भारतीय प्रधान संघ के विशाल धरने में शामिल होने के लिए भदपुरा ब्लॉक के लगभग 40 प्रधानों का समूह पुलिस की कड़ी घेराबंदी और नजरबंदी को चकमा देकर रवाना हुआ है। पुलिस ने भदपुरा प्रधान संघ अध्यक्ष राम प्रताप को उनके नवाबगंज में घर में ही नजरबंद कर दिया। पुलिस की सख्ती के बावजूद, कई प्रधान और उनके प्रतिनिधि खुफिया रास्तों और रणनीतियों का उपयोग कर लखनऊ के लिए निकल गए हैं। प्रधान संघ अध्यक्ष ने फोन पर बताया कि प्रधानों का यह प्रदर्शन मुख्य रूप से पंचायत चुनाव समय पर कराने और प्रशासकों की नियुक्ति के फैसले को वापस लेने की मांग को लेकर है। लखनऊ में गांधी प्रतिमा पर बड़ी संख्या में पंचायत प्रतिनिधि पहले ही जुट चुके हैं।

मीरगंज में ब्लॉक अध्यक्ष को किया नजरबंद

मीरगंज, अमृत विचार : विकास खंड मीरगंज में लखनऊ जा रहे ग्राम प्रधान संघ के अध्यक्ष सोनू कुर्मी को सुबह से ही पुलिस ने मोहल्ला राजेंद्र नगर स्थित उनके घर पर नजरबंद कर दिया। यह कार्रवाई मंगलवार को मीरगंज पुलिस द्वारा की गई। तय कार्यक्रम के चलते मंगलवार की शाम को सभी ग्राम प्रधानों के साथ लखनऊ के लिए रवाना होना था। पुलिस द्वारा उन्हें उच्चाधिकारियों के निर्देश पर रोका गया। पुलिस ने उन्हें घर में ही नजरबंद कर दिया, जिससे वे लखनऊ नहीं जा सके। संगठन का आरोप है कि सरकार पंचायत प्रतिनिधियों को लोकतांत्रिक तरीके से अपनी मांगें रखने से रोक रही है।

टंकी गिरने के मामले में दो कंपनियां ब्लैकलिस्ट

- आलमपुर जाफराबाद ब्लाक में ढह गई थी निर्माणाधीन टंकी
- एक्सईएन निलंबित, दो अभियंता पूर्व में ही हो चुके बर्खास्त

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : जल जीवन मिशन की टंकी गिरने के मामले में जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह के निर्देश पर बड़ी कार्रवाई की गई है। मामले की जांच के लिए गठित समिति की प्राथमिक रिपोर्ट के आधार परनिर्माण एजेंसी एनसीसी व थर्ड पार्टी इंस्पेक्शन एजेंसी बीएलजी कंस्ट्रक्शन को ब्लैकलिस्ट कर दिया है। ब्लैकलिस्ट रहने तक कंपनी को कोई भी नया काम नहीं मिलेगा। इस मामले में निर्माण कंपनी एनसीसी व थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसी के खिलाफ भी रिपोर्ट दर्ज करवाई गई है। एजेंसियों पर कार्रवाई के साथ-साथ इस मामले में एक्सईएन कुमकुम गंगवार पहले ही निलंबित की जा चुकी है। वहीं, आउटसोर्सिंग के माध्यम से तैनात दो एई बर्खास्त किए गए हैं।

दरअसल, 4 मई को बरेली आलमपुर जाफराबाद विकास खंड में एक निर्माणाधीन टंकी गिर गई थी। इसके बाद शासन ने मामले की जांच के लिए समिति गठित की थी। प्राथमिक जांच रिपोर्ट में निर्माण और निगरानी में गंभीर लापरवाही सामने आई। जिसके बाद जल शक्ति मंत्री स्वतंत्र देव के निर्देश पर निर्माण एजेंसी एसएसनी को ब्लैकलिस्ट करने के साथ ही थर्ड पार्टी निरीक्षण एजेंसी बीएलजी कंस्ट्रक्शन सर्विसेज के बरेली में तैनात इंचार्ज को तत्काल प्रभाव से निष्कासित कर दिया है।

निर्माण एजेंसी एनसीसी लिमिटेड पर योजना लागत का पांच प्रतिशत जुर्माना भी लगाया गया है। वहीं टीपीआई एजेंसी बीएलजी कंस्ट्रक्शन सर्विसेज पर एक प्रतिशत पेनाल्टी लगाई गई है। साथ ही कंपनी को अपने खर्च पर नई पानी की टंकी का निर्माण कराना होगा।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई–निविदा सूचना : ओटी–10–2026

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/ निर्माण, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर द्वारा भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए ''खुली'' निविदा आमंत्रित की जाती है :– **निविदा सं०: ओटी–10–2026,** कार्य का विवरण : गोण्डा कचहरी से गोल्डेनगंज, बुढ़वल–सीतापुर तीसरी व चौथी लाईन, औड़िहार–वाराणसी तीसरी लाइन, खलीलाबाद–बहराईच (फेज–II एवं फेज–III) नई लाईन तथा कानपुर अनवरगंज–मन्धाना एलीवेटेड ट्रक परियोजना के अन्तर्गत इन्फ्रीन्जमेन्ट में आने वाले 33 केवी/11 केवी/ 0.4 केवी ओवरहेड पावर लाइन क्रांसिंगो का संशोधन एवं अन्य सम्बन्धित कार्य। अनुमानित लागत : रू. 29,15,67,639.59, बयाना राशि : रू. 58,31,400.00 निविदा प्रपत्र का मूल्य – रू. निल, कार्य पूर्ण करने की अवधि – 24 माह। निविदा बन्द होने की अंतिम तिथि व समय : 15.06.2026 को 15.00 बजे। **नोट :** ● इस निविदा के विरूद्ध मैनुअल आफर स्वीकार नहीं किया जायेगा। ऐसे प्राप्त मैनुअल आफर को उपेक्षित कर दिया जायेगा। विस्तृत विवरण व निविदा जमा करने हेतु, कृपया भारतीय रेलवे की वेबसाईट http://www.ireps.gov.in को देखें। ● निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होगें।

उप मुख्य विद्युत इंजीनियर/निर्माण,
मुजाधि/विद्युत- 45 पूर्वोत्तर रेलवे/लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

विज्ञप्ति/सूचना

पत्रांक : मा./1059-60/2026-27 दिनांक : 07.05.26

जिला विद्यालय निरीक्षक पीलीभीत के पत्रांक 2026 के अनुपालन में राम दुलारी श्याम सु.इं. कालेज बीसलपुर (पीलीभीत) की प्रबन्ध समिति का चुनाव कार्यक्रम निम्नलिखित है। सम्बन्धित सदस्यों को सूचित किया जाता है कि कार्यक्रम के अनुसार चुनाव प्रक्रिया में प्रतिभाग करना सुनिश्चित करें।

क्र.सं.	कार्यक्रम का नाम	दिनांक	समय	स्थान
1.	अनारक्षित मतदाता सूची का प्रकाशन	21.05.2026	प्रातः 10 बजे	आर.डी.एस. एस.इं. कॉलेज बीसलपुर
2.	अनन्तिम मतदाता सूची पर आपत्ति दर्ज करना	22.05.2026	प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक	उपरोक्त
3.	आपत्तियों का निस्तारण	22.05.2026	12 बजे से 4 बजे तक	उपरोक्त
4.	अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन	23.05.2026	प्रातः 11 बजे से	उपरोक्त
5.	नामांकन दाखिल करना	24.05.2026	प्रात: 10 बजे से 4 बजे तक	उपरोक्त
6.	नामांकन पत्रों पर आपत्ति एवं उनकी जांच एवं नाम वापसी	25.05.2026	प्रात: 10 बजे से 12 बजे तक 12 बजे से 2 बजे तक 2 बजे से 4 बजे तक	उपरोक्त
7.	मतदान एवं परिणाम घोषणा	26.05.2026	प्रात: 10 बजे से 2 बजे मतदान समाप्ति के बाद दोपहर 4 बजे तक	उपरोक्त

राम गोपाल शर्मा-अध्यक्ष

दरोगा पर मारपीट करने का आरोप एसएसपी से की कार्रवाई की मांग

संवाददाता, बहेड़ी,

- पक्षों में विवाद के बाद दरोगा ने पांच हजार लिए, बेइज्जत किया

अमृत विचार : गांव सकरस के पूर्व बीडीसी मेम्बर राशिद खां ने बहेड़ी कोतवाली के एक दरोगा पर बेवजह मारपीट करने का आरोप लगाया है।एसएसपी को दिए प्रार्थना पत्र में निष्पक्ष जाँच कराकर दरोगा के खिलाफ कार्रवाई की मांग की गई है।

प्रार्थना पत्र में कहा गया कि 15 मई को दो पक्षो में विवाद हो गया था।मौके पर पुलिस पहुँची थी, और दरोगा ने मुझसे दोनों के बीच समझौता कराने की बात कही। अगली रात दरोगा समरपाल सिंह गांव पहुँचे और सार्वजनिक रूप से उनकी बेइज़्ज़ती करने लगे।

विरोध करने पर उन्होंने उनके कई थप्पड़ मारे, और ज़बरदस्ती गाड़ी में डाल लिया। राशिद खां ने कहा कि उसके बाद दरोगा ने उससे 5 हज़ार रूपये लेकर गाड़ी से उतार दिया।

आरोप है कि दरोगा ने उसको शिकायत करने पर ख़राब अंजाम की चेतावनी भी दी। प्रार्थना पत्र में उसने कहा कि सार्वजनिक रूप से हुई बेइज़्ज़ती से वह बेहद आहत है, और मानसिक रूप से उसको गहरा आघात लगा है। इस स्थिति में उसके साथ कुछ भी हो सकता है।

जेई संगठन ने मुख्य अभियंता को सौंपा ज्ञापन

बरेली, अमृत विचार : क्षतिग्रस्त विद्युत परिवर्तकों की बढ़ती समस्या व मांगों के निराकरण को लेकर राज्य विद्युत परिषद जूनियर इंजीनियर्स संगठन ने मंगलवार को मुख्य अभियंता ज्ञान प्रकाश को ज्ञापन सौंपा। क्षेत्रीय कार्यकारिणी, जनपद पदाधिकारी और सदस्यों ने ज्ञापन में विद्युत व्यवस्था से जुड़ी विभिन्न समस्याओं के त्वरित समाधान की आवश्यकता पर जोर दिया। लगातार क्षतिग्रस्त हो रहे परिवर्तकों के कारण उपभोक्ताओं को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है, कर्मचारियों पर भी कार्यभार बढ़ रहा है।

सिरौली में कुएं में गिरे सांड को जेसीबी से निकाला

जेसीबी से सांड को कुएं से निकाला

सिरौली अमृत विचार : मंगलवार सुबह सुल्तान खां मार्केट में उस वक्त हड़कंप मच गया, जब एक आवारा सांड गहरे कुएं में जा गिरा। सांड नीचे जिंदगी और मौत के बीच छटपटा रहा था और ऊपर तमाशबीनों की भारी भीड़ जुटी थी।

तभी सफाई नायक विजय कुमार, रोहिताश कुमार और रामकिशन ने बिना वक्त गंवाए जेसीबी के साथ मोर्चा संभाला। अपनी जान जोखिम में डालकर कर्मचारी कुएं के संकरे मुहाने पर उतरे और आक्रामक हो चुके भारी-भरकम सांड को रस्सियों से सुरक्षित बांध दिया। जैसे ही जेसीबी ने सांड को सकुशल बाहर खींचा, पूरा बाजार जयकारों से गूंज उठा। सांड को खरोंच तक नहीं आई।

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म-मै. श्री जी इन्टरप्राइजेज इंटरप्राईजेज, मोहल्ला ऊँचा, फरीदपुर जिला बरेली यू.पी. 243503 (पंजीकरण संख्या : BAR/0012873) फर्म में 02 साझेदार-उर्मिला सिंह एवं सुखलाल थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 18.05.2026 को फर्म में दो नये साझेदार मो. फैजल रजा खान एवं नसीर खान शामिल किये गये है तथा फर्म से एक साझेदार सुखलाल स्वेच्छा से दिनांक 18.05.2026 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गये। अवकाश ग्रहण साझेदार का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है। साझेदार पर फर्म/साझेदारों पर या फर्म का साझेदार पर कोई लेन-देन बकाया नहीं है। अब फर्म में कुल 03 साझेदार उर्मिला सिंह, मो. फैजल रजा खान एवं नसीर खान है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है।

उर्मिला सिंह
साझेदार
मैसर्स श्री जी इन्टरप्राइजेज, बरेली उ.प्र.

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म-मै. जय माँ गंगे इंटरप्राईजेज, मोहल्ला परा, फरीदपुर जिला बरेली यू.पी. 243503 (पंजीकरण संख्या : BAR/0007203) फर्म में 03 साझेदार सुधांशु शेखर, विजय कुमार एवं असलम खां थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 18.05.2026 को फर्म में एक नये साझेदार शबनम खान शामिल किये गये है तथा फर्म से एक साझेदार असलम खां स्वेच्छा से दिनांक 18.05.2026 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गये। अवकाश ग्रहण साझेदार का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है। साझेदार पर फर्म/साझेदारों पर या फर्म का साझेदार पर कोई लेन-देन बकाया नहीं है। अब फर्म में कुल 03 साझेदार सुधांशु शेखर, विजय कुमार, शबनम खान है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है।

सुधांशु शेखर
साझेदार
मैसर्स जय मां गंगे इन्टरप्राईजेज, बरेली उ.प्र.

सूचना

सूचित किया जाता है कि फर्म-मैं अहम इंटरप्राईजेज, मोहल्ला परा, फरीदपुर जिला बरेली यू.पी. 243503 (पंजीकरण संख्या : BAR/0002874) फर्म में 03 साझेदार मुलायम सिंह, विजय कुमार एवं पूनम लता थे, साझेदारों की रजामन्दी से दिनांक 18.05.2026 को फर्म में दो साझेदार शबनम खान एवं चमनदार खां शामिल किये गये है तथा फर्म से दो साझेदार मुलायम सिंह एवं विजय कुमार स्वेच्छा से दिनांक 18.05.2026 को अवकाश ग्रहण करके फर्म से अलग हो गये। अवकाश ग्रहण साझेदार का सारा हिसाब-किताब चुकता हो गया है, साझेदार का फर्म/साझेदारों पर या फर्म का साझेदारों पर कोई लेन-देन बकाया नहीं है। अब फर्म में कुल 03 साझेदार पूनम लता, शबनम खान एवं चमनदार खां है। फर्म में एवं साझेदारों में कोई विवाद नहीं है। एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि उक्त के सम्बन्ध में समस्त विधिक औपचारिकतायें मेरे द्वारा पूरी कर ली गयी है।

पूनम लता
साझेदार
मैसर्स अहम इन्टरप्राईजेज, बरेली उ.प्र.

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता नलकूप खण्ड, द्वितीय बदायूँ

अल्पकालीन निविदा सूचना सं0–01/अधि0अभि0/2026–27

टेंडरिंग के माध्यम से कराये जाने वाले कार्यो की निविदा

महामहिम राज्यपाल उत्तर प्रदेश की ओर से निम्नलिखित कार्यों हेतु टेण्डरिंग प्रक्रिया के माध्यम से सिंचाई विभाग के वर्गीकृत श्रेणी में पंजीकृत ठेकेदारों से दिनांक 30.05.2026 को पूर्वाजन 11:00 बजे तक निविदा विक्रय/आमन्त्रित की जाती हैं,जो अधिषासी अभियन्ता, नलकूप खण्ड द्वितीय, बदायूँ के कार्यालय में दिनांक 30.05.2026 को अपरान्ह 02:00 बजे गठित निविदा समिति के द्वारा खोली जायेंगी। निविदा दिनॉक 22.05.2026 को प्रातः 11:00 बजे से दिनॉक–30.05.2026 को प्रातः 11:00 बजे तक क्रय की जा सकती है। कार्यालय बन्द होने अथवा छुट्टी होने की दशा में यह निविदा अगले कार्यालय दिवस में उसी समय खोली जायेंगी।

क्र0 सं0	लाट सं0	कार्य का विवरण	मात्रा	कार्य की अनुमानित लागत (लाख रू0 में)	धरोहर धनराशि (रू0 में)	कार्य को पूर्ण करने की अवधि	निविदा प्रपत्र का मूल्य. जी0एस0टी0 .स्टेषनरी षुल्क सहित (रू0 में)	न्यूनतम पंजीकृत श्रेणी
1	2	3		4	5	6	7	8
01.	01.	Reconstruction of Pump House, Delivery Tank And Regulator of STW N0 54 BG Penple Block Wazirganj Distt. Budaun Along with Pipe line Connecting upto 200 Meter To old Distribution System And Renuvation And Rejuvination of 400 Meter Pakki gul Under 1750 Fail nalkoop Yojna As per Specified Drawing & Specifications of IDUP	BOQ के अनुसार	6.48	13000	90 दिवस	RS 225.00+ 18% GST+ RS 500.00	सिविल श्रेणी में 'सी' एवं उच्च श्रेणी
02.	02.	Reconstruction of Pump House, Delivery Tank And Regulator of STW N0 154 BG Bagrain Block Wazirganj Distt. Budaun Along with Pipe line Connecting upto 200 Meter To old Distribution System And Renuvation And Rejuvination of 400 Meter Pakki gul Under 1750 Fail nalkoop Yojna As per Specified Drawing & Specifications of IDUP	BOQ के अनुसार	6.50	13000	90 दिवस	RS 225.00+ 18% GST+ RS 500.00	सिविल श्रेणी में 'सी' एवं उच्च श्रेणी
03.	03.	Reconstruction of Pump House, Delivery Tank And Regulator of STW N0 211 BG Penple Block Wazirganj Distt. Budaun Along with Connecting Pipe line upto 200 Meter To old Distribution System And Renuvation And Rejuvination of 400 Meter Pakki gul Under 1750 Fail nalkoop Yojna As per Specified Drawing & Specifications of IDUP	BOQ के अनुसार	5.03	13000	90 दिवस	RS 225.00+ 18% GST+ RS 500.00	सिविल श्रेणी में 'सी' एवं उच्च श्रेणी
04.	04.	Reconstruction of Pump House, Delivery Tank And Regulator of STW N0 103 BG Village Rota Block Wazirganj Distt. Budaun Along with Connecting Pipe line upto 200 Meter To old Distribution System And Renuvation And Rejuvination of of 400 Meter Pakki gul Under 1750 Fail nalkoop Yojna As per Specified Drawing & Specifications of IDUP	BOQ के अनुसार	6.25	13000	90 दिवस	RS 225.00+ 18% GST+ RS 500.00	सिविल श्रेणी में 'सी' एवं उच्च श्रेणी
05.	05.	Reconstruction of Pump House, Delivery Tank And Regulator of STW N0 106 BG VIllage Pusgawan Block Wazirganj Distt. Budaun Along with Connecting Pipe line upto 200 Meter To old Distribution System And Renuvation And Rejuvination of 400 Meter Pakki gul Under 1750 Fail nalkoop Yojna As per Specified Drawing & Specifications of IDUP	BOQ के अनुसार	6.20	13000	90 दिवस	RS 225.00+ 18% GST+ RS 500.00	सिविल श्रेणी में 'सी' एवं उच्च श्रेणी
06.	06.	Reconstruction of Pump House, Delivery Tank And Regulator of STW N0 86 BG Village Soi Block Wazirganj Distt. Budaun Along with Connecting Pipe line upto 200 Meter To old Distribution System And Renuvation And Rejuvination of 400 Meter Pakki gul Under 1750 Fail nalkoop Yojna As per Specified Drawing & Specifications of IDUP	BOQ के अनुसार	6.24	13000	90 दिवस	RS 225.00+ 18% GST+ RS 500.00	सिविल श्रेणी में 'सी' एवं उच्च श्रेणी
07.	07.	Construction of Pump House, Delivery Tank And Regulator of STW N0 312 BG Village Bankota Block Wazirganj Distt. Budaun Along with Laying of P.V.C Pipe Line 1200 Meter And Costruction 10 No. outlets As per Specified Drawing & Specifications of IDUP	BOQ के अनुसार	6.31	13000	90 दिवस	RS 225.00+ 18% GST+ RS 500.00	सिविल श्रेणी में 'सी' एवं उच्च श्रेणी

नोटः– निविदा/विड की विस्तृत षर्तें व विषिष्टियां निविदा/बिड प्रपत्र के साथ उपलब्ध होगी।

UP-251360 दिनांक 18.05.2026 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

अधिशासी अभियन्ता,
नलकूप खण्ड द्वितीय, बदायूँ

कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, पीलीभीत

पत्रांक : 1755/व.स./2026-27 **सूचना/विज्ञप्ति** दिनांक : 19.05.2026

सूचित किया जाता है कि सचिव, उ.प्र. बेसिक शिक्षा परिषद, प्रयागराज के कार्यालय पत्रांक 27866-71/2023-24 दिनांक 18.08.2023 द्वारा श्रीमती शगुफ्ता शहरोज, सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय खमरिया पंडरी, विकास क्षेत्र बरखेड़ा को व्यक्तिगत कारणों से विदेश जाने की अनापत्ति एवं अवैतनिक अवकाश की स्वीकृति में निहित प्रतिबन्ध के अनुसार इनके द्वारा दिनांक 25.02.2024 को विद्यालय में कार्यभार ग्रहण न करने से अनापत्ति एवं अवैतनिक अवकाश की स्वीकृति की तिथि दिनांक 18.08.2023 से स्वतः निरस्त होने के फलस्वरूप खण्ड शिक्षा अधिकारी, बरखेड़ा के पत्रांक 1164/2025-26, दिनांक 06.02.2026, पत्रांक 248/2024-25, दिनांक 01.08.2024 एवं पत्रांक 564/2025-26, दिनांक 10.09.2025 के द्वारा विद्यालय में कार्यभार ग्रहण न करने के कारण दिनांक 25.08.2023 से निरन्तर अनुपस्थित रहने की दशा में सेवा समाप्ति की संस्तुति के साथ आख्या प्रेषित की गयी। नैसर्गिक न्याय के सिद्धांतों का अनुपालन करते हुए इस कार्यालय के नाटिस संख्या व.स./1385-31/2025-26 दिनांक 27.02.2026, नोटिस संख्या व.स./292-98/2026-27, दिनांक 09.04.2026 एवं नोटिस संख्या : व.स./1340-46/2026-27, दिनांक 06.05.2026 के द्वारा श्रीमती शगुफ्ता शहरोज को औचित्यपूर्ण कारणों सहित अपना पक्ष प्रस्तुत किये जाने हेतु पर्याप्त एवं उचित अवसर प्रदान किये गये। उपरोक्त पत्रों की प्रति पंजीकृत डाक के माध्यम से श्रीमती शगुफ्ता शहरोज की सेवापुस्तिका में अंकित पते पर प्रेषित किये गये तथा अन्य माध्यमों से सम्बन्धित को सूचित किये जाने का भी प्रयास किया गया। सम्बन्धित पत्रों में डाक विभाग द्वारा उक्त पते पर श्रीमती शगुफ्ता शहरोज के न होना अंकन करते हुए समस्त पत्र कार्यालय को वापस प्राप्त कराये गये है। साथ ही श्रीमती शगुफ्ता शहरोज, सहायक अध्यापक द्वारा आज दिनांक तक न तो व्यक्तिगत रूप से उपस्थित होकर अपना पक्ष प्रस्तुत किया है और न ही विभाग/कार्यालय के साथ इस सम्बन्ध में कोई पत्राचार किया गया है। इस सूचना/विज्ञप्ति के माध्यम से श्रीमती शगुफ्ता शहरोज, सहायक अध्यापक, उच्च प्राथमिक विद्यालय खमरिया पडरी, विकास क्षेत्र बरखेड़ा को अन्तिम अवसर प्रदान करते हुए सूचित किया जाता है कि 15 दिवस में कार्यालय, जिला बेसिक शिक्षा, पीलीभीत में स्वयं उपस्थित होकरप अपना पक्ष प्रस्तुत करें। अन्यथा की स्थिति में उ.प्र. बेसिक शिक्षा (अध्यापक) सेवा नियमावली 1981 में निहित प्राविधानों के अन्तर्गत सेवा समाप्ति की कार्यवाही कर दी जायेगी।

(रोशनी सिंह)
जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, पीलीभीत

एसएसपी के निर्देश पर शिक्षक समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट

नवाबगंज, अमृत विचार: मारपीट के मामले में कार्रवाई न होने पर पीड़िता द्वारा वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक से शिकायत किए जाने के बाद पुलिस ने एक शिक्षक और उसके साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज की है। थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी सरोज ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि 15 मई को उसका पुत्र गौरव किसी काम से नवाबगंज आ रहा था। आरोप है कि रास्ते में पहले से मौजूद शिक्षक व प्रॉपर्टी डीलर नरदेव अपने तीन-चार साथियों के साथ बैठे थे। जैसे ही गौरव वहां पहुंचा तो आरोपियों ने उसके साथ गाली-गलौज शुरू कर दी और मारपीट कर घायल कर दिया। महिला का आरोप है कि सूचना मिलने पर जब वह मौके पर पहुंची तो आरोपियों ने उसके साथ भी मारपीट की। पीड़िता ने घटना की तहरीर थाना पुलिस को दी, लेकिन रिपोर्ट दर्ज नहीं की गई। इसके बाद महिला अपने पुत्र के साथ एसएसपी अनुराग आर्य के समक्ष पेश हुई और कार्रवाई की मांग की। एसएसपी के निर्देश पर थाना नवाबगंज पुलिस ने आरोपी शिक्षक नरदेव और उसके तीन-चार अज्ञात साथियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

तूफान में गिरे मकान का मुआवजा नही

बिशारतगंज : भिंडौरा अड्डा के पास रहने वाले एहसान की पुत्री फिरदौस ने आंधी में उसका घर गिर गया है पूरा परिवार आसमान में रह रहा हैं जांच कर मुआवजा देने की मांग की है।

कार्यालय नगर पालिका परिषद, बिसौली (बदायूँ)

पत्रांक : 139/न.पा.परि.बि./ई-नि.सू./2026-27 दिनांक : 18.05.2026

ई–निविदा सूचना

समस्त अर्ह फर्मो/ठेकेदारों को सूचित किया जाता है कि नगर पालिका परिषद, बिसौली द्वारा राज्य वित्त आयोग एवं नगर निधि के अन्तर्गत निर्माण कार्य एवं अधिष्ठापन कार्य कराये जाने हेतु ई-निविदा प्रणाली के अन्तर्गत ई निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर दिनांक 08.06.2026 को अपरान्ह 03:00 बजे तक ई-निविदायें आमंत्रित की जाती है। निविदाओं/निविदा शर्तो से सम्बन्धित समस्त प्रकार की जानकारी ई-निविदा पोर्टल https://etender.up.nic.in पर दिनांक 19.05.2026 को प्रातः 09:00 बजे से प्रसारित होगी तथा बिड अपलोड हेतु उपलब्ध रहेंगे तथा यदि उक्त निविदाओं/निविदा शर्तो/निविदा तिथियों में कोई संशोधन होता है, तो उसकी सूचना ई-निविदा पोर्टल के माध्यम से ही प्रसारित की जायेगी। निर्धारित तिथि/समय को प्राप्त ई-निविदायें निविदादाताओं एवं निविदा कमेटी के समक्ष दिनांक 09.08.2026 को अपरान्ह 01:00 बजे से खोली जायेंगी। उक्त से सम्बन्धित अन्य कोई जानकारी किसी भी कार्य दिवस में कार्यालय नगर पालिका परिषद बिसौली से संपर्क कर प्राप्त की जा सकती है। सक्षम अधिकारी द्वारा बिना कारण बताये किसी भी निविदा/समस्त निविदाओं को स्वीकृत अथवा अस्वीकृत करने का पूर्ण अधिकार अधोहस्ताक्षरी में निहित होगा।

सूचित हो।

अधिशासी अधिकारी
नगर पालिका परिषद
बिसौली (बदायूँ)

अध्यक्ष
नगर पालिका परिषद
बिसौली (बदायूँ)

आवश्यक आम सूचना

हम कि नन्दिनी कौशिक उम्र लगभग 58 वर्ष पुत्री श्रीमती मधु शर्मा उर्फ मधु रावत (पत्नी स्व0 श्री शिव प्रकाश कौशिक) (आधार नं0 245015083611) मूल निवासी – मकान नं0 113, बैंक कालोनी, पोस्ट ऑफिस के सामने, बरेली रोड टीकमगढ़ (म0प्र0) 472001 एवं मयंक रावत उम्र लगभग 52 वर्ष पुत्र स्व0 श्री शिव प्रकाश कौशिक (आधार कार्ड नं0 570438896043) निवासी- 304 टावर-11, पुरी प्रथम, सेक्टर-84 खेड़ी कला 113 फरीदाबाद हरियाणा के हैं। हमारी सगी माँ श्रीमती मधु शर्मा उर्फ मधु रावत के पिता की पैतृक भूमि जिला बरेली स्व0 रामप्रकाश शर्मा (खुटका महाराज) एवं श्रीमती लीलावती निवासी- काली रॉकी बदायूं रोड, जिला बरेली के वारिसान स्व0 मुन्नी शर्मा, स्व0 योगेन्द्र शर्मा, श्रीमती मंजू गौड़, स्व0 राजेन्द्र शर्मा, श्रीमती अंजना शर्मा पुत्र ज्ञानेन्द्र शर्मा, पुत्र पंकज शर्मा, पुत्री संध्या शर्मा, पुत्र संजय शर्मा, सभी संयुक्त पारिवारिक सदस्य होने के कारण संयुक्त सम्पत्ति के वारिसान के अनुसार अपने-अपने अंश को नियमित रूप से प्राप्त नहीं किया गया था। हमारी सगी माँ के विवाह के उपरान्त कुछ वारिसानों ने हम लोगों की सगी माँ की अनुमति व सहमति के बिना उपरोक्त सम्बन्धित सम्पत्ति अन्य वारिसानों द्वारा गलत तथ्यों के आधार पर सम्बन्धित भूमि जागृति नगर करगैना बरेली में बदनीयती से बेनामे कराकर विभिन्न लोगों को विक्रय किया गया, उसके उपरान्त क्रय किये गये लोगों द्वारा सम्बन्धित भूमि को प्लाट में अन्य लोगों को विक्रय किया गया जिस पर वह काबिज हैं व अवैध तरीके से निर्माण करा लिया गया है। हमारे द्वारा स्वयं एवं जानकारी करने के उपरान्त 27 विभिन्न लोगों के द्वारा विधिक वारिसान सम्बन्धित सम्पत्ति पिछले वर्षो में भिन्न-भिन्न वर्गमीटर में भवन निर्माण कराये गये हैं जो कि अवैधानिक तरीके से विक्रय किये गये एवं उस पर अवैधानिक तरीके से काबिज हुए। हम दोनों द्वारा यह घोषणा की जाती है कि हमारे नाना श्री रामप्रसाद शर्मा एवं उनकी पत्नी श्रीमती लीलावती से सम्बन्धित वारिसान होने के नाते हम लोगों द्वारा उनकी मृत्यु के उपरान्त एवं अपनी माता मधु रावत उर्फ मधु शर्मा की मृत्यु के उपरान्त नाना द्वारा छोड़ी गयी पैतृक सम्पत्ति में से कोई भी अंश प्राप्त नहीं किया गया है ना ही अब पूर्व में कोई दावा किया गया है और ना ही अपनी माता जी की तरफ से अन्य वारिसान को सम्पत्ति पर दावा छोड़ने हेतु सहमति दी गयी है और वारिसान के द्वारा सम्बन्धित भूमि से कई बार दस्तावेज मांगे गये परन्तु वारिसानों ने दस्तावेज देने से इंकार कर दिया। हम अपने सगे नाना स्व0 रामप्रसाद शर्मा उर्फ खुंटका महाराज के वारिसान होने के नाते सम्पत्ति के हक हेतु सक्षम न्यायालय में आवेदन एवं दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशन हेतु आवश्यक आम सूचना प्रकाशित कराना चाहते हैं। अगर 15 दिवस के अन्दर सम्बन्धित सम्पत्ति के दस्तावेज नहीं दिये गये तो विधिक कार्यवाही की जायेगी।

(नन्दिनी कौशिक) (मयंक रावत)

किशोरी से छेड़छाड़ केस दर्ज

भमोरा,अमृत विचार : भमोरा थाना क्षेत्र के गांव निवासी व्यक्ति ने बताया कि गांव निवासी अरशद उनकी नाबालिग पुत्री को रास्ते में अकेला देख परेशान करता था। आरोप है कि 17 मई दोपहर किशोरी गांव में ही स्थित दूसरे घर जा रही थी इसी दौरान आरोपी ने उसे अकेला देख रोक लिया और जबरन हाथ पकड़कर खाली बने खंडहर मकान में ले गए। वहां उसने किशोरी से छेड़छाड़ की। पुलिस ने केस दर्ज किया है।

न्यूज ब्रीफ

दिल्ली-एनसीआर में वायु प्रदूषण बढ़ा, ग्रैप-1 के प्रतिबंध लागू

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में वायु गुणवत्ता का स्तर खराब श्रेणी में पहुंचने के बाद वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग (सीएक्यूएम) ने मंगलवार को चरणबद्ध प्रतिक्रिया कार्य योजना (ग्रैप) के तहत पहले चरण के उपाय लागू किए। अधिकारियों ने बताया, दिल्ली का एक्यूआई बढ़ता हुआ रुझान दिखा रहा है और यह 208 दर्ज किया गया। आईएमडी के पूर्वानुमान के अनुसार, आने वाले दिनों में भी एक्यूआई खराब श्रेणी में ही रहने की आशंका है। ग्रैप के चरण-1 के तहत होटलों, रेस्तरां और खुले भोजनालयों में तंदूर में कोयले और लकड़ी के ईंधन के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया जाता है। डीजल जनरेटर का उपयोग आपातकालीन स्थितियों में ही करने की अनुमति है।

सीबीएसई: 12वीं की स्कैन उत्तर पुस्तिका के आवेदन तिथि बढ़ी

नई दिल्ली। केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड (सीबीएसई) ने 12वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा की जांची हुई उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी प्राप्ति की अंतिम तारीख वेबसाइट पर तकनीकी समस्या आने के कारण एक दिन बढ़ा दी है। सीबीएसई की ओर से मंगलवार को जारी एक विज्ञप्ति के अनुसार अंतिम तिथि 22 मई से बढ़ाकर 23 मई कर दी गई है। कहा गया है, सीबीएसई की एक वेबसाइट पर आई तकनीकी समस्या और छात्रों को पर्याप्त समय देने के लिए जांची हुईं उत्तर पुस्तिकाओं की स्कैन कॉपी प्राप्त करने की अंतिम तारीख बढ़ा दी गई है। परीक्षा देने वालों को सलाह दी गई है कि वे बढ़ाई गई समय सीमा में आवेदन करें।

धनशोधन मामले में ईडी ने अशोक खरात को गिरफ्तार किया

मुंबई। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने स्वयंभू बाबा अशोक खरात को मंगलवार को अदालत की मंजूरी के बाद 70 करोड़ रुपये के धनशोधन मामले में गिरफ्तार कर लिया। बलात्कार और धोखाधड़ी के आरोपों का सामना कर रहे खरात को नासिक जेल से एक पेशी वारंट पर विशेष पीएमएलए अदालत के समक्ष पेश किया गया, जहां वह न्यायिक हिरासत में है। केंद्रीय जांच एजेंसी ने खरात को गिरफ्तार करने की अनुमति मांगी। ईडी की याचिका को स्वीकार करते हुए, अदालत ने कहा कि जांच एजेंसी बेहिसाब नकदी और रैकेट के लाभार्थियों का पता लगाना चाहती है।

पंजाब: लापता गायिका का शव नहर से हुआ बरामद, दो गिरफ्तार

चंडीगढ़। लुधियाना में 29 वर्षीय एक पंजाबी गायिका का शव लापता होने के छह दिन बाद एक नहर से बरामद किया गया। जमालपुर की रहने वाली इंदर कौर उर्फ यशिंदर कौर 13 मई को अपनी कार से घर से निकली थीं, जिसके बाद लापता हो गई थीं। मृतका के भाई ने सुखविंदर सिंह, उसके पिता प्रीतम सिंह और दोस्त करमजीत सिंह पर गायिका का अपहरण करने का आरोप लगाया था। आरोप था कि मूल रूप से मोगा निवासी सुखविंदर अब कनाडा में रहता है, वह पहले से शादीशुदा होने के बावजूद इंदर पर शादी के लिए दबाव बना रहा था।

इटली और भारत : इंडो-भूमध्यसागरीय क्षेत्र के लिए रणनीतिक साझेदारी

लगातार संवाद से उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर आगे बढ़ी दोनों देशों की साझेदारी, नए स्तर पर पहुंचे द्विपक्षीय संबंध

नई दिल्ली, एजेंसी

ऐसे समय में, जब पूरी दुनिया की व्यवस्था बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है, इटली और भारत की साझेदारी उच्च राजनीतिक और संस्थागत स्तर पर लगातार संवाद से आगे बढ़ रही है। यह संबंध अब एक नए और अधिक व्यापक स्तर पर पहुंच रहा है, जिसमें दोनों देशों की आर्थिक ताकत, सामाजिक रचनात्मकता और हजारों वर्षों पुरानी सभ्यतागत विरासत शामिल है।

यह सहयोग इस साझा समझ को दर्शाता है कि 21वीं सदी में समृद्धि और सुरक्षा इस बात पर निर्भर करेगी कि देश कितनी क्षमता से नवाचार करें, ऊर्जा परिवर्तन का प्रबंधन करें और अपनी रणनीतिक आत्मनिर्भरता को मजबूत करें। इसी उद्देश्य से भारत ने अपने द्विपक्षीय संबंधों को और गहरा तथा विविध बनाने का संकल्प लिया है ताकि नए लक्ष्यों को हासिल किया जा सके और दोनों देशों की पूरक शक्तियों का बेहतर उपयोग हो सके। योजना इटली की डिजाइन क्षमता, बेहतरीन विनिर्माण कौशल और विश्वस्तरीय सुपरकंप्यूटर तकनीक जो उसे एक औद्योगिक महाशक्ति बनाती है, उसको भारत की तेज आर्थिक वृद्धि, इंजीनियरिंग प्रतिभा, बड़े पैमाने की क्षमता, नवाचार और 100 से अधिक यूनिकॉर्न तथा 2 लाख स्टार्ट-अप वाले उद्यमी इकोसिस्टम के साथ जोड़कर एक शक्तिशाली तालमेल बनाने की है।

यूरोपीय संघ और भारत के बीच मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) दोनों दिशाओं में व्यापार और निवेश बढ़ाने का रास्ता खोलता है। लक्ष्य 2029 तक भारत और इटली के बीच व्यापार को 20 अरब यूरो से आगे ले जाना है। इसमें रक्षा एवं एयरोस्पेस, स्वच्छ प्रौद्योगिकी, मशीनरी, ऑटोमोबाइल पुर्जे, रसायन, दवाइयां, वस्त्र, कृषि-खाद्य क्षेत्र और पर्यटन समेत कई क्षेत्रों पर विशेष ध्यान रहेगा। मेड इन इटली हमेशा से दुनिया भर में उत्कृष्टता का प्रतीक रहा है और अब इसका स्वाभाविक तालमेल मेक इन इंडिया पहल के उच्च गुणवत्ता वाले लक्ष्यों के साथ दिखाई दे रहा है। भारत के लिए उत्पादन में इतालवी कंपनियों की बढ़ती रुचि और इटली में भारतीय उद्योगों की बढ़ती मौजूदगी जो अब दोनों पक्षों से मिलाकर 1000 से अधिक हो चुकी है, एक सकारात्मक संकेत है। यह भारत की सप्लाई चेन के एकीकरण को और मजबूत करेगी।

तकनीकी नवाचार दोनों देशों की साझेदारी का आधार

तकनीकी नवाचार दोनों देशों की साझेदारी का सबसे महत्वपूर्ण आधार है। आने वाले दशकों में दुनिया एक बड़े तकनीकी बदलाव के दौर से गुजरेगी, जिसमें एआई क्वांटम कंप्यूटिंग, उन्नत विनिर्माण, महत्वपूर्ण खनिज और डिजिटल बुनियादी ढांचे जैसे क्षेत्रों में तेज प्रगति होगी। भारत का तेजी से बढ़ता नवाचार तंत्र और कुशल पेशेवरों की बड़ी संख्या तथा इटली की उन्नत औद्योगिक क्षमता के क्षेत्रों में दोनों देशों के सहयोग को स्वाभाविक और रणनीतिक बनाती है।

राजौरी और जम्मू में मोर्टार के दो गोले और हथगोला बरामद

राजौरी/जम्मू। जम्मू-कश्मीर के राजौरी और जम्मू जिलों में मंगलवार को तीन अलग-अलग स्थानों पर दो मोर्टार के गोले और एक हथगोला बरामद किया गया।

इन्हें बाद में सुरक्षित रूप से निष्क्रिय कर दिया गया। अधिकारियों के अनुसार, राजौरी के कोटरंका में स्थित कंडी इलाके में ग्रामीणों ने एक मोर्टार का गोला देखा, जिसके बाद पुलिस को सूचित किया गया। सूचना मिलते ही पुलिस दल मौके पर पहुंचा और इलाके की घेराबंदी कर दी। तकनीकी जांच के लिए बम निरोधक दस्ते को बुलाया गया।

एक पक्ष के लिए गैरकानूनी पैरवी करने वाले यूपी के अफसरों की जांच करें मुख्य सचिव

शिक्षा विभाग के अफसरों की ओर से अनाधिकारिक पैरवी किए जाने पर सुप्रीम कोर्ट नाराज

नई दिल्ली, एजेंसी

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि किसी मामले में बहस करते समय और अदालत के समक्ष जवाबी हलफनामा दाखिल करते समय सरकार और उसके अधिकारियों का कर्तव्य वास्तविक सहायता प्रदान करना है। उनसे कानून के खिलाफ किसी एक पक्ष का समर्थन करने की उम्मीद नहीं की जा सकती। न्यायमूर्ति जेके माहेश्वरी और न्यायमूर्ति एएस चंदुरकर की पीठ ने उत्तर प्रदेश के एक मामले में करते हुए मुख्य सचिव को निर्देश दिया कि ऐसे अधिकारियों के आचरण की जांच की जाए।

पीठ ने उत्तर प्रदेश सरकार के कुछ अधिकारियों के आचरण का उल्लेख करते हुए कहा कि उन्होंने एक मामले में अपीलकर्ता के पक्ष का कानून के खिलाफ जाकर जोरदार समर्थन किया। पीठ ने कहा, इतना कहना काफी है कि उत्तर प्रदेश के मुख्य सचिव उन अधिकारियों के आचरण की जांच करें, जिन्होंने हाईकोर्ट और इस अदालत के सामने ऐसा गैरकानूनी पक्ष रखते हुए हलफनामा दाखिल किया था। यह कानून के तहत पूरी तरह गलत है और हाईकोर्ट के फैसले के भी खिलाफ है। कोर्ट ने कहा, यह ध्यान रखना आवश्यक है कि सरकार और उसके अधिकारी अपने कर्तव्य के अनुरूप जवाबी हलफनामा दाखिल करते समय और मामले की पैरवी करते समय वास्तविक सहायता प्रदान करें। ऐसी सहायता तथ्यों पर आधारित होनी चाहिए।

पीठ ने कहा कि चूंकि संबंधित अधिकारी इस मामले में पक्षकार नहीं हैं, इसलिए वह कोई प्रतिकूल निर्देश जारी करने को इच्छुक नहीं है। हालांकि, शीर्ष अदालत ने उत्तर प्रदेश सरकार को छूट दी कि वह अदालत की टिप्पणियों पर विचार करे और यदि आवश्यक हो तो कानून के अनुसार उचित कार्रवाई करे।

शिक्षा निदेशक ने की थी गैरकानूनी पैरवी

सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने एक कॉलेज के प्राचार्य की नियुक्ति से संबंधित मामले में इलाहाबाद हाईकोर्ट के पिछले वर्ष मई के आदेश को चुनौती देने वाली अपील पर अपना फैसला सुनाया। पीठ ने कहा कि यह स्पष्ट है कि 21 अगस्त 2023 को उत्तर प्रदेश शिक्षा सेवा चयन आयोग अधिनियम, 2023 लागू होने के बाद अधिकारियों के लिए उत्तर प्रदेश उच्च शिक्षा सेवा आयोग अधिनियम 1980 के तहत तैयार की गई सूची के आधार पर कार्य करना उचित नहीं था, क्योंकि उस अधिनियम को निरस्त कर दिया गया था। इसके बावजूद निदेशक ने पुरानी सूची को फिर से लागू किया और 13 दिसंबर 2023 को अपीलकर्ता के पक्ष में पत्र भी लिखा जिसका कोई कारण नहीं था।

नोएडा श्रमिक प्रदर्शन: जेल में ही रहेंगे दो आरोपी

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने नोएडा में पिछले महीने औद्योगिक श्रमिकों के विरोध प्रदर्शन के दौरान हिंसा भड़काने के आरोप में गिरफ्तार किए गए दो आरोपियों को मंगलवार को फिलहाल न्यायिक हिरासत में रखने का निर्देश देते हुए कहा कि कानून अपना काम करेगा। आरोपी आदित्य आनंद और रूपेश रॉय को शीर्ष अदालत के 15 मई के आदेश का पालन करते हुए न्यायमूर्ति बीवी नागरत्ना और न्यायमूर्ति उज्ज्वल भुइयां की पीठ के समक्ष व्यक्तिगत तौर पर पेश किया गया। पीठ ने दोनों आरोपियों से बातचीत की। पीठ ने कहा कि इस याचिका का लंबित होना कानून के अनुसार राहत मांगने के रास्ते में आड़े नहीं आएगा।

भारतीयों का चोरी हुआ निजी डेटा वापस पाने की कोशिश करे केंद्र

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को निर्देश दिया कि वह भारतीयों के चोरी किए गए और विदेशी सर्वरों पर स्टोर निजी डेटा को वापस पाने या नष्ट करने के अनुरोध करने वाली जनहित याचिका पर अभ्यावेदन के रूप में विचार करे। याचिका में कहा गया था कि पांच दूसरे देशों की संस्थाओं ने हजारों भारतीयों का संवेदनशील डेटा चोरी किया है जिसका हथियार के रूप में भारतीयों के खिलाफ इस्तेमाल किया जा रहा है।

सीजेआई सूर्यकांत, न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची और न्यायमूर्ति विपुल एम पंचोली की पीठ साइबर सुरक्षा सलाहकार नीतीश कुमार की ओर से दायर एक जनहित याचिका पर सुनवाई कर रही थी। सीजेआई ने इस आधार पर जनहित याचिका पर विचार करने से इन्कार कर दिया कि यह सूचना प्रौद्योगिकी से संबंधित है और इसका कानूनी पहलुओं से शायद ही कोई लेना-देना है। पीठ ने याचिकाकर्ता को अपनी शिकायतों के साथ सरकार से संपर्क करने के लिए कहा। याचिका में अदालत से डिजिटल व्यक्तिगत डेटा संरक्षण (डीपीडीपी) अधिनियम, 2023 को लागू करने और डेटा उल्लंघनों से जुड़े डिजिटल अरेस्ट और जबरन वसूली में वृद्धि को कम करने के लिए हस्तक्षेप करने का अनुरोध किया गया है।

- केंद्रीय इलेक्ट्रॉनिक्स और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय को निर्देश

याचिका में उठाई गई चिंताओं की गंभीरता को स्वीकार करते हुए पीठ ने टिप्पणी की कि ये मुद्दे अत्यधिक तकनीकी हैं और इसमें इस स्तर पर न्यायिक हस्तक्षेप के बजाय प्रशासनिक और तकनीकी विशेषज्ञता की आवश्यकता है। पीठ ने कहा, इस निवेदन को पूरक अभ्यावेदन के रूप में इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के समक्ष प्रस्तुत किया जाए। वे इस पर विचार करेंगे।

गाइडेड मिसाइल वी 3 का हवा से जमीन और हवा से हवा मोड में सफल परीक्षण

नई दिल्ली। रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन (डीआरडीओ) ने आंध्र प्रदेश के कुरनूल स्थित डीआरडीओ परीक्षण क्षेत्र में मानव रहित हवाई यान से प्रक्षेपित सटीक निर्देशित मिसाइल (यूएलपीजीएम) वी3 के अंतिम विन्यास विकास परीक्षणों को हवा से जमीन तथा हवा से हवा दोनों मोड में सफलतापूर्वक पूरा किया है।

रक्षा मंत्रालय ने बताया कि इन परीक्षणों को एकीकृत ग्राउंड कंट्रोल सिस्टम (जीसीएस) के माध्यम से संचालित किया गया, जिसका उपयोग यूएलपीजीएम हथियार प्रणाली की कमान और नियंत्रण के लिए किया गया। जीसीएस में अत्याधुनिक प्रौद्योगिकी शामिल हैं, जो तैयारी और प्रक्षेपण संचालन को स्वचालित बनाती हैं। डीआरडीओ ने मिसाइलों के विकास और उत्पादन के लिए दो उत्पादन एजेंसियों भारत डायनेमिक्स लिमिटेड, हैदराबाद तथा अडानी डिफेन्स सिस्टम्स एंड टेक्नोलॉजीज़ लिमिटेड, हैदराबाद के साथ साझेदारी की है। परीक्षणों के लिए इस प्रणाली को बेंगलुरु स्थित न्यूस्पेस रिसर्च एंड टेक्नोलॉजीज़ द्वारा विकसित मानव रहित हवाई वाहनों पर एकीकृत किया गया है।

पूरी तरह भारतीय रक्षा तंत्र के जरिए किया गया है निर्माण

यूएलपीजीएम मिसाइल का विकास हैदराबाद स्थित रिसर्च सेंटर द्वारा प्रमुख प्रयोगशाला के रूप में किया गया है। इसके साथ डीआरडीओ की अन्य प्रयोगशालाएं डीआरडीएल, टीबीआरएल, चंडीगढ़ तथा एचईएमआरएल, पुणे भी इसमें शामिल रहीं। मिसाइल का निर्माण पूरी तरह भारतीय रक्षा पारिस्थितिकी तंत्र के माध्यम से किया गया है, जिसमें बड़ी संख्या में सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यमों तथा अन्य उद्योगों की भागीदारी रही।

कर्नाटक: स्कूलों-कॉलेजों में हिजाब की अनुमति देने पर विहिप ने जताया विरोध

मंगलुरु। विहिप ने कर्नाटक सरकार के स्कूलों और कॉलेजों में हिजाब की अनुमति देने के फैसले का मंगलवार को विरोध किया। विहिप के क्षेत्रीय सचिव शरण पंपवेल ने युवाओं से इस कदम के खिलाफ प्रदर्शन करने का आह्वान किया

आरोप लगाया कि यह तुष्टीकरण की राजनीति और धार्मिक चरमपंथ को बढ़ावा देने वाला कदम है। पंपवेल ने आरोप लगाया कि राज्य सरकार ने हिजाब की अनुमति देकर शैक्षणिक परिसरों की गरिमा घटाने का प्रयास किया है। उन्होंने कहा कि शैक्षणिक संस्थानों को अनुशासन और एकरूपता बनाए रखनी चाहिए। सरकार के इस फैसले से छात्रों और युवाओं में नाराजगी पैदा हुई है। कुछ छात्र अब इस नीति के विरोध में भगवा गमछा लेकर कॉलेजों में जाने की योजना बना रहे हैं।

कर्नाटक नेतृत्व विवाद : खरगे ने सिद्धरमैया और शिवकुमार के साथ बैठक की, नई अटकलें शुरू

बेंगलुरु, एजेंसी

अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी (एआईसीसी) प्रमुख मल्लिकार्जुन खरगे ने कर्नाटक में नेतृत्व के मुद्दे को लेकर नयी अटकलों के बीच राज्य के मुख्यमंत्री सिद्धरमैया और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के साथ चर्चा की।

पार्टी सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी। सूत्रों के अनुसार, खरगे, सिद्धरमैया, शिवकुमार और वरिष्ठ नेताओं ने सोमवार को तिरुवनंतपुरम से बेंगलुरु तक एक साथ यात्रा की, जिसके बाद राज्य के ऊर्जा मंत्री केजे जॉर्ज के आवास पर चर्चा की गई। सिद्धरमैया और शिवकुमार के बीच सत्ता संघर्ष की खबरें बार-बार सामने आती रही हैं। पिछले साल नवंबर में कांग्रेस सरकार के पांच साल के कार्यकाल के ढाई साल पूरे होने के बाद सत्ता-साझाकरण का मुद्दा और भी गरमा गया है। काफी समय से शिवकुमार के समर्थक सत्ता परिवर्तन की मांग कर रहे हैं और यह मुद्दा बार-बार नेतृत्व तक पहुंचता रहा है।

भोजशाला में जुमे के दिन महाआरती की तैयारी

बड़ी संख्या में मंदिर पहुंचे श्रद्धालु, सरस्वती वंदना और हनुमान चालीसा का पाठ किया

धार, एजेंसी

मध्यप्रदेश हाईकोर्ट द्वारा धार जिले में स्थित भोजशाला को देवी सरस्वती का मंदिर करार दिए जाने और फिर भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की ओर से हिंदू समुदाय को धार्मिक गतिविधियों के लिए उसमें निर्बाध प्रवेश की अनुमति दिए जाने के बाद पहले मंगलवार को बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने यहां पूजा-अर्चना की। इस दौरान श्रद्धालुओं ने सरस्वती वंदना की, हनुमान चालीसा का पाठ किया, मिठाइयां बांटी, पटाखे छोड़े, शंख बजाए और हवन कीर्तन भी किया।

जिले के प्रमुख हिंदू संगठन और पिछले कई दशकों से भोजशाला को पूर्ण रूप से हिंदुओं को सौंपने एवं वहां नियमित पूजा-अर्चना के अधिकार के लिए संघर्षरत रही भोज उत्सव समिति ने आगामी शुक्रवार को जुमे के नमाज के दिन मंदिर में महाआरती के आयोजन की घोषणा की और कहा कि हिन्दू समाज उत्साह एवं भक्ति के साथ भोजशाला में वाग्देवी की पूजा-अर्चना करेगा। मध्यप्रदेश हाईकोर्ट ने शुक्रवार को भोजशाला को देवी सरस्वती का मंदिर करार दिया था, जिसके अगले ही दिन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) ने शनिवार को हिंदू समुदाय को पूजा-अर्चना और अन्य गतिविधियों के लिए स्मारक में निर्बाध प्रवेश की अनुमति दे दी।

हाईकोर्ट की इंदौर पीठ ने शुक्रवार को अपने फैसले में एएसआई के सात अप्रैल 2003 के उस आदेश को भी निरस्त कर दिया था, जिसके तहत हिंदुओं को केवल मंगलवार को पूजा की अनुमति दी गई थी तथा मुस्लिम समुदाय को शुक्रवार को नमाज अदा करने की इजाजत दी गई थी। अधिवक्ता मनीष गुप्ता ने बताया कि 70 वर्षों से धार की धर्मपरायण जनता हर मंगलवार को भोजशाला में सत्याग्रह कर रही है, जिसका परिणाम है कि न्यायालय ने इस परिसर को मंदिर घोषित किया है। सत्याग्रह अभी समाप्त नहीं हुआ है क्योंकि कुछ मांगे अब भी लंबित हैं।

तमाम श्रद्धालुओं ने मंगलवार को भोजशाला में मां वाग्देवी का पूजन-अर्चन किया।

मां वाग्देवी की प्रतिमा लंदन से लाकर स्थापित करने तक यहां जारी रहेगा महासत्याग्रह

ग्यारहवीं शताब्दी के इस स्मारक की धार्मिक प्रकृति को लेकर विवाद उस समय उत्पन्न हुआ था जब मुस्लिम पक्ष ने इसे कमाल मौला मस्जिद बताया जबकि हिंदू पक्षकारों का कहना था कि यहां परमार वंश के राजा भोज द्वारा निर्मित मंदिर था और उसे अलाउद्दीन खिलजी के आक्रमण के दौरान ध्वस्त कर दिया गया। मुस्लिम पक्ष ने हाईकोर्ट के फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती देने की घोषणा की है। हाईकोर्ट के फैसले के बाद मंगलवार को बड़ी संख्या में मंदिर परिसर पहुंचे श्रद्धालुओं की मौजूदगी से उत्साहित भोजशाला मुक्ति यज्ञ के संयोजक गोपाल शर्मा ने कहा कि अदालत के फैसले के बाद पहले मंगलवार को मंदिर परिसर में महासत्याग्रह का आयोजन किया गया, जिसके माध्यम से इस सत्याग्रह के लिए शहीद हुए सभी लोगों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई। यह महासत्याग्रह तब तक जारी रहेगा जब तक लंदन से मां वाग्देवी की प्रतिमा यहां ला कर भोजशाला में विराजमान नहीं कर दी जाती।

अवमानना मामले में केजरीवाल और सिसोदिया से मांगा जवाब

नई दिल्ली, एजेंसी

दिल्ली हाईकोर्ट ने आम आदमी पार्टी के नेता अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, संजय सिंह, सौरभ भारद्वाज आदि से न्यायमूर्ति स्वर्णकांता शर्मा के खिलाफ सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने के आरोप में शुरू किए गए आपराधिक अवमानना मामले में उनका जवाब मांगा और इसे दाखिल करने के लिए चार सप्ताह का समय देते हुए नोटिस जारी किया।

न्यायमूर्ति शर्मा ने स्वतः संज्ञान लेते हुए आप नेताओं के विरुद्ध अवमानना की कार्यवाही शुरू की थी जिस पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति रवींद्र डुडेजा की पीठ ने नोटिस जारी किया और अगली सुनवाई के लिए चार अगस्त की तारीख निर्धारित की। न्यायमूर्ति शर्मा ने आबकारी नीति से संबंधित मामले में उनके विरुद्ध सोशल मीडिया पर अपमानजनक पोस्ट करने के आरोप में केजरीवाल, सिसोदिया और आप के अन्य नेताओं के विरुद्ध 14 मई को आपराधिक अवमानना कार्यवाही शुरू की थी। न्यायमूर्ति शर्मा ने कहा था कि दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री ने कानूनी उपायों का सहारा लेने के बजाय उन्हें बदनाम करने की नीयत से सोशल मीडिया पर उनके खिलाफ एक सुनियोजित अभियान चलाया। न्यायाधीश की आपत्ति उन सोशल मीडिया पोस्ट पर थी जिनमें उन पर राजनीतिक निष्ठा रखने का आरोप लगाया गया था।

- दिल्ली हाईकोर्ट ने जवाब दाखिल करने को दिया चार सप्ताह का समय

सीबीआई आप नेताओं को पीठ बदलने की सूचना दे

नई दिल्ली। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को आबकारी नीति मामले में सभी आरोपियों को आरोप मुक्त करने के अधीनस्थल अदालत के आदेश के खिलाफ सीबीआई की याचिका पर सुनवाई के लिए उसे दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल, उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया और पूर्व विधायक दुर्गेश पाठक को पीठ बदलने के बारे में सूचित करने को कहा। सीबीआई की ओर से पेश हुए सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि निचली अदालत का आरोप मुक्त करने का आदेश किसी भी अदालत की जांच में खरा नहीं उतर सकता। उन्होंने कहा कि इस मामले की सुनवाई में देरी नहीं होनी चाहिए क्योंकि यह देश की राजधानी में हुए एक घोटाले से जुड़ा है। प्रतिवादियों का कोई वकील उपस्थित न होने के कारण न्यायमूर्ति जैन ने सुनवाई 25 मई तक के लिए स्थगित करते हुए कहा, आदर्श स्थिति यह है कि सभी लोग यहां उपस्थित हों और सभी की बात सुनी जाए।

दिल्ली दंगे: उमर खालिद की जमानत याचिका खारिज

नई दिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने 2020 में उत्तर-पूर्वी दिल्ली में हुए दंगों के आरोपी और जेएनयू के पूर्व छात्र उमर खालिद की जमानत याचिका मंगलवार को यह कहते हुए खारिज कर दी राहत मांगने का आधार उचित नहीं है।

खालिद ने अपने चाचा के चेहल्लुम (मृत्यु के बाद 40वें दिन की रस्म) में शामिल होने और मां की देखभाल के लिए 15 दिन की अंतरिम जमानत का अनुरोध किया था। खालिद की मां की सर्जरी होनी है। अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश समीर वाजपेयी ने आदेश में कहा, चाचा के चेहल्लुम में शामिल होना आवश्यक नहीं है। अगर रस्म किसी करीबी संबंधी की होती तो स्थिति अलग होती। कहा, अगर रिश्ता इतना करीबी होता तो खालिद चाचा की मृत्यु के तुरंत बाद राहत का अनुरोध कर सकता था।

नक्सल विरोधी अभियान

केंद्रीय गृहमंत्री ने बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता की

बस्तर को नक्सलमुक्त करने के बाद अब विकास पर ध्यान : शाह

जगदलपुर/रायपुर, एजेंसी

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने मंगलवार को यहां कहा कि देश के नक्सल मुक्त होने का ऐतिहासिक लक्ष्य प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व, सुरक्षा बलों की बहादुरी और केंद्र तथा राज्य सरकारों के समन्वित प्रयासों से संभव हो पाया है। शाह ने छत्तीसगढ़ के बस्तर में आयोजित मध्य क्षेत्रीय परिषद की 26वीं बैठक की अध्यक्षता करते हुए यह बात कही है।

बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी तथा सदस्य राज्यों और केंद्र सरकार के वरिष्ठ अधिकारी मौजूद थे। उन्होंने कहा कि यह हर्ष का विषय है कि मध्य क्षेत्रीय परिषद की बैठक बस्तर में आयोजित हो रही है और बैठक से पूर्व ही पूरा बस्तर नक्सल मुक्त हो चुका है। उन्होंने कहा कि नक्सलवाद के खिलाफ अभियान में राज्यों की पुलिस, केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों और खुफिया एजेंसियों ने सटीक समन्वय के साथ कार्य किया। उन्होंने कहा कि सभी सरकारी विभाग के तहत केंद्र और राज्य सरकारों ने नक्सल मुक्त क्षेत्रों में विकास पहुंचाने का कार्य किया है लेकिन संघर्ष अभी समाप्त नहीं हुआ है। उन्होंने कहा कि पांच दशकों तक विकास से वंचित रहे क्षेत्रों को देश के अन्य हिस्सों के समकक्ष लाना अब सरकार की प्राथमिकता है।

बैठक के दौरान अमित शाह को सम्मानित करते छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय।

मध्य क्षेत्र के राज्यों और केंद्र के बीच विवादित मुद्दे निपटे

गृह मंत्री ने कहा कि मध्य क्षेत्र के राज्यों और केंद्र के बीच अधिकांश विवादित मुद्दों का समाधान हो चुका है और आज यह पूरा क्षेत्र न केवल नक्सल मुक्त बल्कि विवाद मुक्त भी हो चुका है। उन्होंने इसे संघीय ढांचे की बड़ी उपलब्धि बताया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में क्षेत्रीय परिषद की बैठकों को निर्णायक, निरंतर और परिणामदायी बनाया गया है। उन्होंने बताया कि वर्ष 2004 से 2014 के बीच जहां क्षेत्रीय परिषद की केवल 11 बैठकें हुई थीं, वहीं 2014 से 2026 के बीच इनकी संख्या बढ़कर 32 हो गई है।

अमृत विचार

बुधवार, 20 मई 2026

खुद को कमजोर समझना सबसे बड़ा पाप है।

–स्वामी विवेकानंद, आध्यात्मिक गुरु

पंचायत और प्रश्न

उत्तर प्रदेश की कैबिनेट बैठक में पंचायत चुनावों के लिए पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन और उसे शुरुआती तौर पर छह माह का कार्यकाल देने के बाद यह साफ हो गया है कि राज्य में जो पंचायत चुनाव अप्रैल 2026 से पहले हो जाने चाहिए थे, वे अब मार्च 2027 में होने वाले विधानसभा चुनावों के बाद ही होंगे। उत्तर प्रदेश में पंचायत चुनावों में हो रही देरी गंभीर प्रश्न खड़ा करता है। आयोग गठन से लेकर रैपिड सर्वे, आंकड़ा संकलन, पंचायतवार विश्लेषण, रिपोर्ट तैयार करने, आरक्षण निर्धारण और फिर चुनाव अधिसूचना जारी होने तक की प्रक्रिया अत्यंत लंबी है। यदि आयोग की रिपोर्ट वर्ष के अंत तक आती है, तो उसके बाद प्रशासनिक और कानूनी औपचारिकताओं में कई महीने और लग जाएंगे।

सरकार का तर्क है कि सर्वोच्च न्यायालय द्वारा निर्धारित 'ट्रिपल टेस्ट' के अनुरूप वैज्ञानिक आधार पर आरक्षण तय करना आवश्यक है, अन्यथा चुनाव कानूनी चुनौती में फंस सकते हैं। यह तर्क संवैधानिक रूप से उचित प्रतीत होता है, इसलिए इसको इस राजनीतिक संदर्भ में देखना कि पंचायत चुनाव औपचारिक रूप से भले ही गैर-दलीय हों, लेकिन व्यवहार में वे हर दल की संगठनात्मक शक्ति और सामाजिक पकड़ की परीक्षा होते हैं। इन चुनावों में स्थानीय गुटबाजी, जातीय ध्रुवीकरण, परिवारवाद और दलों के भीतर बगावत खुलकर सामने आती है। कई बार सत्ता पक्ष को भी स्थानीय स्तर पर अप्रत्याशित विरोध झेलना पड़ता है। विधानसभा चुनाव से ठीक पहले ऐसा जोखिम कोई भी दल नहीं लेना चाहता, इसलिए सरकार पंचायत चुनावों को विधानसभा चुनाव के बाद तक टालना राजनीतिक रूप से अधिक सुविधाजनक मान रही है, उचित नहीं। राजनीतिक लाभ-हानि से इतर यह मुद्दा इसलिए महत्वपूर्ण है कि यदि पिछड़ा वर्ग आयोग पंचायतों में ओबीसी की वास्तविक सामाजिक स्थिति का समकालीन और अनुभवजन्य अध्ययन करता है, तो यह भविष्य की आरक्षण व्यवस्था को अधिक वैज्ञानिक और संवैधानिक आधार दे सकता है। पंचायतवार जनसंख्या, सामाजिक प्रतिनिधित्व और राजनीतिक भागीदारी का सूक्ष्म अध्ययन ग्रामीण सत्ता संरचना को अधिक संतुलित बना सकता है। यदि सर्वेक्षण में कई क्षेत्रों में पिछड़े वर्गों की आबादी अपेक्षा से अधिक पाई जाती है, तो पंचायतों में उनकी सीटें, राजनीतिक हिस्सेदारी और सियासी हैसियत बढ़ सकती है। पंचायत राजनीति में 'सरपंच पति', स्थानीय दबंगई और आर्थिक वर्चस्व जैसी विकृतियां पहले से मौजूद हैं। यदि आयोग इन प्रश्नों को भी संबोधित करता है, तभी यह प्रक्रिया वास्तविक सामाजिक न्याय की दिशा में सार्थक मानी जाएगी। ऐसे में कुल मिलाकर यह मुद्दा केवल प्रशासनिक नहीं, बल्कि गहरे राजनीतिक, सामाजिक महत्व का बन गया है। पंचायत चुनाव केवल स्थानीय प्रतिनिधियों के चयन की सामान्य चुनावी प्रक्रिया नहीं, बल्कि सामाजिक शक्ति-संतुलन, जातीय प्रतिनिधित्व, ग्रामीण नेतृत्व और लोकतांत्रिक भागीदारी की सबसे व्यापक प्रयोगशाला है।

पंचायत चुनावों की देरी लोकतांत्रिक दृष्टि से स्वस्थ संकेत नहीं है। चूंकि स्थानीय निकाय लोकतंत्र की नींव हैं; उन्हें लंबी प्रशासनिक प्रक्रिया और राजनीतिक गणनाओं के कारण अनिश्चितकाल तक टालना उचित नहीं कहा जा सकता।

प्रसंगवश

बदलते बाजार में छोटे दुकानदारों का संकट

भारत की आर्थिक संरचना को यदि जमीनी स्तर पर समझना हो, तो इसके लिए किसी बड़े औद्योगिक घराने या शेयर बाजार के आंकड़ों को देखने की आवश्यकता नहीं, बल्कि देश के गांवों, कस्बों और शहरों की गलियों में मौजूद छोटी किराना दुकानों को देखना पर्याप्त है। दशकों से ये दुकानें भारतीय समाज और अर्थव्यवस्था का अभिन्न हिस्सा रही हैं। सुबह की चाय से लेकर महीने भर के राशन तक, हर जरूरत के लिए आम नागरिक का पहला भरोसा स्थानीय किराना दुकानदार ही रहा है। यह केवल व्यापार नहीं, बल्कि विश्वास, सुविधा और सामाजिक संबंधों का ऐसा तंत्र है, जिसने भारतीय खुदरा बाजार को मजबूत आधार दिया है।

अब यह पारंपरिक व्यवस्था एक बड़े बदलाव के दौर से गुजर रही है। डिजिटल तकनीक, ई-कॉमर्स और तेजी से उभरते क्विक-कॉमर्स मॉडल ने रिटेल बाजार की तस्वीर बदलनी शुरू कर दी है। आज उपभोक्ता के हाथ में स्मार्टफोन है, इंटरनेट की पहुंच तेजी से बढ़ रही है और कुछ ही मिनटों में घर तक सामान पहुंचाने का वादा करने वाली कंपनियां ग्राहकों की खरीदारी की आदतों को बदल रही हैं। महानगरों में शुरू हुई यह प्रतिस्पर्धा अब छोटे शहरों और कस्बों तक पहुंचने लगी है।

संजीव मेहरोत्रा

रिटायर्ड बैंककर्मी

Amazon, Flipkart और अन्य क्विक-कॉमर्स प्लेटफॉर्म अब टियर-2 और टियर-3 शहरों की ओर तेजी से विस्तार कर रहे हैं। इसके पीछे कई आर्थिक कारण हैं— छोटे शहरों में अपेक्षाकृत कम किराया, सस्ती श्रम लागत, तेजी से बढ़ता डिजिटल भुगतान और इंटरनेट उपयोग। इन कंपनियों की रणनीति का केंद्र 'डार्क स्टोर' मॉडल है, जहां छोटे-छोटे वेयरहाउस बनाकर उपभोक्ताओं तक 10 से 20 मिनट में सामान पहुंचाने की व्यवस्था की जाती है। यह मॉडल सुविधा और गति के कारण तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

भारत में आज भी करीब 1.3 करोड़ से अधिक किराना दुकानें मौजूद हैं, जो देश के खुदरा बाजार की रीढ़ मानी जाती हैं। करोड़ों परिवार प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से इस व्यापार से जुड़े हुए हैं। ऐसे में जब बड़े डिजिटल प्लेटफॉर्म तेजी से बाजार में अपनी हिस्सेदारी बढ़ा रहे हैं, तो स्वाभाविक रूप से छोटे व्यापारियों के सामने प्रतिस्पर्धा का दबाव बढ़ रहा है। बाजार विशेषज्ञ मानते हैं कि आने वाले वर्षों में पारंपरिक किराना दुकानों की हिस्सेदारी में धीरे-धीरे कमी आ सकती है, विशेषकर उन क्षेत्रों में जहां डिजिटल उपभोक्तावाद तेजी से बढ़ रहा है।

यह मान लेना भी गलत होगा कि किराना दुकानों का अस्तित्व पूरी तरह समाप्त हो जाएगा। भारत का सामाजिक और आर्थिक ढांचा अभी भी स्थानीय संबंधों और व्यक्तिगत भरोसे पर आधारित है। किराना दुकानदार अपने ग्राहकों की पसंद जानते हैं, जरूरत पड़ने पर उधार देते हैं, घर तक सामान पहुंचाते हैं और कई बार संकट की घड़ी में सामाजिक सहयोगी की भूमिका भी निभाते हैं। यह मानवीय संबंध किसी मोबाइल ऐप या एल्गोरिद्म से आसानी से प्रतिस्थापित नहीं किए जा सकते। यही छोटे व्यापार की सबसे बड़ी ताकत है।

फिर भी बदलते समय के साथ बदलाव स्वीकार करना अब अनिवार्य हो गया है। यदि छोटे व्यापारी केवल पारंपरिक तरीके पर निर्भर रहेंगे, तो प्रतिस्पर्धा कठिन होती जाएगी। डिजिटल भुगतान, ऑनलाइन ऑर्डर, व्हाट्सऐप बुकिंग, लोकल होम डिलीवरी और स्टॉक प्रबंधन जैसी तकनीकों को अपनाकर वे अपनी प्रतिस्पर्धात्मक क्षमता बढ़ा सकते हैं (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

रूस से बढ़ती पाक की नजदीकी और भारत

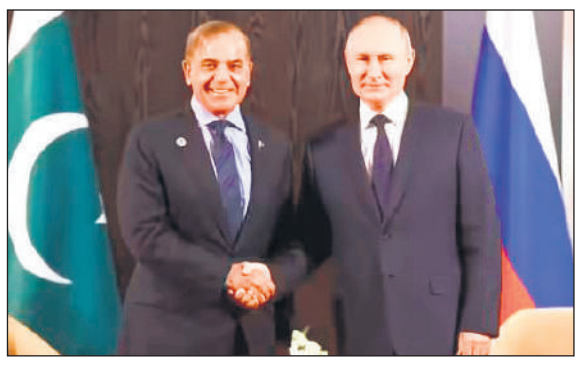

दिग्विजय सिंह

कानपुर

भारत के स्वाभाविक मित्र रूस से पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने ब्रिक्स का भी पूर्ण सदस्य बनने के लिए लाबिंग शुरू की है। तुर्किए भी चाहता है कि उसे सदस्य बनाया जाए। पाकिस्तान को चीन का समर्थन है। 2024 में रूस भी समर्थन कर चुका है। पुनः रूस समर्थन न कर देगा, इसके लिए भारत की निगाह रूस पर है। देखना है कि रूस, भारत की भावनाओं की कद्र करता है या पाकिस्तान का समर्थन, हालांकि ब्रिक्स समूह में पाकिस्तान तभी शामिल हो सकेगा, जब भारत मंजूरी देगा। ऐसे में फिलहाल पाकिस्तान हो या तुर्किए, इनका सपना तो नहीं पूरा होने जा रहा है। पाकिस्तान इस मामले में भारत के समक्ष बातचीत का प्रस्ताव रखने जा रहा है, ताकि उसकी यह मुराद पूरी हो जाए, जबकि तुर्किए ने चुप्पी साध रखी है। वह समय का इंतजार कर रहा है।

दुनिया की सबसे प्रमुख उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं का प्रमुख समूह ब्रिक्स वैश्विक जीडीपी में लगभग 37 फीसद का योगदान देता है और 40 फीसद से अधिक आबादी का प्रतिनिधित्व करता है। ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका ने ब्रिक्स का गठन किया था। अब इसमें मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात और इंडोनेशिया पूर्ण सदस्य के रूप में शामिल हैं, जबकि बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कजाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा और उज्बेकिस्तान भागीदार देश के रूप में शामिल हैं। पाकिस्तान चाहता है कि इस समूह का वह भी पूर्ण सदस्य बन जाए। चीन उसकी सदस्यता का वर्षों से समर्थन कर रहा है।

इस वक्त ब्रिक्स की अध्यक्षता भारत के पास है। पाकिस्तान ने पूर्ण सदस्य बनने के लिए स्थायी सदस्य देशों के बीच लॉबिंग शुरू की है। इसमें उसे कुछ हद तक सफलता मिलती नजर आ रही है, लेकिन उसकी राह में सबसे बड़ी बाधा भारत है, क्योंकि बिना सर्वसहमति के किसी भी देश को सदस्य नहीं बनाया जा सकता है। ऐसे में पाकिस्तान इस मुद्दे पर भारत से बात करने के लिए आतुर दिख रहा है। इसके संकेत पाकिस्तानी राजदूत फैसल नियाज तिरमिजी ने दिए हैं। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर पाकिस्तान, भारत के साथ बातचीत करने को तैयार है।

पाकिस्तान को लगता है कि ब्रिक्स के 18वें शिखर सम्मेलन में उसे सदस्यता मिल सकती है, इसीलिए वह भारत को मनाना चाहता है। पाकिस्तान शंघाई सहयोग संगठन का भी सदस्य है, इसलिए वह अपना दावा मजबूती से पेश कर रहा है, लेकिन ब्रिक्स में उसका शामिल होना भारत के लिए किसी भी स्थिति में अच्छा नहीं है, क्योंकि शंघाई सहयोग संगठन की तरह ही वह ब्रिक्स में भी जम्मू- कश्मीर का मुद्दा उठा सकता है। इस मंच पर भी उसे चीन, कश्मीर के मुद्दे पर समर्थन दे सकता है। साथ ही ब्रिक्स बैंक से पाकिस्तान को बड़े पैमाने पर आर्थिक मदद भी मिलने का रास्ता साफ हो जाएगा।

पाकिस्तान आतंकवाद का समर्थक देश है। वह भारत में लगातार आतंकी गतिविधियों को अंजाम देता रहा है। पहलगाम में आतंकी हमले के कारण ही भारत को ऑपरेशन सिंदूर लांच करने के साथ ही सिंधु नदी जल समझौते को रद करना पड़ा था। ब्रिक्स में शामिल होने के बाद तो पाकिस्तान यहां सिंधु जल समझौते की बहाली की भी मांग करेगा। ऐसे में इस विशाल समूह से उसका बाहर रहना ही उचित होगा।

चीन के अतिरिक्त कोई देश उसका समर्थन न करे भारत को यह भी सुनिश्चित करना चाहिए। रही बात रूस की तो पिछले कुछ महीनों से वह पाकिस्तान के साथ तेजी से गलबहियां कर रहा है, जो भारत के लिए अच्छे संकेत नहीं हैं। 2024 में रूस ने पाकिस्तान की सदस्यता का समर्थन किया था, हालांकि अब इस बार वह समर्थन करेगा या नहीं यह देखना होगा। भारत पर जब भी संकट आया, रूस ने ही आगे बढ़कर हमारी मदद की, लेकिन बदलते भू राजनीतिक समीकरणों के बीच अब पाकिस्तान उसे साधने में लगा हुआ है और कुछ हद तक सफल हुआ है। उसकी सफलता के पीछे चीन भी है।

चीन अब रूस की मजबूरी बन चुका है। यूक्रेन युद्ध में आर्थिक रूप से कमजोर हुआ रूस, अब कई मामलों में चीन के सहारे है। ऐसे में चीन उसे पाकिस्तान से दोस्ती बढ़ाने के लिए प्रेरित कर रहा है। पाकिस्तान ने ग्वादर बंदरगाह को रूस के इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर से जोड़ने का प्रस्ताव दिया था। इस प्रस्ताव पर रूस ने सहमति दे दी है। जब ग्वादर बंदरगाह और रूस का ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर आपस में जुड़ेंगे, तो इसका लाभ चीन के बेल्ट एंड रोड इनिशिएटिव को भी मिलेगा। इसका जुड़ाव भी उससे हो जाएगा। ऐसा होना भारत के लिए किसी बड़े झटके से कम नहीं होगा।

रूस के उप प्रधानमंत्री एलेक्सी ओवरचुक ने ग्वादर बंदरगाह को रूस के कॉरिडोर से जोड़ने के प्रस्ताव पर बनी सहमति की घोषणा की है। इंटरनेशनल नॉर्थ-साउथ ट्रांसपोर्ट कॉरिडोर 7,200 किलोमीटर का है जो रूस के मुख्य केंद्रों को ईरान के बंदरगाहों और हिंद महासागर से जोड़ता है। अब अगर इसमें पाकिस्तान भी शामिल होता है, तो यह भारत के लिए रणनीतिक रूप से भी झटका होगा, क्योंकि पाकिस्तान का ग्वादर बंदरगाह भारत की ऊर्जा सुरक्षा और क्षेत्रीय प्रभाव के लिए बड़ी चुनौती है। रूस की पाकिस्तान के साथ दोस्ती भारत के लिए कई मामलों में चुनौती बन सकती है। ऐसे में अब भारत किसी न किसी तरह से रूस-पाकिस्तान की दोस्ती के बीच में दीवार भी बनना होगा। पाकिस्तान ने पहले ही सऊदी अरब से सुरक्षा समझौता करके भारत को झटका दिया था। रही बात ब्रिक्स की तो भारत, पाकिस्तान और उसके दोस्त तुर्किए को रोक तो लेगा, लेकिन रूस जैसे देश यदि उसे समर्थन देते हैं तो इसका असर भारत की छवि पर भी पड़ेगा।

भारत के स्वाभाविक मित्र रूस से पाकिस्तान की बढ़ती नजदीकी भारत के लिए बहुत अच्छे संकेत नहीं हैं। इन सबके बीच ही पाकिस्तान ने ब्रिक्स का भी पूर्ण सदस्य बनने के लिए लॉबिंग शुरू की है।

आमने

ओमप्रकाश चौटाला ने कहा था कि बीजेपी और ब्राह्मण अगर कहीं धरती पर दिख जाए, तो मुझे बता देना। मैंने इनके सारे खेल देख रखे हैं। उनके बारे में क्या बोलूं? अब तो इस धरती पर भी नहीं हैं।

–रामकुमार गौतम
बीजेपी विधायक
हरियाणा

सामने

रामकुमार गौतम की चौधरी ओमप्रकाश चौटाला पर की गई टिप्पणी निंदनीय है। इससे ओपी चौटाला के समर्थक दुखी हैं। इस तरह की छोटी-ओछी सोच समाज का बटवारा करने की है। मेरी ओर से लीगल नोटिस इश्यू होगा, सामाजिक माफी मांगने के बावजूद भी मानहानी का केस दायर करूंगा।

–दुष्यंत चौटाला
पूर्व उप मुख्यमंत्री, हरियाणा

उम्मीदों और कार्पोरेट सिस्टम के बीच फंसा युवा

डॉ. शिवम् भारद्वाज

असिस्टेंट प्रोफेसर

भारत में रोजगार का संकट सिर्फ नौकरियों की संख्या का नहीं है; यह अपेक्षाओं और वास्तविकताओं के टकराव का भी संकट है। डिग्री पूरी होते ही ऊंची सैलरी, तेज़ प्रमोशन और 'सम्मानजनक' पद को पहली नौकरी का स्वाभाविक परिणाम मान लिया गया है, लेकिन कॉर्पोरेट जगत इस तर्क पर नहीं चलता। वह अपनी ज़रूरतों के अनुसार चलता है— और यहीं से असली टकराव शुरू होता है।

यह टकराव केवल बेरोज़गारी के आंकड़ों में दर्ज नहीं होता। इसके साथ असंतोष, हताशा और आत्म-संदेह भी जुड़ते हैं। समस्या यह नहीं कि युवा बेहतर जीवन चाहते हैं, समस्या यह है कि वे करियर की शुरुआत को ही उसके अंतिम परिणाम की तरह देखने लगते हैं। पहली भूमिका, सीमित वेतन और साधारण जिम्मेदारियां उन्हें कमतर लगती हैं, जबकि यहीं वह बिंदु होता है, जहां पेशेवर जीवन की बुनियादी समझ विकसित होती है।

नियोजकों की प्राथमिकताएं इस अंतर को और स्पष्ट करती हैं। एंट्री-लेवल पर डिग्री निर्णायक नहीं होती, उपयोगिता होती है। कंपनियां ऐसे लोगों की तलाश में रहती हैं, जो सीखने की क्षमता रखते हों, कार्य-परिस्थितियों में ढल सकें, टीम के साथ काम कर सकें और समय के साथ उत्पादक बनें। इसके विपरीत, बड़ी संख्या में स्नातक सैद्धांतिक ज्ञान तक सीमित रह जाते हैं। उनके पास प्रमाणपत्र होते हैं, पर कार्य-तैयारी सीमित होती है। इसी कारण या तो वे अवसरों से वंचित रह जाते हैं, या उपलब्ध अवसरों को अपने स्तर से नीचे मानकर ठुकरा देते हैं। विभिन्न रोजगार-अध्ययनों में बार-बार यह संकेत मिलता है कि संप्रेषण-कौशल, अनुकूलनशीलता और कार्यस्थल-तैयारी की कमी इस अंतर को गहरा करती है।

डिजिटल माध्यमों ने इस स्थिति को और जटिल बना दिया है। सोशल मीडिया पर सफलता का जो रूप सामने आता है, वह प्रायः चयनित और संक्षिप्त होता है। वर्षों की प्रक्रिया एक उपलब्धि में सिमट जाती है और यह सिमटा हुआ रूप ही सामान्य प्रतीत होने लगता है। परिणामस्वरूप, करियर की शुरुआती अवस्थाएं असंतोष का कारण बनती हैं। तुलना का यह ढांचा धैर्य को कम करता है और तात्कालिक उपलब्धि की अपेक्षा को बढ़ाता है।

इसी क्रम में एक और प्रवृत्ति उभरती है— हर छोटी शुरुआत को समझौता मान लेने की। एंट्री-लेवल की नौकरियां वेतन और पद के लिहाज़ से आकर्षक नहीं होतीं, लेकिन वे कार्य-जीवन की वास्तविक प्रयोगशाला होती हैं। समयसीमा का दबाव, जिम्मेदारी का बोध, टीम के भीतर भूमिका और व्यक्तिगत सीमाओं की पहचान— ये सब इसी स्तर पर स्पष्ट होते हैं। जो इस चरण को केवल 'नीचे का स्तर' मानते हैं, वे अक्सर उस अनुभव से वंचित रह जाते हैं, जो आगे की प्रगति के लिए आवश्यक है।

बेहतर अवसर की प्रतीक्षा स्वाभाविक है, लेकिन केवल प्रतीक्षा करना अक्सर उलटा पड़ता है। अनुभव के बिना विकल्प सीमित रहते हैं। अनुभव के साथ वही विकल्प विस्तृत होते हैं। करियर के शुरुआती चरण को टालना, दरअसल, उसे कठिन बना देता है। इस संदर्भ में 'उचित अवसर' की परिभाषा पर पुनर्विचार आवश्यक है— क्या वह केवल वेतन और पद से तय होती है, या उस सीख से भी, जो आगे के रास्ते को खोल सकती है।

इस पूरे परिदृश्य में शिक्षा व्यवस्था की सीमाएं भी स्पष्ट दिखाई देती हैं। विश्वविद्यालयों और उद्योगों के बीच का फासला बना हुआ है। सैद्धांतिक ज्ञान और कार्यस्थल की अपेक्षाओं के बीच जो अंतर है, उसे व्यवस्थित रूप से पाटा नहीं गया। इंटर्नशिप, अप्रेंटिसशिप और व्यावहारिक प्रशिक्षण को अभी भी पूरक गतिविधि की तरह देखा जाता है, न कि शिक्षा के अनिवार्य हिस्से के रूप में। परिणाम यह है कि डिग्री प्राप्त करने के बाद भी बहुत-से युवा कार्य-परिस्थितियों के लिए तैयार नहीं होते। यह अंतर केवल व्यक्तिगत स्तर की समस्या नहीं है, यह संरचनात्मक है।

परिवार और समाज की भूमिका भी इस स्थिति को प्रभावित करती है। 'पहली नौकरी कैसी है' जैसे प्रश्न कई बार अनजाने में मूल्यांकन का रूप ले लेते हैं। यह माहौल युवा को अपने वर्तमान अवसर के मूल्यांकन के बजाय उसकी तुलना करने के लिए प्रेरित करता है। अपेक्षाएं प्रेरक हो सकती हैं, लेकिन जब वे यथार्थ से असंबद्ध हो जाती हैं, तो वे निर्णय-क्षमता को सीमित कर देती हैं।

वास्तविकता यह है कि करियर की शुरुआत प्रायः साधारण होती है। न वेतन आदर्श होता है, न भूमिका, लेकिन यही वह बिंदु होता है, जहां से दिशा बनती है। जो इस चरण को सीखने की प्रक्रिया के रूप में स्वीकार करते हैं, वे आगे चलकर अधिक सक्षम और चयनशील बनते हैं। इसके विपरीत, जो केवल 'उचित' अवसर की प्रतीक्षा में रहते हैं, वे अक्सर अनुभव और आत्मविश्वास— दोनों से वंचित रह जाते हैं। नौकरी-बाज़ार किसी की उम्मीदों से नहीं, अपनी शर्तों से चलता है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

डिग्री पूरी होते ही ऊंची सैलरी और 'सम्मानजनक' पद को पहली नौकरी का स्वाभाविक परिणाम मान लिया गया है, लेकिन कॉर्पोरेट जगत इस तर्क पर नहीं चलता।

सोशल फोरम

आबादी का नारा

दुनिया में बर्थ कंट्रोल यानी औलाद कम पैदा करो, आबादी पर काबू रखो, इस सोच की चर्चा लगभग ढाई सौ साल पहले शुरू हुई। उस वक्त यानी अठारहवीं सदी में यूरोप बहुत सख़्त गरीबी, भूख और बदहाली से गुज़र रहा था। लोगों के घरों में फाक़े थे, खेत कम उपज दे रहे थे और हालात इतने संगीन थे कि इंसान मायूसी में अजीब-अजीब नतीजे निकालने लगा था।

अनिल मीणा

ब्लॉगर

इसी दौर में 1766 में ब्रिटेन में एक आदमी पैदा हुआ, जिसका नाम था Thomas Robert Malthus। यह आगे चलकर पादरी भी बना और एक मशहूर किताब लिखी 'Essay on the Principle of Population' यानी आबादी के उसूल पर निबंध। यह किताब 1798 में छपी थी।

माल्थस ने यह ख़याल पेश किया कि इंसानों की आबादी बहुत तेज़ी से बढ़ती है, लेकिन खाने-पीने के संसाधन उतनी तेज़ी से नहीं बढ़ते। उसने मिसाल दी कि आबादी 2 से 4, 4 से 8, 8 से 16 की रफ़्तार से बढ़ेगी, जबकि अनाज और साधन 1 से 2, 2 से 3, 3 से 4 की धीमी चाल से बढ़ेंगे। उसके मुताबिक अगर बच्चों की पैदाइश पर रोक न लगी तो एक दिन दुनिया में खाने की कमी हो जाएगी और इंसान भुखमरी का शिकार हो जाएगा। क्या माल्थस की हर बात सही निकली? नहीं। दुनिया की आबादी आज आठ अरब के करीब पहुंच चुकी है, लेकिन सिर्फ़ आबादी बढ़ने से दुनिया खत्म नहीं हुई।

असल मसला यह निकला कि ज़मीन पर नेअमतें मौजूद हैं, मगर उनका बंटवारा इंसाफ़ से नहीं होता। कहीं खाना फेंका जाता है, कहीं बच्चे भूखे सोते हैं। कई दफ़ा कमी और नाइंसाफी ज़्यादा होती है। फिर आबादी कंट्रोल का नारा दोबारा कैसे उठा?

बीसवीं सदी में दुनिया की बड़ी ताक़तों ने यह महसूस किया कि तेज़ी से बढ़ती आबादी ग़रीब देशों में राजनितिक और आर्थिक दबाव पैदा कर सकती है। इसी सिलसिले में अमेरिका में एक अहम दस्तावेज़ बना जिसका नाम था NSSM-200 (Kissinger Report) यह 1974 का एक अमेरिकी सरकारी मेमोरेंडम था। इसमें दुनिया के ग़रीब और तेज़ आबादी बढ़ाने वाले देशों में फैमिली प्लानिंग को अमेरिकी हितों से जोड़कर देखा गया।

यह समझना ज़रूरी है कि सिर्फ़ आबादी ज़्यादा होना ग़रीबी की वजह नहीं, बल्कि खराब हुकूमत, दौलत का गलत बटवारा, शिक्षा की कमी, बेरोज़गारी और संसाधनों पर कुछ लोगों का कब्ज़ा ये असली वजहें होती हैं। –फेसबुक वाल से

सामयिकी

यूपी चुनाव की तैयारियों के बीच विपक्ष में खींचतान

यूपी में 2027 के विधानसभा चुनाव को आठ-नौ महीने ही शेष हैं। राजनीतिक दलों ने अपनी-अपनी चुनावी बिसात बिछानी भी शुरू कर दी हैं। जाहिर है योगी आदित्यनाथ हर हाल में तीसरी बार सत्ता में लौटने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ेंगे, जबकि विपक्ष यानी इंडिया गठबंधन, उन्हें सत्ता से बेदखल करने की पूरी कोशिश करेगा। हाल में ही संपन्न पांच प्रदेशों के चुनावों में तीन प्रदेशों में सरकार बना लेने से भाजपा के हौसले बुलंद हैं। 2022 के चुनाव में भाजपा ने अपनी 60 सीटें गंवा दी थीं।

ओवैसी की पार्टी का यूपी में चुनाव लड़ने का एलान कहीं न कहीं भाजपा के लिए संजीवनी का काम कर सकता है। ऐसे में यह सवाल उठना लाजिमी है कि आगामी विधानसभा चुनाव में विपक्ष यानी इंडिया गठबंधन भाजपा से मुकाबले के लिए कितना तैयार है?

यशोदा श्रीवास्तव

वरिष्ठ पत्रकार

2024 के लोकसभा चुनाव में इंडिया गठबंधन ने भाजपा को कड़ी टक्कर देते हुए शानदार सफलता पाई थी। 2027 के विधानसभा चुनाव में विपक्ष को 2024 के लोकसभा चुनाव जैसा परिणाम ला पाना भी एक चुनौती है।

इसके पहले यूपी में हुए सात विधानसभा सीटों के उपचुनाव में भाजपा कुंदरकी जैसे मुस्लिम बाहुल्य सीटों पर भी अपना परचम फहराने में कामयाब हुई, मिल्कीपुर विधानसभा चुनाव जीत कर अयोध्या लोकसभा चुनाव में हार का बदला लेने में भी सफल हुई थी। खैर, उपचुनावों का इतिहास देखें तो पता चलता है कि इसके सत्ता पक्ष के ही हिस्से में आने की संभावना ज्यादा रहती है। मजे की बात यह है जिन प्रदेशों में गैर भाजपा सरकारें हैं, वहां उसे एक ही टर्म में सत्ता विरोधी लहर का शिकार हो जाना पड़ता है, जबकि रहस्यमयी ढंग से भाजपा सरकारों के साथ ऐसा नहीं होता। ताज़ा उदाहरण असम का लिया जा सकता है, जहां दो बार से सत्ता में रही भाजपा के खिलाफ सत्ता विरोधी लहर नहीं देखी गई और भाजपा तीसरी बार सरकार में आ गई।

विपक्ष खासकर इंडिया गठबंधन के घटक दलों में जैसी उठापटक दिख रही है, उसे देख यूपी विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चा स्वाभाविक है, चूंकि सत्तारूढ़ एनडीए के मुखालफत इंडिया अलायंस प्रमुख विपक्षी गठबंधन है, जिसका नेतृत्व बड़ा दल होने के नाते कांग्रेस के हाथ में है। इस गठबंधन की त्रासदी यह है कि एक ओर इसे कांग्रेस के भीतर से चुनौती मिल रही है, तो दूसरी ओर गठबंधन में शामिल घटक दलों के नेताओं से भी। दोनों ओर से शब्दों के व्यंग्य बाण जारी हैं। तमिलनाडु में डीएमके ने गठबंधन से अपने सांसदों के अलग होने की घोषणा कर ही दी है।

आम आदमी पार्टी पहले ही गठबंधन से अलग हो गई है, बंगाल की ममता बनर्जी की टीएमसी भी गठबंधन से लगभग दूर ही हैं। कांग्रेस ने तमिलनाडु में नई नवेली पार्टी टीवीके को अपना नया साथी तलाश लिया है, लेकिन इससे फिलहाल अभी कांग्रेस को कोई बड़ा फायदा होता नहीं दिख रहा है। हां, ऐसा करके कांग्रेस ने तमिलनाडु में भाजपा के सहयोगी दल को सत्ता में आने से रोक जरूर दिया, लेकिन इसके बदले लोकसभा में उसे बड़ी क़ीमत चुकानी पड़ी।

इंडिया गठबंधन के मौजूदा हाल को देखें तो साफ दिखता है कि महाराष्ट्र में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और शिव सेना (ठाकरे) का कांग्रेस से मनमुटाव चल रहा है। झारखंड में हेमंत सोरेन भी कांग्रेस को बहुत भाव नहीं दे रहे हैं। बिहार में आरजेडी और कांग्रेस के बीच बहुत कुछ ठीक नहीं चल रहा। गठबंधन को लेकर बची-खुची संभावना यूपी में ही है। (ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

संस्कृति व शिल्प की अनूठी पहचान
देवगढ़

उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश की सीमा पर स्थित ललितपुर जिले में बेतवा नदी के किनारे स्थित देवगढ़ एक ऐतिहासिक और पुरातात्विक स्थल है। यह स्थान अपनी प्राचीन बौद्ध गुफाओं, गुप्तकालीन दशावतार मंदिर के लिए प्रसिद्ध है। यहां विष्णु भगवान को समर्पित दशावतार मंदिर स्थापत्य कला की दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है और उत्तर भारत के सबसे प्राचीन मंदिरों में गिना जाता है।

महामंडलेश्वर स्वामी मनोजानंद
कानपुर

इस मंदिर में भगवान विष्णु के 10 अवतारों को प्रदर्शित किया गया है। ऐसा माना जाता है कि यह मंदिर गुप्त काल में बना था। मंदिर अब एएसआई द्वारा संरक्षित है, लेकिन यहां भगवान विष्णु के दस अवतार के दर्शन किए जा सकते हैं।

लाल बलुआ पत्थर से बना दशावतार मंदिर शिखरयुक्त 'पंचायतन' शैली में बने मंदिरों में प्राचीनतम है, इसका निर्माण सन् 470 में भारतीय इतिहास के स्वर्ण युग में हुआ था। एक ऊंचे चबूतरे पर चढ़कर जब प्रवेश द्वार पर पहुंचते हैं, तो हमें द्वार के दोनों ओर बनी गंगा और यमुना की मूर्तियां सहज ही आकृष्ट करती हैं। गर्भगृह के अंदर प्रवेश संभव नहीं है। मंदिर के चारों ओर पौराणिक कथाओं को अभिव्यक्त करती नृत्य मूर्तियों से सजाया गया है। गजेन्द्र मोक्ष, नर नारायण तपस्या तथा शेषसाई विष्णु की प्रतिमाएं बहुत ही आकर्षक हैं। अचंभित करने वाले फलक में विष्णु अपनी चिर-परिचित मुद्रा में शेषनाग की शैय्या पर लेटे हैं, ऊपर की ओर कार्तिकेय अपने मयूर पर आरूढ़, ऐरावत पर बैठे इन्द्र, कमल पर ब्रह्मा तथा नंदी पर उमा-महेश्वर बैठे हुए दृष्टिगोचर होते हैं। शैय्या के नीचे पांच पांडवों को द्रौपदी सहित दर्शाया गया है। ऐसा दृश्य किसी और मंदिर में नहीं है। 7 वीं या 8 वीं शताब्दी के कुछ शिव मंदिरों में पांडवों को जरूर दर्शाया गया है। दशावतार मंदिर को देखकर लगता है कि प्रारंभ में इसमें अन्य गुप्त कालीन देवालयों की भांति ही गर्भगृह के चतुर्दिक पटा हुआ प्रदक्षिणा पथ रहा होगा। मंदिर के एक के बजाए चार प्रवेश द्वार थे और उन सबके सामने छोटे-छोटे मंडप तथा सीढ़ियां थीं। चारों कोनों में चार छोटे मंदिर थे। इनके शिखर आमलकों से अलंकृत थे, क्योंकि खंडहरों से अनेक आमलक प्राप्त हुए हैं। प्रत्येक सीढ़ियों की पंक्ति के पास एक गोखा था। मुख्य मंदिर के चतुर्दिक कई छोटे मंदिर थे, जिनकी कुर्सियां मुख्य मंदिर की कुर्सी से नीची हैं। ये मुख्य मंदिर के बाद में बने थे। इनमें से एक पर पुष्पावलियों तथा अधोशीर्ष स्तूप का अलंकरण अंकित है। यह अलंकरण देवगढ़ की पहाड़ी की चोटी पर स्थित मध्ययुगीन जैन मंदिरों में भी प्रचुरता से प्रयुक्त है।

8 वीं से 18 वीं शती के 300 अभिलेख

देवगढ़ में कुल मिलाकर लगभग 300 अभिलेख मिले हैं, जो 8 वीं शती से लेकर 18 वीं शती तक के हैं। इनमें ऋषभदेव की पुत्री ब्राह्मी द्वारा अंकित अठारह लिपियों का अभिलेख तो अद्वितीय ही है। चंदेल नरेशों के अभिलेख भी महत्वपूर्ण हैं।

गुप्तकालीन वास्तु कला की महत्वपूर्ण संरचना

दशावतार मंदिर में गुप्त वास्तु कला के प्रारूपिक उदाहरण मिलते हैं, जैसे, विशाल स्तंभ, जिनके दंड पर अर्ध अथवा तीन चौथाई भाग में अलंकृत गोल पट्टक बने हैं। ऐसे एक स्तंभ पर छठी शती के अंतिम भाग की गुप्त लिपि में एक अभिलेख पाया गया है, जिससे उपर्युक्त अलंकरण का गुप्त कालीन होना सिद्ध होता है। इस मंदिर की वास्तु कला की दूसरी विशेषता चैत्य वातायनों के घेरों में कई प्रकार के उत्कीर्ण चित्र हैं। इन चित्रों में प्रवेश द्वार या मूर्ति रखने के अवकाश भी प्रदर्शित हैं। इनके अतिरिक्त सारनाथ की मूर्तिकला का विशिष्ट अभिप्राय स्वस्तिकाकार शीर्ष सहित स्तंभयुग्म भी इस मंदिर के चैत्यवातायनों के घेरों में उत्कीर्ण है। दशावतार मंदिर का अल्पविकसित शिखर ऐतिहासिक दृष्टि से महत्वपूर्ण संरचना है।

देवगढ़ के मंदिर का शिखर अधिक ऊंचा नहीं है, वरन इसमें क्रमिक घुमाव बनाए गए हैं। इस समय शिखर के निचले भाग की गोलाई ही शेष है, किंतु शिखर का आभास मिल जाता है। शिखर के आधार के चारों ओर प्रदक्षिणा पथ की सपाट छत थी, जिसके किनारे पर बड़ी व छोटी खिड़कियां थीं, जैसा कि महाबलीपुरम के रथों के किनारों पर हैं। द्वार मंडप दो विशाल स्तंभों पर आधृत था। मंदिर के चारों ओर भी गुप्त कालीन मूर्तिकारी का वैभव अवलोकनीय है। रामायण और कृष्ण लीला से संबंधित दृश्यों का चित्रण बहुत ही कलापूर्ण शैली में प्रदर्शित है।

पहाड़ी के नीचे बहता है बेतवा नदी का सौंदर्य

देवगढ़ बेतवा नदी के तट पर स्थित है। तट के निकट पहाड़ी पर 24 मंदिरों के अवशेष हैं, जो 7 वीं शती से 12 वीं शती तक बने थे। देवगढ़ पहाड़ी पर प्राचीन मंदिरों के अतिरिक्त ऊंची चट्टानों के नीचे घूमती हुई बेतवा नदी अनोखी छटा प्रस्तुत करती है। यह दृश्य इतना मनोरम है कि लोग घंटों निहारते ही रहते हैं। यहां चट्टानों को काटकर बनाए गए गुफा मंदिर (सिद्ध की गुफा), राजघाटी, नहरघाटी आदि भी हैं। बेतवा नदी पहाड़ियों के नीचे बहती है, इसलिए नीचे जाने के लिए पत्थरों को काट कर सीढ़ियां बनाई गई हैं। सीढ़ियों से नीचे उतरते समय बाईं तरफ चट्टानों को तराश कर छोटे-छोटे कमरे बना दिए गए हैं, जिनमें जैन मुनि एकांत में प्रकृति का आनंद लेते हुए अपनी साधना में निमग्न हुआ करते थे।

इस तरह पहुंचे

देवगढ़ उत्तर प्रदेश के ललितपुर जिले से लगभग 34 किमी की दूरी पर स्थित है। नजदीकी रेलवे स्टेशन ललितपुर के अलावा जाखलौन है, जो जाखलौन करीब 15 किमी की दूरी पर स्थित है। खजुराहो हवाई अड्डा 220 और ग्वालियर एयरपोर्ट 255 किमी दूर है।

बिदेसिया: बिहार की लोक संस्कृति व सामाजिक चेतना का लोकनाट्य

लोकायन

बिहार की सांस्कृतिक विरासत लोकगीतों, लोकनृत्यों और लोकनाट्यों से समृद्ध रही है। इन्हीं लोककलाओं में 'बिदेसिया' एक अत्यंत लोकप्रिय और प्रभावशाली लोकनाट्य शैली है, जिसने अपनी अलग पहचान बनाई है। बिदेसिया केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि समाज की वास्तविक समस्याओं और मानवीय भावनाओं को मंच पर जीवंत करने वाली कला है। इसकी शुरुआत भोजपुरी भाषी क्षेत्रों में हुई और इसे प्रसिद्ध लोक कलाकार एवं साहित्यकार भिखारी ठाकुर ने लोकप्रिय बनाया। उन्हें भोजपुरी का शेक्सपीयर भी कहा जाता है।

अन्य लोकनृत्यों और लोकनाट्यों की तुलना में बिदेसिया अपेक्षाकृत नई कला मानी जाती है। इसकी उत्पत्ति 20 वीं शताब्दी में हुई, उस दौर में जब ग्रामीण समाज में रंगमंच और नाटकों के प्रति जागरूकता बहुत कम थी। भिखारी ठाकुर ने समाज की पीड़ा, गरीबी, पलायन और महिलाओं की स्थिति को अपनी रचनाओं का विषय बनाया। उन्होंने 'बिदेसिया' नामक नाटक लिखा, जिसे 'बहारा बहार' के नाम से भी जाना जाता है। इस नाटक में संगीत, संवाद, अभिनय और नृत्य का अद्भुत समन्वय देखने को मिलता है, इसलिए इसे संगीतमय लोकनाट्य भी कहा जाता है।

भिखारी ठाकुर पेशे से नाई थे, लेकिन कला और समाज सुधार के प्रति उनका समर्पण उन्हें एक नई दिशा में ले गया। उन्होंने अपने जीवन की कठिनाइयों के बावजूद रंगमंच को अपनाया और लोकभाषा भोजपुरी के माध्यम से समाज को जागरूक करने का प्रयास किया। उनके नाटकों में आम लोगों की जिंदगी, उनकी परेशानियां और भावनाएं साफ तौर पर दिखाई देती हैं।

बिदेसिया की प्रस्तुतियों की एक खास विशेषता यह भी रही कि कई बार मंच पर केवल पुरुष कलाकार ही अभिनय करते थे। वे पुरुष और महिला दोनों पात्रों की भूमिका निभाते थे। महिला पात्रों को दर्शाने के लिए कलाकार साड़ी पहनते और लंबे कृत्रिम बालों का प्रयोग करते थे। यह शैली दर्शकों को आकर्षित करने के साथ-साथ लोकनाट्य की परंपरा को भी जीवंत बनाए रखती थी। बिदेसिया नाटक मुख्य रूप से उन सामाजिक मुद्दों को सामने लाता है, जिन पर उस समय खुलकर चर्चा नहीं होती थी। इसमें गरीबी, मजदूरों का पलायन, महिलाओं की उपेक्षा, घरेलू शोषण और सामाजिक असमानता जैसे विषयों को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत किया गया। जब गांवों के पुरुष रोजगार की तलाश में शहरों की ओर चले जाते थे, तब उनके पीछे छूट जाने वाली महिलाओं की पीड़ा और अकेलेपन को बिदेसिया में बेहद मार्मिक रूप से दिखाया गया। कई बार पुरुष दूसरी स्त्रियों के संपर्क में आ जाते थे और इसका सबसे अधिक असर उनकी पत्नियों पर पड़ता था। इन सामाजिक सच्चाइयों को व्यंग्य और कटाक्ष के माध्यम से प्रस्तुत करना बिदेसिया की सबसे बड़ी ताकत बनी।

आज भी बिदेसिया लोकनाट्य लोगों के दिलों में अपनी विशेष जगह बनाए हुए है। यह केवल बिहार की सांस्कृतिक पहचान नहीं, बल्कि समाज को आईना दिखाने वाली एक जीवंत कला परंपरा है। बिदेसिया हमें यह संदेश देता है कि कला केवल मनोरंजन नहीं, बल्कि सामाजिक बदलाव का एक प्रभावशाली माध्यम भी हो सकती है।

पालकालीन मूर्तिकला में शिव और पार्वती

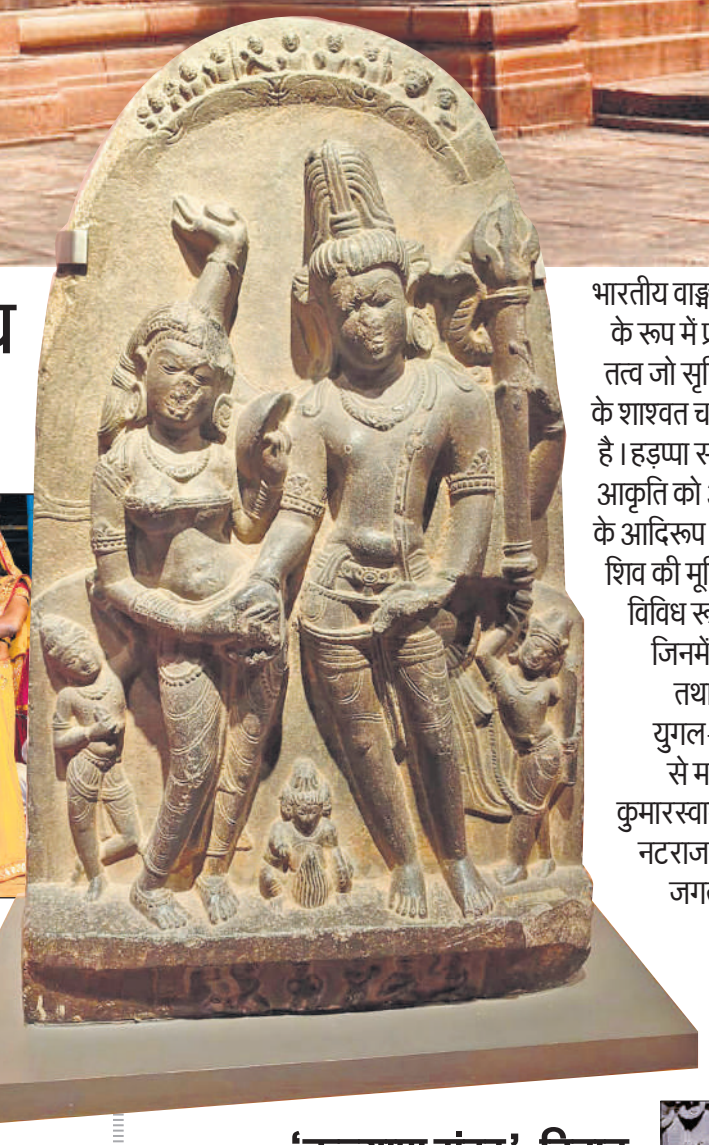

भारतीय वाङ्मय में शिव को 'आदिदेव' के रूप में प्रतिष्ठा प्राप्त है। एक ऐसा तत्व जो सृष्टि, संहार और पुनर्सृजन के शाश्वत चक्र का प्रतिनिधित्व करता है। हड़प्पा सभ्यता से प्राप्त 'पशुपति' आकृति को अनेक इतिहासकार शिव के आदिरूप से जोड़ते हैं। कालांतर में शिव की मूर्तिमय अभिव्यक्तियां विविध रूपों में विकसित हुईं, जिनमें शिवलिंग, नटराज, तथा उमा के साथ उनके युगल-स्वरूप विशेष रूप से महत्वपूर्ण रहे। आनंद कुमारस्वामी की व्याख्याओं ने नटराज को वैश्विक कला-जगत में विशिष्ट प्रतिष्ठा दिलाई। इसी परंपरा में पालकालीन मगध में शिव-पार्वती के दो प्रमुख युगल-रूप उमा-महेश्वर और 'कल्याण सुंदर' विशेष चर्चा के केंद्र में रहे।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

उमा-महेश्वर : दैवी दांपत्य का सौम्य संतुलन

उमा-महेश्वर प्रतिमा में पार्वती (उमा) और शिव एक साथ आसनस्थ दिखाई देते हैं। यह स्वरूप दांपत्य की सौम्यता, स्थिरता और आध्यात्मिक एकत्व का प्रतीक है। प्राय: शिव शांत, ध्यानमग्न या सौम्य मुद्रा में होते हैं, जबकि पार्वती उनके समीप स्नेहपूर्ण निकटता में स्थित रहती हैं। पालकालीन मूर्तिकला में इस युगल की प्रस्तुति अत्यंत परिष्कृत और संतुलित है। सूक्ष्म अलंकरण, मृदुल देह-विन्यास और संतुलित रचना इसकी विशेषताएं हैं।

कलात्मक दृष्टि से यह प्रतिमा केवल दांपत्य का चित्रण नहीं, बल्कि पुरुष (शिव) और प्रकृति (शक्ति) के दार्शनिक संयोग का रूपक है। यहां ऊर्जा और चेतना का संतुलन, तप और स्नेह का समन्वय तथा सांसारिक और आध्यात्मिक जीवन का मेल दिखाई देता है। इसीलिए उमा-महेश्वर प्रतिमा भारतीय कला में 'शांत रस' और 'श्रृंगार के दिव्य रूप' का उत्कृष्ट उदाहरण मानी जाती है।

'कल्याण सुंदर': विवाह का गतिशील उत्सव

'कल्याण सुंदर' प्रतिमा शिव-पार्वती के विवाह प्रसंग को मूर्त रूप देती है। 'कल्याण' शब्द, जो तमिल परंपरा में विवाह के अर्थ में प्रयुक्त होता है, इस प्रतिमा के नामकरण का आधार माना जाता है। इस स्वरूप में शिव और पार्वती को विवाह-संस्कार के मध्य दर्शाया जाता है, जहां शिव वर के रूप में और पार्वती वधू के रूप में उपस्थित हैं। कई प्रतिमाओं में ब्रह्मा द्वारा पाणिग्रहण संस्कार कराते हुए दृश्य भी अंकित मिलता है।

यह प्रतिमा गतिशीलता, उल्लास और सामाजिक-धार्मिक अनुष्ठान का जीवंत चित्रण है। जहां उमा-महेश्वर में स्थिरता और ध्यान है, वहीं 'कल्याण सुंदर' में क्रिया, उत्सव और संस्कार की जीवंतता है। इसमें श्रृंगार रस अपने लौकिक और आध्यात्मिक दोनों आयामों में प्रकट होता है। एक ओर दैवी विवाह का उत्सव, दूसरी ओर सृष्टि के निरंतर विस्तार का संकेत।

तुलनात्मक परिप्रेक्ष्य

उमा-महेश्वर और 'कल्याण सुंदर' दोनों ही शिव-पार्वती के युगल स्वरूप हैं, किंतु उनके भाव और कलात्मक उद्देश्य भिन्न हैं। उमा-महेश्वर में जहां दांपत्य का शांत, संतुलित और आध्यात्मिक पक्ष उभरता है, वहीं 'कल्याण सुंदर' में दांपत्य की आरंभिक, उत्सवी और संस्कारात्मक अवस्था का चित्रण मिलता है। पहली प्रतिमा 'स्थायित्व' और 'आंतरिक एकत्व' की प्रतीक है, जबकि दूसरी 'प्रक्रिया' और 'सामाजिक उत्सव' की। इनमें से एक जहां ध्यान और समाधि की ओर ले जाती है, वहीं दूसरी जीवन की गतिशीलता और सांस्कृतिक परंपरा को रेखांकित करती है।

इस प्रकार, पालकालीन और दक्षिण भारतीय परंपराओं में विकसित ये दोनों स्वरूप न केवल शिव-शक्ति के दार्शनिक सिद्धांत को मूर्त करते हैं, बल्कि भारतीय कला में दांपत्य, समाज और सृष्टि के गहन संबंधों को भी सशक्त रूप से अभिव्यक्त करते हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↑	निफ्टी ↑
बंद हुआ	75,200.85	23,618
बढ़त	114.19	31.95
प्रतिशत में	0.15	0.14

सोना 1,63,600 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,71,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 20 मई 2026

www.amritvichar.com

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन :- तुलसी 2695, राज श्री 2090, फ़ॉर्चून कि. 2680, रविन्द्रा 2670, फॉर्चुन 13kg 2350, जय जवान 2275, सचिन 2400, सूरज 2275, अवसर 2165, उजाला 2170, गृहणी 13 kg 2240, क्लासिक (kg) 2490, मोर 2495, चक्र टिन 2665, ब्लू 2480, आशीर्वाद मस्टर्ड 2545, स्वास्तिक 2650

किराना :- निजामाबाद हल्दी 16000-18000, जीरा 24500-25000, लाल मिर्च 21500-24000, धनिया 14000-18000, अजवायान 14000-19000, मेथी 7000-8000 सौंफ 11000-20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850-1000, बादाम 750-1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330-380, मखाना 800-1150

चावल (प्रति कु0) :- डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पत्ति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन :- मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11700-13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250-7450 मलका दाल 7450-9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800-9800, मसूर दाल छोटी 10700-12000, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800-11500,चना काला 7400, दाल चना 7150, दाल चना मोटी 7600, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000-8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000-11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी : पीलीभीत 4400, बहेड़ी 4380, द्वारकेश 4380, सितारगंज 4340

बरेली सर्राफा

दाम प्रति 10 ग्राम : सोना पक्के आभूषण 153500, सोना गिन्नी 149500, **चांदी** पक्की 2700 **अनुमानित**

बिजनेस ब्रीफ

खाद्य तेलों का आयात 3% बढ़ा: उद्योग निकाय

नई दिल्ली। भारत का खाद्य तेल आयात वित्त वर्ष 2025-26 में तीन प्रतिशत बढ़कर 166.51 लाख टन हो गया। इसका मुख्य कारण रहा नेपाल से शुल्क-मुक्त आयात में तेज वृद्धि। यह जानकारी उद्योग निकाय एसईए ने दी। देश का खाद्य तेल आयात वित्त वर्ष 2024-25 में 161.82 लाख टन रहा था। उद्योग निकाय सॉल्वेंट एक्सट्रैक्टर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया ने मंगलवार को कहा कि दक्षिण एशियाई मुक्त व्यापार क्षेत्र समझौते के तहत भारतीय बाजारों में शून्य-शुल्क पहुंच का लाभ उठाने वाले नेपाल ने इस दौरान भारत को 7.36 लाख टन खाद्य तेल निर्यात किया, जो 2024-25 वर्ष के 3.45 लाख टन की तुलना में 113 % अधिक है।

चांदी का आयात शुल्क मूल्य 355 डॉलर घटा

नयी दिल्ली। अंतर्राष्ट्रीय बाजार में चांदी के दाम घटने से सरकार ने सफेद धातु के आयात शुल्क मूल्य में मंगलवार को 355 डॉलर प्रति किलोग्राम की कटौती की। केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर एवं सीमा शुल्क बोर्ड द्वारा जारी अधिसूचना में चांदी का आयात शुल्क मूल्य घटाकर 2,455 डॉलर प्रति किलोग्राम कर दिया गया है।

एक जनपद एक व्यंजन का तैयार होगा स्टैंडर्ड रेसिपी मैन्युअल

वैश्विक पहचान के लिए एफएसएसएआई, सीएफटीआरआई और एनआईएफटीईएम तय करेंगे स्टैंडर्ड

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- स्मार्ट पैकेजिंग, क्यूआर कोड और ब्रांडिंग के जरिए एक्सपोर्ट रेडी बनाए जाएंगे पारंपरिक व्यंजन

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर अब प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों को वैश्विक पहचान दिलाने की दिशा में सरकार बड़ा कदम उठाने जा रही है। एक जनपद एक व्यंजन (ओडीओसी) योजना के तहत प्रदेश के प्रत्येक जिले के विशिष्ट पारंपरिक व्यंजनों को चिन्हित कर उन्हें संगठित, सुरक्षित, ब्रांडेड और बाजारोन्मुख बनाया जाएगा।

वैश्विक बाजार के लिए एफएसएसएआई, सीएफटीआरआई और एनआईएफटीईएम के सहयोग से स्टैंडर्ड रेसिपी मैन्युअल बनेगा। सरकार की योजना ओडीओसी को केवल सांस्कृतिक विरासत तक सीमित न रखकर रोजगार, उद्यमिता और निर्यात से जोड़ने की है। हाल ही में योगी कैबिनेट ने इस महत्वाकांक्षी योजना को मंजूरी दी है। योजना के तहत जिलाधिकारियों, संबंधित विभागों, विश्वविद्यालयों, कॉलेजों और जिला उद्योग केंद्रों से प्राप्त सुझावों के आधार पर जनपदवार व्यंजनों की पहचान की गई है। अब सरकार इन व्यंजनों को आधुनिक मानकों के अनुरूप विकसित कर राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजार तक पहुंचाने की तैयारी कर रही है।

इसके लिए भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई), केंद्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी अनुसंधान संस्थान (सीएफटीआरआई) और राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान (एनआईएफटीईएम) जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों के सहयोग से जनपदवार और व्यंजनवार 'स्टैंडर्ड रेसिपी मैन्युअल' तैयार किए जाएंगे।

इन मैन्युअल के जरिए व्यंजनों की गुणवत्ता, स्वाद, स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा के मानकों को एकरूप बनाया जाएगा।

सरकार का मानना है कि इससे पारंपरिक व्यंजनों की शेल्फ लाइफ बढ़ेगी और उन्हें बड़े बाजारों तक पहुंचाना आसान होगा। साथ ही विभिन्न व्यंजनों के नए वैरिएंट विकसित करने पर भी विशेष जोर दिया जाएगा, ताकि बदलती उपभोक्ता मांग के अनुसार उन्हें आधुनिक स्वरूप दिया जा सके।

स्मार्ट पैकेजिंग और डिजिटल पहचान पर जोर

योगी सरकार पारंपरिक व्यंजनों को 'एक्सपोर्ट रेडी' बनाने के लिए आधुनिक पैकेजिंग और ब्रांडिंग पर भी फोकस कर रही है। भारतीय पैकेजिंग संस्थान के सहयोग से स्मार्ट पैकेजिंग, इको-फ्रेंडली पैक, क्यूआर कोड, बारकोड और न्यूट्रीशन लेबलिंग जैसी सुविधाएं विकसित की जाएंगी। इससे उपभोक्ताओं को उत्पाद की गुणवत्ता, पोषण और स्रोत संबंधी पूरी जानकारी मिल सकेगी। योजना के तहत स्थानीय उद्यमियों और स्वयं सहायता समूहों को पैकेजिंग, डिजाइनिंग, गुणवत्ता सुधार और फूड प्रोसेसिंग का प्रशिक्षण भी दिया जाएगा। इससे ग्रामीण क्षेत्रों में रोजगार और स्वरोजगार के नए अवसर विकसित होंगे।

'स्वाद यूपी का' बनेगा नया ब्रांड

सरकार 'स्वाद यूपी का' थीम के तहत प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों का राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ब्रांड निर्माण भी करेगी। प्रमुख आयोजनों में व्यंजनों की प्रदर्शनी लगाई जाएगी और डिजिटल प्रचार, लघु फिल्मों तथा ब्रांडिंग अभियानों के जरिए उत्तर प्रदेश की पाक विरासत को दुनिया तक पहुंचाने की रणनीति बनाई जा रही है।

सोना 800 रुपये चढ़ा चांदी 5,000 कमजोर

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका-ईरान बातचीत में कामयाबी के संकेतों से महंगाई के दबाव की चिंता कम होने के कारण मंगलवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में सोने की कीमत 800 रुपये बढ़कर 1.63 लाख प्रति 10 ग्राम हो गईं।

सर्राफा बाजार के जानकारों के अनुसार, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत सोमवार के बंद स्तर 1,62,800 रुपये प्रति 10 ग्राम से 800 रुपये बढ़कर 1,63,600 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) हो गई। हालांकि, कमजोर औद्योगिक मांग और वैश्विक बाजार में सुस्त रुख के कारण चांदी की कीमतें 5,000 रुपये घटकर 2,71,000 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी टैक्स मिलाकर) रह गईं।

देश की वृद्धि दर 6.7% रहने का अनुमान

आरबीआई ने लगाया था 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान, इंडिया रेटिंग्स की रिपोर्ट में 0.2% घट गया

नई दिल्ली, एजेंसी

इंडिया रेटिंग्स एंड रिसर्च ने चालू वित्त वर्ष में भारत की आर्थिक वृद्धि दर घटकर 6.7 प्रतिशत रहने का मंगलवार को अनुमान जताते हुए कहा कि मांग एवं आपूर्ति दोनों में सुस्ती और वैश्विक अनिश्चितताएं इसकी प्रमुख वजह होंगी।

रेटिंग एजेंसी का यह अनुमान भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के 6.9 प्रतिशत की वृद्धि दर के अनुमान से कम है। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने मुद्रास्फीति दर 4.6 प्रतिशत पर रहने का अनुमान लगाया है। हालांकि, इंडिया रेटिंग्स ने कहा कि ईंधन कीमतों में हालिया बढ़ोतरी के बावजूद खुदरा मुद्रास्फीति 4.4 प्रतिशत पर रह सकती है जो कि आरबीआई के लक्षित दायरे के भीतर ही है।

रिपोर्ट के मुताबिक, पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण कच्चे तेल और खाद्य कीमतों में बढ़ोतरी का असर पड़ेगा। साथ ही, 2026 के मध्य से मौसमी चक्र 'अल नीनो' की वजह से कृषि उत्पादन के प्रभावित होने की भी आशंका है, जिससे आर्थिक वृद्धि पर दबाव आएगा।

इंडिया रेटिंग्स की निदेशक (अर्थशास्त्र) मेघा अरोड़ा ने कहा कि प्रमुख चुनौतियों में भू-राजनीतिक तनाव, ऊंची मुद्रास्फीति, कमजोर पूंजी प्रवाह के कारण रुपये में गिरावट, सरकार के पूंजीगत व्यय में संभावित कमी, वैश्विक व्यापार की धीमी रफ्तार और औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) की कमजोर स्थिति शामिल हैं।

रेटिंग एजेंसी ने वित्त वर्ष 2026-27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान लगाया है। इसके अनुसार, यदि कच्चे तेल की कीमत में 10 डॉलर प्रति बैरल की बढ़ोतरी होती है, तो आर्थिक वृद्धि दर पर लगभग 0.44 प्रतिशत अंक का नकारात्मक असर पड़ सकता है। रिपोर्ट के मुताबिक, यदि पूंजीगत व्यय में 10 प्रतिशत की कमी आती है, तो वृद्धि दर घटकर करीब छह प्रतिशत तक आ सकती है।

इक्रा का अनुमान- 2026-27 में 6.2 प्रतिशत रहेगी भारत की आर्थिक वृद्धि दर

नई दिल्ली, एजेंसी। रेटिंग एजेंसी इक्रा ने वित्त वर्ष 2026-27 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि दर के अनुमान को घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है। रेटिंग एजेंसी ने पहले इसके 6.5 प्रतिशत रहने का अनुमान लगाया था। पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की ऊंची कीमतों को देखते हुए वृद्धि दर के अनुमान घटाया गया है। इक्रा ने वित्त वर्ष 2025-26 के लिए जीडीपी वृद्धि का अनुमान 7.5 प्रतिशत लगाया है, जो राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय (एनएसओ) के दूसरे अग्रिम अनुमान 7.6 प्रतिशत से मामूली कम है। इक्रा की मुख्य अर्थशास्त्री अदिति नायर ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी गतिरोध के कारण कीमतों में अस्थिरता को देखते हुए, अब वित्त वर्ष 2026-27 में कच्चे तेल की औसत कीमत 95 डॉलर प्रति बैरल रहने का अनुमान है, जबकि हमारा पिछला अनुमान 85 डॉलर प्रति बैरल था। परिणामस्वरूप, हमने वित्त वर्ष 2026-27 के जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) वृद्धि के अपने अनुमान (2022-23 की स्थिर कीमतों पर) को घटाकर 6.2 प्रतिशत कर दिया है जो पहले 6.5 प्रतिशत था।

एजेंसी का मानना है कि सरकार सीधे नकद अंतरण के बजाय आसान कर्ज और ''क्रेडिट गारंटी'' जैसे उपायों के जरिये छोटे उद्योगों और उपभोक्ताओं को राहत दे सकती है।रिपोर्ट कहती है कि चालू वित्त वर्ष की अप्रैल-जून तिमाही में वृद्धि दर 6.7 प्रतिशत रहने का अनुमान है, जबकि अल नीनो का असर जुलाई-सितंबर तिमाही में अधिक दिख सकता है। इंडिया रेटिंग्स का अनुमान है कि रुपये की विनिमय दर औसतन 94.28 प्रति डॉलर रह सकती है, जो सालाना आधार पर 6.7 प्रतिशत की गिरावट है। मंगलवार को रुपया डॉलर के मुकाबले 96.47 के रिकॉर्ड निचले स्तर तक पहुंच गया।

रुपए ने रुलाया...50 पैसे टूटकर 96.70 प्रति डॉलर के नए निचले स्तर पर आया

मुंबई, एजेंसी

- 2026 में एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन वाली मुद्रा बना
- आरबीआई के हस्तक्षेप और सोना चांदी आयात पर अंकुश का सहारा

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया मंगलवार को 50 पैसे की बड़ी गिरावट के साथ कारोबार के अंत में 96.70 प्रति डॉलर के नए सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।

कच्चे तेल की ऊंची कीमतों और वैश्विक जोखिम से बचाव की प्रवृत्ति के बीच मजबूत डॉलर और विदेशी पूंजी की बाजार से निकासी के कारण रुपये पर दबाव रहा। रुपया 2026 में एशिया की सबसे कमजोर प्रदर्शन करने वाली मुद्रा बन गया है। पिछले आठ सत्रों में डॉलर के मुकाबले रुपये में 2.48 रुपये या 2.64 प्रतिशत की गिरावट आई है। यह सात मई को 94.22 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

विदेशी मुद्रा कारोबारियों का कहना है कि कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से रुपये की स्थिति अब भी 'नाजुक' बनी हुई है। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.38 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान इसने 96.27 के दिन के उच्चतम स्तर को छुआ। कारोबार के अंत में रुपया 96.70 प्रति डॉलर के ऐतिहासिक निम्नतम स्तर पर बंद हुआ जो पिछले बंद भाव से 50 पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अब तक के सबसे निचले स्तर 96.20 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। मिराए एसेट शेयरखान के शोध विश्लेषक अनुज चौधरी ने अनुमान जताया कि मजबूत डॉलर और अमेरिकी बॉन्ड प्रतिफल में बढ़ोतरी के कारण रुपये गिरावट में रह सकती है...हालांकि, आरबीआई के किसी भी हस्तक्षेप और सोने-चांदी के आयात पर कुछ अंकुश रुपये को निचले स्तर पर सहारा दे सकते हैं।

मंदिरों के सोने के मुद्रीकरण की योजना नहीं : सरकार

नई दिल्ली, एजेंसी

- अफवाहों से बचें और अधिकृत सूचनाओं पर ही करें भरोसा

सरकार ने अफवाहों और अटकलों को खारिज करते हुए मंगलवार को कहा कि देशभर के मंदिरों के ट्रस्ट या किसी भी धार्मिक संस्थानों के पास रखे सोने का मुद्रीकरण करने का उसका कोई इरादा नहीं है। वित्त मंत्रालय ने स्पष्टीकरण में कहा कि ऐसी अफवाहें पूरी तरह झूठी, भ्रामक और निराधार हैं।

मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि मंदिरों के शिखरों, दरवाजों या अन्य संरचनाओं पर लगे सोने को 'भारत के सामरिक स्वर्ण भंडार' के रूप में मानने के दावे भी झूठे, भ्रामक एवं पूरी तरह निराधार हैं।

मंत्रालय ने नागरिकों से अपील की कि वे ऐसी अफवाहों पर विश्वास न करें और न ही उन्हें फैलाएं। अपुष्ट जानकारी फैलाने से अनावश्यक भ्रम उत्पन्न होता है और यह लोगों को गुमराह कर सकता है। सरकार ने सभी नागरिकों से केवल अधिकृत माध्यमों से जारी आधिकारिक सूचनाओं पर ही भरोसा करने की अपील की। मंत्रालय ने कहा कि नीतिगत फैसलों या सरकारी योजनाओं से संबंधित कोई भी जानकारी आधिकारिक प्रेस विज्ञप्तियों, सरकारी वेबसाइट और सत्यापित सार्वजनिक संचार मंचों के माध्यम से साझा की जाएंगी।

जल्द ही यूपीआई से निकाल सकेंगे पीएफ मंत्री बोले- परीक्षण पूरा

नई दिल्ली, एजेंसी। कर्मचारी भविष्य निधि संगठन के सदस्य जल्द ही यूपीआई के माध्यम से अपना कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) का पैसा सीधे बैंक खातों में ट्रांसफर कर सकेंगे। श्रम मंत्री मनसुख मंडाविया ने मंगलवार को बताया कि इसका परीक्षण पूरा हो गया है।

मांडविया ने संवाददाताओं से कहा कि ईपीएफओ सेवा गुणवत्ता में सुधार के लिए विभिन्न पहल कर रहा है। हमने यूपीआई भुगतान गेटवे का उपयोग करके ईपीएफ से पैसा निकालने की सुविधा देने को लेकर परीक्षण पूरा कर लिया है। इसके तहत निकाली गई राशि सीधे सदस्य के बैंक खाते में अंतरित कर दी जाएगी। श्रम मंत्रालय एक ऐसी परियोजना पर काम कर रहा है जिसके तहत ईपीएफ के एक निश्चित हिस्से पर रोक रहेगी और एक बड़ा हिस्सा यूपीआई का उपयोग करके उनके बैंक खाते के माध्यम से निकाला जा सकेगा।

घबराएं नहीं, अनिश्चितता को अवसर में बदलें उद्यमी

नई दिल्ली, एजेंसी

- इंडिया बिजनेस रिफॉर्म समिट 2026 में बोले वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल

वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मंगलवार को उद्योग जगत से वैश्विक आर्थिक अनिश्चितताओं को अवसर में बदलने का आह्वान करते हुए कहा कि मौजूदा हालात में घबराने की जरूरत नहीं है। गोयल ने यहां 'इंडिया बिजनेस रिफॉर्म समिट 2026'' को संबोधित करते हुए कहा कि वैश्विक भू-राजनीतिक परिस्थितियों को भारत के लिए कारोबारी प्रक्रियाओं को मजबूत करने, सुधारों को तेज करने और आपूर्ति श्रृंखलाओं को अधिक सुदृढ़ बनाने के अवसर के रूप में देखना चाहिए।

उन्होंने कहा कि भारत और प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कभी किसी संकट को यूं ही नहीं जाने दिया है मौजूदा वैश्विक स्थिति भी एक अवसर है, जिसमें हमें अपने व्यवसायिक ढांचे को और मजबूत करने के तरीके खोजने होंगे।

गोयल ने कहा कि कोविड-19 काल के अनुभवों ने डिजिटल माध्यमों और दूरस्थ कार्य प्रणाली की उपयोगिता को साबित किया है। साथ ही पश्चिम एशिया संकट और कृत्रिम मेधा (एआई) जैसी नई प्रौद्योगिकी भी उद्योग के लिए नए अवसर लेकर आई हैं। इस तरह के हालात में हमें घबराने की जरूरत नहीं है। उन्होंने उद्योग जगत से दक्षता बढ़ाने और अपव्यय घटाने का आह्वान किया।

निवेश की पाठशाला

हेल्थ फंड और हेल्थ इंश्योरेंस जानिए दोनों में अंतर और किसका कब करें उपयोग

कारोबार डेस्क, बरेली

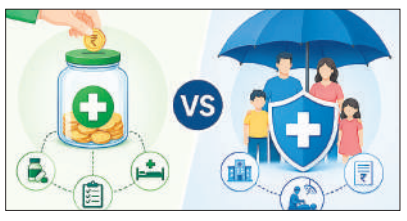

सुरक्षित और स्वस्थ भविष्य के लिए बीमारी के खर्चों के लिए ठोस प्लानिंग अत्यावश्यक है। देश में चिकित्सा दिन प्रतिदिन महंगी होती जा रही है। एक्सपर्ट कहते हैं कि चिकित्सा क्षेत्र की महंगाई 12 से 14% की तेज दर से बढ़ रही है। यह गंभीर स्थिति है। परिवार में किसी की गंभीर बीमारी आपकी जीवन भर की कमाई गंवा सकती है। ऐसे आकस्मिक और बड़े चिकित्सकीय खर्चों से निपटने के लिए हेल्थ इंश्योरेंस एक बेहतर विकल्प है। विस्तार से समझते हैं-

हेल्थ फंड क्या है

- हेल्थ फंड, आपकी बचत का वह हिस्सा है, जो आप इमरजेंसी के लिए अलग रखते हैं। इससे हेल्थ पॉलिसी से बाहर के खर्चों (दवाइयां, या कोई गंभीर स्थिति) को चुका सकते हैं। इसके अलावा इससे आप बीमारी के दौरान नौकरी या आय के नुकसान की भरपाई भी कर सकते हैं।

हेल्थ इंश्योरेंस क्या है

- यह एक ऐसी बीमा पॉलिसी है जिसके लिए आप हर साल किसी बीमा कंपनी को कुछ धनराशि प्रीमियम यानी किस्त के रूप में अदा करते हैं। इसके बदले में बीमा कंपनी, अस्पताल में भर्ती होने पर आपके इलाज का खर्च उठाती है। इसकी कुछ सीमाए या शर्तें होती हैं-मसलन, यह सभी प्रकार की जांचों, कुछ सर्जिकल उपकरणों और बाहरी दवाइयों और रिकवरी के खर्चों को कवर नहीं करतीं।
- इसके अलावा कई बार ऐन वक्त पर कैशलेस क्लेम रिजेक्ट हो जाते हैं। उम्र बढ़ने के साथ इसके प्रीमियम पर आपका कोई नियंत्रण नहीं रहता और आप कंपनी की शर्तों को मानने को मजबूर होते हैं।

कितना और कहां बनाएं अपना हेल्थ फंड

- आपका हेल्थ फंड आपके कुल हेल्थ इंश्योरेंस कवर का लगभग 50 प्रतिशत तक होना आदर्श माना जा सकता है। मान लीजिए आपने 5 लाख का हेल्थ इंश्योरेंस कवर लिया हुआ है, तो आपके पास अलग से ढाई लाख रुपये नकद 'हेल्थ फंड' के रूप में होना चाहिए। यदि आपके आश्रित के रूप में घर में बुजुर्ग माता-पिता या बच्चे हैं, तो यह फंड इंश्योरेंस कवर का 60% (अर्थात तीन लाख) तक कर लेना बेहतर रहेगा। यह एक तरह से आपके इमरजेंसी फंड का ही हिस्सा है।

फंड सुरक्षित रखने के विकल्प

- हेल्थ फंड का पैसा ऐसी जगह रखना चाहिए जहां से उसे जरूरत पड़ने पर तुरंत निकाला जा सके। इसके लिए सबसे सुरक्षित माने जाने वाले विकल्प यहां दिये जा रहे हैं-

1- कुछ हिस्सा अपने मुख्य बैंक खाते से अलग एक अलग बचत खाते में रख सकते हैं।

2-बाकी हिस्सा बैंकों में कराई गई ऐसी एफडी में रखें जो समय से पहले भी कैश करायी जा सकें।

3-इनके आलावा आप डेट म्यूचुअल फंड, में भी पैसे रख सकते हैं, जो सुरक्षा और लिक्विडिटी (पैसे की उपलब्धता) के साथ-साथ एफडी से बेहतर रिटर्न भी देते हैं।

काम की बात

- महंगा इलाज आज का कटु सत्य है। केवल एक स्वास्थ्य बीमा पॉलिसी से आपकी जिम्मेदारी पूरी नहीं हो जाती। इसलिए बीमा पॉलिसी लेने के साथ ही एक पॉलिसी के आज से ही अपना 'इमरजेंसी एंड हेल्थ फंड' बनाना शुरू कर दें। समय रहते की गई यह तैयारी संकट के समय में शारीरिक स्वास्थ्य के साथ ही मानसिक शांति के लिए के लिए वरदान साबित होगी और आपके एसेट्स को खत्म होने से बचाएगी। ...तो सम्पन्न रहिए और स्वस्थ रहिए।

भारत-ईयू के बीच एफटीए से घरेलू वाहन विनिर्माण को मिलेगी मदद

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत-यूरोपीय संघ मुक्त व्यापार समझौता (एफटीए) भारत में अधिक निवेश आकर्षित करने और देश में वाहन विनिर्माण को बढ़ावा देने में मददगार होगा। वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने फिक्की के सम्मेलन में मंगलवार को यह बात कही। दोनों पक्षों ने 27 जनवरी को व्यापार समझौते के लिए बातचीत पूरी होने की घोषणा की। यह समझौता अगले वर्ष से लागू होने की संभावना है। जैन ने कहा कि समझौते पर बातचीत के दौरान वाहन क्षेत्र एक चुनौती के रूप में सामने आया। इसकी वजह यह है कि भारत में आयात शुल्क अधिक है, लेकिन देश ने इस समझौते के माध्यम से उन चुनौतियों को अवसरों में बदल दिया है। जैन ने कहा कि भारत ने इस क्षेत्र में कोटा-आधारित, दीर्घकालिक समाधान प्रदान किए हैं ताकि यूरोपीय संघ को भी रियायतें मिलें और भारतीय उद्योग को पर्याप्त संरक्षण भी प्राप्त हो।

- वाणिज्य मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव दर्पण जैन ने फिक्की के सम्मेलन में दी जानकारी

बदलाव सीएएमएस की 'गोइंग बियॉन्ड दि बॉक्स - रिपोर्ट ऑन वीमेन इनवेस्टर्स 2026' में खुलासा

म्यूचुअल फंड में बढ़ रही है महिलाओं की भागीदारी

चेन्नई, एजेंसी

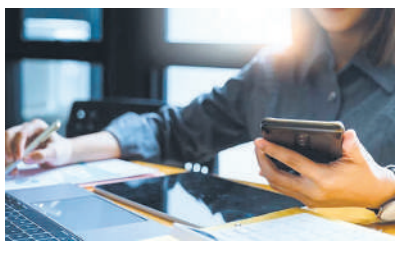

वित्तीय स्वतंत्रता और संपत्ति निर्माण के बारे में बढ़ती जागरुकता के कारण देश में महिला निवेशकों की संख्या लगातार बढ़ रही है और सेवा क्षेत्र के फंड्स में उन्होंने वित्त वर्ष 2025-26 में 11.3 लाख करोड़ रुपये का योगदान दिया है।

देश के सबसे बड़े म्यूचुअल फंड रजिस्ट्रार और एजेंट 'कंप्यूटर एज मैनेजमेंट सर्विसेज' (सीएएमएस) की मंगलवार को जारी रिपोर्ट 'गोइंग बियॉन्ड दि बॉक्स - रिपोर्ट ऑन वीमेन इनवेस्टर्स 2026' में आंतरिक आंकड़ों के हवाले से कहा गया है कि म्यूचुअल फंड एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) में महिलाओं का योगदान अब 11.3 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया है, जिसमें वित्त वर्ष 2025-26 में तीन लाख करोड़ रुपये का सकल इनफ्लो योगदान रहा।

यह देश के निवेश परिदृश्य में महिलाओं की भूमिका में आयी मजबूती को दर्शाता है। सीएएमएस-सेवा वाले म्यूचुअल फंड्स के आंकड़ों पर आधारित यह रिपोर्ट देश में महिला निवेशकों की बढ़ती ताकत और गति को रेखांकित करती है।

लाइव एसआईपी में महिलाओं की हिस्सेदारी 29 प्रतिशत है, जो नियमित और लंबे समय के निवेश की ओर उनके बढ़ते झुकाव को दिखाता है। महिला निवेशकों में लगभग 75 प्रतिशत पचास साल से कम उम्र की हैं, और 35 साल से कम उम्र के वर्ग में खास तौर पर तेजी देखी गयी है। अब 45 प्रतिशत महिला निवेशक शीर्ष 30 शहरों से बाहर के इलाकों से आती हैं, जो देश में म्यूचुअल फंड की गहरी पहुंच का संकेत है।

जागरूक महिलाएं बदल रहीं निवेश का परिदृश्य

सीएएमएस के प्रबंध निदेशक अनुज कुमार ने कहा कि भारत भर के बड़े महानगरों से लेकर उभरते शहरों तक, वित्तीय स्वतंत्रता और संपत्ति निर्माण के बारे में महिलाओं की बढ़ती जागरूकता से निवेश का परिदृश्य बदल रहा है। यह लंबे समय के लिए संपत्ति बनाने के प्रति महिलाओं के दृष्टिकोण में आये बदलाव और निवेश करने में उनके बढ़ते आत्मविश्वास का स्पष्ट प्रतिबिंब है। रिपोर्ट में बताया गया है कि इक्विटी निवेश अभी भी हावी है, लेकिन हाइब्रिड और समाधान-उन्मुख फंड में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है।

वर्ल्ड ब्रीफ

अमेरिका से 198 अरब डॉलर के रक्षा उपकरण खरीदेगा भारत

वाशिंगटन। अमेरिका से भारत 198 .2 अरब अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत के अपाचे हेलीकॉप्टरों के लिए सहायक सेवाएं और उपकरण खरीदने जा रहा है, जिसे अमेरिका ने मंजूरी दे दी है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय ने एम777ए2 अल्ट्रा-लाइट हॉवित्जर के लिए 23 करोड़ अमेरिकी डॉलर की अनुमानित लागत की अनुरक्षण सहायता सेवाओं की बिक्री को भी मंजूरी दी है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि भारत ने एएच-64ई अपाचे रखरखाव सहायता सेवाएं, अमेरिकी सरकार और अनुबंध इंजीनियरिंग, तकनीकी और रसद सहायता सेवाएं, तकनीकी डेटा और प्रकाशन, कर्मियों का प्रशिक्षण तथा रसद और प्रोग्राम से संबंधित अन्य तत्वों को खरीदने का अनुरोध किया है।

क्या नॉर्वे को अडानी को काली सूची से हटाने के लिए मनाया : राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि क्या नॉर्वे ने उनके व्यक्तिगत अनुरोध पर अपने पेंशन फंड की काली सूची से अडानी समूह का नाम हटाने पर सहमति जताई। अडानी समूह की ओर से फिलहाल इस मामले में कोई प्रतिक्रिया नहीं आई है। खबरों के अनुसार, इस साल फरवरी में 12 हजार अरब अमेरिकी डॉलर के सरकारी संपत्ति कोष ने वित्तीय अपराध के आरोपों के चलते अडानी ग्रीन एनर्जी लिमिटेड को अपने पोर्टफोलियो से बाहर करने का फैसला किया था। राहुल गांधी ने इसी को आधार बनाकर सवाल किया। उन्होंने ''एक्स'' पर पोस्ट किया, मोदी जी, क्या नॉर्वे ने अडानी को अपने पेंशन फंड की काली सूची से हटाने के आपके व्यक्तिगत अनुरोध पर सहमति व्यक्त की है।

प. बंगाल में नाटकीय घटनाक्रम, फाल्टा चुनाव में टीएमसी प्रत्याशी ने मैदान छोड़ा

क्षेत्र में शांति और विकास को बताया कारण, मुख्यमंत्री शुभेंदु की सार्वजनिक रूप से की तारीफ

कोलकाता, एजेंसी

तृणमूल कांग्रेस को फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में पुनर्मतदान से ठीक दो दिन पहले तब बड़ा झटका लगा जब पार्टी के उम्मीदवार जहांगीर खान ने मंगलवार को चुनाव मैदान से हटने की घोषणा कर दी। यही नहीं, उन्होंने अपने फैसले के पीछे क्षेत्र में शांति और विकास को कारण बताते हुए पश्चिम बंगाल के मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की सार्वजनिक रूप से तारीफ भी कर डाली। यह नाटकीय घटनाक्रम चुनाव प्रचार समाप्त होने से कुछ घंटे पहले हुई, जिससे राज्य की राजनीति में हलचल तेज हो गई है।

फाल्टा विधानसभा क्षेत्र अभिषेक बनर्जी के लोकसभा क्षेत्र डायमंड हार्बर के अंतर्गत आता है। अभिषेक के करीबी माने जाने वाले खान ने एक संवाददाता सम्मेलन में शुभेंदु अधिकारी के नेतृत्व और प्रशासनिक कार्यशैली की सराहना करते हुए चुनाव से हटने की घोषणा की। इस घटनाक्रम को इसलिए महत्वपूर्ण माना जा रहा है क्योंकि कुछ ही दिन पहले ही भाजपा के उम्मीदवार देबांशु पांडा के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित करते हुए अधिकारी ने कहा था कि जहांगीन खान से निपटने की जिम्मेदारी उनकी है। उन्होंने कहा था, पहले चुनाव प्रक्रिया पूरी होने दीजिए, उसके बाद मैं व्यक्तिगत रूप से इस मामले को देखूंगा। अधिकारी के इस बयान के कुछ ही दिनों बाद जहांगीर के चुनाव से हटने के फैसले ने राजनीतिक गलियारों में कई तरह की अटकलों को जन्म दे दिया है। इसे डायमंड हार्बर क्षेत्र में तृणमूल कांग्रेस पर बढ़ते दबाव और संगठनात्मक दरार के संकेत के रूप में देखा जा रहा है जो पिछले डेढ़ दशक से पार्टी का मजबूत गढ़ माना जाता रहा है।

यह पुनर्मतदान विधानसभा चुनावों के दौरान कई बूथों पर बूथ कब्जाने और बड़े पैमाने पर अनियमितताओं के आरोपों के बाद कराया जा रहा है। फाल्टा पुनर्मतदान पिछले कुछ सप्ताह से राजनीतिक और प्रशासनिक तनाव का केंद्र बना हुआ है। डायमंड हार्बर के पुलिस पर्यवेक्षक अजय पाल शर्मा और जहांगीर खान के बीच टकराव ने भी क्षेत्र की संवेदनशीलता बढ़ा दी थी।

फाल्टा विधानसभा क्षेत्र में मंगलवार को मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने रोड शो किया।

कोई पोलिंग एजेंट नहीं मिला तो भाग गए: शुभेंदु

फाल्टा। मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने दावा किया कि फाल्टा सीट से तृणमूल कांग्रेस के उम्मीदवार जहांगीर खान को कोई पोलिंग एजेंट नहीं मिल पाया, इसी कारण वह चुनाव से भाग गए। फाल्टा में 21 मई को फिर से होने जा रहे चुनाव से पहले प्रचार करते हुए शुभेंदु ने दावा किया कि खान के पास चुनाव से हटने के अलावा कोई विकल्प नहीं था।

चुनाव से हटना जहांगीर का निजी फैसला : तृणमूल

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि फाल्टा चुनाव से पीछे हटना जहांगीर खान का निजी फैसला है, न कि पार्टी का। तृणमूल ने आरोप लगाया कि चार मई को विधानसभा चुनाव परिणाम घोषित होने के बाद क्षेत्र में भय का माहौल बना दिया गया था। फाल्टा में तृणमूल के 100 से अधिक कार्यकर्ताओं को गिरफ्तार किया गया है, पार्टी के कई कार्यालयों में तोड़फोड़ की गई है। इन्हें बंद कर दिया गया है या जबरन कब्जा कर लिया गया है। इस दबाव के बावजूद हमारे कार्यकर्ता अडिग हैं और भाजपा की ओर से एजेंसियों तथा प्रशासन के जरिए दी जा रही धमकियों का लगातार विरोध कर रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि बंगाल विरोधी भाजपा के खिलाफ उसकी लड़ाई राज्य के साथ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में भी जारी रहेगी।

मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी ने जहांगीर खान को दी थी निपटने की चेतावनी

अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों पर अवैध निर्माण को गिराने के लिए नोटिस जारी

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता नगर निगम (केएमसी) ने तृणमूल कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव एवं डायमंड हार्बर से सांसद अभिषेक बनर्जी की संपत्तियों पर कथित अवैध निर्माण को लेकर दो नोटिस जारी किए हैं। इन नोटिस में इन निर्माणों को ध्वस्त करने की चेतावनी दी गई है। ये नोटिस भबानीपुर विधानसभा क्षेत्र के वार्ड 73 में स्थित 121, कालीघाट रोड और 188ए, हरीश मुखर्जी रोड पर स्थित संपत्तियों से संबंधित हैं। एक नोटिस अभिषेक की माता लता बनर्जी के नाम पर जारी किया गया है, दूसरा अभिषेक से जुड़ी कंपनी लीप्स एंड बाउंड्स को भेजा गया है। आरोप है कि दोनों जगह कुछ निर्माण स्वीकृत भवन योजनाओं से हटकर करिया गया है। ऐसे मामलों में नगर आयुक्त को अनधिकृत निर्माण को ध्वस्त कराने या काम रोकने का अधिकार है। दोनों नोटिस में स्पष्टीकरण मांगा गया है कि विध्वंस क्यों न किया जाए। केएमसी ने संपत्तियों से संबंधित भवन योजनाओं, स्वीकृत मानचित्रों और अन्य संबंधित दस्तावेज भी मांगे हैं।

- यह घटनाक्रम मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी की ओर से शनिवार को फाल्टा में चुनावी रैली के दौरान अभिषेक बनर्जी पर तीखा हमला करने के बाद सामने आया है। टीएमसी नेता की कथित संपत्तियों का जिक्र करते हुए अधिकारी ने दावा किया था कि उन्हें अभिषेक की संपत्तियों की सूची मिली है। हर चीज का हिसाब लिया जाएगा।

फाल्टा में चुनाव के दिन पूरे बंगाल में विरोध प्रदर्शन करेगी तृणमूल कांग्रेस

कोलकाता। चुनावी हिंसा की घटनाओं को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने फाल्टा में चुनाव के दिन 21 मई को पूरे राज्य में विरोध प्रदर्शन का एलान किया है। तृणमूल कांग्रेस के प्रवक्ता कुणाल घोष ने मंगलवार को यह घोषणा तब की, जब फाल्टा में उम्मीदवार जहांगीर खान ने चुनावी दौड़ से हटने का एलान किया है। विरोध प्रदर्शन की योजना को पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की अध्यक्षता में हुई तृणमूल विधायकों की बैठक में अंतिम रूप दिया गया। घोष ने कहा कि पार्टी बालीगंज, सियालदह और हावड़ा पर प्रदर्शन करेगी जो चार मई को आए चुनाव परिणामों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं को निशाना बनाकर किए गए हमलों और डराने-धमकाने की घटनाओं के विरोध में होंगे।

तृणमूल कांग्रेस के नेताओं की पूरे बंगाल में ताबड़तोड़ गिरफ्तारियां

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल के विभिन्न हिस्सों से पिछले दो दिनों के भीतर तृणमूल कांग्रेस के नेताओं और पार्टी के करीबियों की सिलसिलेवार गिरफ्तारियों से राज्य में एक नया राजनीतिक तूफान खड़ा हो गया है। इस कार्रवाई को लेकर तृणमूल कांग्रेस ने प्रशासन पर राजनीति से प्रेरित होकर दमनकारी कदम उठाने का आरोप लगाया है।

जबरन वसूली रैकेट और सिंडिकेट चलाने से लेकर मारपीट, डराने-धमकाने और डकैती की साजिश रचने के आरोपों में पुलिस ने कई जिलों से भारी संख्या में नेताओं और पार्टी पदाधिकारियों को गिरफ्तार किया है। विधाननगर में पार्षद सुशोभन मंडल उर्फ 'माइकल' को वसूली के आरोपों में गिरफ्तार कर लिया गया। टीएमसी के करीबी बताए जाने वाले अभिजीत पॉले उर्फ छोटू को भी गिरफ्तार किया है। पुलिस ने तृणमूल की संदेशखली-2 ब्लॉक इकाई के उपाध्यक्ष शाहजहां शेख के करीबी श्रीदाम हावली को गिरफ्तार किया है। बांकुड़ा में छात्र परिषद के नेता सूरज बॉक्स को डकैती की साजिश रचने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है। सुरजीत प्रमाणिक और आकाश गराई को भी गिरफ्तार किया गया है। पूर्व बर्धमान के मोंतेश्वर में पुलिस ने प्रभावशाली नेता अहमद हुसैन शेख को उस समय गिरफ्तार कर लिया, जब वह पुराने मामले में जमानत लेने अदालत पहुंचे थे। हावड़ा में गोलाबाड़ी पुलिस ने मोहम्मद अरशाद अंसारी को गिरफ्तार किया है। उस पर पुलिस और आरएएफ जवानों पर हमले में शामिल होने का आरोप है। अंडाल इलाके में रविवार रात वसूली और कोयला सिंडिकेट चलाने के आरोप में एक बूथ अध्यक्ष सहित तृणमूल के दो नेताओं को गिरफ्तार किया।

- पुलिस ने जबरन वसूली और डकैती की साजिश रचने जैसे आरोप लगाए

राजनीतिक प्रतिशोध के लिए चलाया जा रहा है अभियान : टीएमसी

ये गिरफ्तारियां मुख्यमंत्री और राज्य के पुलिस मंत्री शुभेंदु अधिकारी के पार्क सर्कस में एक जनसभा के दौरान दी गई उस चेतावनी के बाद शुरू हुई हैं जिसमें उन्होंने कहा था कि पुलिसकर्मियों पर हमला किया गया तो किसी को भी बख्शा नहीं जाएगा। इस बीच तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि ये गिरफ्तारियां पूरे राज्य में सत्ताधारी दल के कार्यकर्ताओं और नेताओं को निशाना बनाने के लिए राजनीतिक प्रतिशोध की भावना से चलाए जा रहे एक सुनियोजित अभियान का हिस्सा हैं।

नेपाल के नए प्रधान न्यायाधीश बने मनोज कुमार शर्मा

काठमांडू। मनोज कुमार शर्मा ने मंगलवार को नेपाल के उच्चतम न्यायालय के नए प्रधान न्यायाधीश (सीजे) के रूप में शपथ ली।

संसदीय सुनवाई समिति ने सर्वसम्मति से उनके नाम का समर्थन किया और मंगलवार को इसे राष्ट्रपति रामचंद्र पौडेल को भेज दिया। इसके बाद पौडेल ने शर्मा को हिमालयी देश के उच्चतम न्यायालय का प्रधान न्यायाधीश नियुक्त किया। प्रधानमंत्री बालेंद्र शाह की अध्यक्षता वाली संवैधानिक परिषद ने सात मई को शर्मा के नाम की सिफारिश की थी। प्रकाश मान सिंह राउत के अप्रैल में सेवानिवृत्ति के बाद से प्रधान न्यायाधीश का पद रिक्त रहा था।

मीडिया प्रतिबंध : न्यूयॉर्क टाइम्स ने पेंटागन के खिलाफ दायर किया दूसरा मुकदमा

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिकी दैनिक अखबार 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने सोमवार को पांच महीनों में दूसरी बार अमेरिकी रक्षा विभाग के खिलाफ मुकदमा दायर किया और दलील दी कि रक्षा विभाग के मुख्यालय पेंटागन परिसर में पत्रकारों के लिए अधिकारियों की निगरानी (एस्कॉर्ट) में रिपोर्टिंग करने की अनिवार्यता की नीति प्रेस की स्वतंत्रता से संबंधित अमेरिकी संविधान के पहले संशोधन का उल्लंघन है।

समाचार पत्र के प्रवक्ता चार्ली स्टैडलैंडर ने बताया है कि एस्कॉर्ट नीति सैन्य मामलों पर स्वतंत्र रिपोर्टिंग रोकने की पेंटागन की असंवैधानिक कोशिश है। उन्होंने कहा, जैसा कि हम पहले भी कह चुके हैं, अमेरिकी नागरिकों को यह जानने का अधिकार है कि उनकी सरकार कैसे काम कर रही है और सेना जनता के लिए तथा उनके कर के पैसे से क्या कदम उठा रही है। रक्षा मंत्रालय ने टाइम्स के इस नए मुकदमे को गोपनीय जानकारी तक पहुंच बनाने के लिए उठाया गया कदम करार दिया। याचिका अमेरिकी मीडिया और डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के बीच लगातार बढ़ते टकराव की एक और कड़ी है। यह संघर्ष कभी सार्वजनिक मंचों पर तो कभी अदालतों में खुलकर सामने आता रहा है।

- रक्षा मुख्यालय में अधिकारियों की निगरानी में रिपोर्टिंग की अनिवार्यता का विरोध

अखबार ने कहा कि उसने यह मुकदमा दिसंबर में पेंटागन पर पहली बार दायर किए गए मुकदमे के बाद दायर किया, जो रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ की ओर से लगाए गए नए नियमों के खिलाफ थी। इस अंतरिम नीति को पेंटागन ने तब लागू किया था जब एक संघीय न्यायाधीश ने मूल मुकदमे में द टाइम्स के पक्ष में फैसला दिया था। नई नीति में पेंटागन में पत्रकारों के साथ हर समय एस्कॉर्ट अनिवार्य कर दिया गया। इसे मार्च में अमेरिकी डिस्ट्रिक्ट जज के उस फैसले के बाद लागू किया गया जिसमें उन्होंने मीडिया पर लगाई गई पूर्व पाबंदियों को रद्द करते हुए कहा था कि ये टाइम्स के संवाददाता जूलियन ई. बार्न्स और अखबार के अधिकारों का हनन करती हैं।

स्पेन की अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री के खिलाफ शुरू की जांच

मैड्रिड। स्पेन की एक अदालत ने पूर्व प्रधानमंत्री जोस लुइस रोड्रिग्ज जपटैरो के खिलाफ सरकारी एयरलाइन को आर्थिक सहायता देने में पद के दुरुपयोग और अन्य संभावित अपराधों की जांच शुरू की है।

मैड्रिड की राष्ट्रीय अदालत स्पेन सरकार की ओर से प्लस अल्ट्रा एयरलाइन को बचाने के संबंध में संभावित वित्तीय गड़बड़ी की जांच कर रही है, जिसे 2021 में कोविड-19 रिकवरी फंड के हिस्से के रूप में सार्वजनिक धन से 5.3 करोड़ यूरो (अब 6.2 करोड़ अमेरिकी डॉलर) प्राप्त हुए थे।

योगी की टिप्पणी पर बोले रीजीजू... राजनीतिक बयानबाजी करके तनाव नहीं बढ़ाना चाहिए

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय अल्पसंख्यक कार्य मंत्री किरेन रीजीजू ने सड़कों पर नमाज पढ़ने के संदर्भ में उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की ओर से की गई टिप्पणी पर मंगलवार को कहा कि किसी भी नेता को राजनीतिक बयानबाजी से तनाव नहीं पैदा करना चाहिए। उन्होंने कहा कि सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के लिए सभी को कानून का पालन करना होगा।

राष्ट्रीय अल्पसंख्यक आयोग की ओर से बुलाए गए राज्य अल्पसंख्यक आयोगों के एक सम्मेलन के बाद रीजीजू ने मीडिया से कहा कि राजनीतिक बयानबाजी से सांप्रदायिक सद्भाव नहीं बिगड़ना चाहिए। उन्होंने शांतिपूर्ण सहअस्तित्व पर भी जोर दिया। उन्होंने कहा, मेरा कहना है कि कोई भी हो, चाहे राजनेता हों या सामाजिक कार्यकर्ता, हमें तनाव पैदा नहीं करना है। हर भारतीय को एक-दूसरे के साथ सद्भाव से रहना होगा। मंत्री ने कहा, हम सभी को एक साथ रहना है। लेकिन सभी को कानून का पालन करना होगा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सड़कों पर नमाज अदा करने को लेकर चेतावनी देते हुए सोमवार को कहा था कि धार्मिक स्थलों पर अलग-अलग पालियों में धर्म से संबंधित गतिविधियां की जानी चाहिए। आदित्यनाथ ने कहा था कि उनकी सरकार सड़क जाम करके नमाज या किसी अन्य धार्मिक गतिविधि की अनुमति नहीं देगी।

- कहा- सांप्रदायिक सौहार्द बनाए रखने के लिए सभी को करना होगा कानून का पालन

अमेरिका : सैन डिएगो की मस्जिद में दो किशोरों ने की गोलीबारी, तीन की मौत

सैन डिएगो। अमेरिका के सैन डिएगो में स्थित एक मस्जिद में दो किशोरों ने सोमवार को गोलीबारी की जिसमें तीन लोगों की मौत हो गई। इसके बाद मस्जिद से कुछ दूर जाकर दोनों हमलावरों ने खुद को भी गोली मार ली।

सैन डिएगो पुलिस प्रमुख स्कॉट वॉल ने मीडिया से कहा कि सैन डिएगो इस्लामिक सेंटर पर हुए इस हमले की घटना की जांच घृणा अपराध के रूप में की जा रही है। वॉल ने कहा कि अधिकारियों ने दिन में दो किशोरों में से एक की मां से बात की थी जिसने सुबह लगभग 9:40 बजे पुलिस से संपर्क करके बताया था कि उनका बेटा अपने वाहन के साथ लापता है और उसके पास कई हथियार भी हैं। हम इस जानकारी की सहायता से घटना की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रहे हैं। वॉल ने कहा कि जिस किशोर की मां ने उनसे संपर्क किया था वह मैडिसन हाई स्कूल में पढ़ता था जो इस्लामिक सेंटर से करीब एक मील दूर है।

ओस्लो में भारत ने खारिज किए मानवाधिकार हनन के आरोप

ओस्लो, एजेंसी

भारत ने तीन दिन में दूसरी बार मानवाधिकार हनन के आरोपों को सिरे से खारिज कर दिया। विदेश मंत्रालय में सचिव (पश्चिम) सिबी जॉर्ज ने इन आरोपों का जवाब देते हुए न्याय, स्वतंत्रता तथा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के भारत के संवैधानिक मूल्यों को रेखांकित किया।

नॉर्वे की पत्रकार हेली लेंग स्वेन्डसेन ने सवाल पूछा था कि भारत में मानवाधिकार हनन के बावजूद उस पर भरोसा क्यों किया जाना चाहिए। वरिष्ठ राजनयिक सोमवार रात संवाददाता सम्मेलन को संबोधित कर रहे थे, जिसमें उन्होंने मीडिया को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और नॉर्वे के प्रधानमंत्री जोनास गहर स्टोर के बीच हुई द्विपक्षीय वार्ता की जानकारी दी। इससे पहले, हेली ने प्रधानमंत्री मोदी से सवाल पूछने की असफल कोशिश की, जब मोदी और स्टोर ने अपने प्रेस वक्तव्य दिए थे। इससे पहले मीडिया को बताया गया था कि दोनों नेता सवालों के जवाब नहीं देंगे।

- मोदी के विदेशी दौरे के बीच तीन के अंदर लगाए गए ऐसे आरोप

- भारत के विदेश सचिव ने दिया संवैधानिक मूल्यों का हवाला

शनिवार शाम को हेग में भी दो डच पत्रकारों ने जॉर्ज से भारत में अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता कम होने के बारे में इसी तरह के प्रश्न पूछे थे। नीदरलैंड और स्वीडन की यात्रा के बाद प्रधानमंत्री मोदी ओस्लो पहुंचे थे। हेली के प्रश्न का उत्तर देते हुए जॉर्ज ने विस्तार से बताया कि भारत इतने सारे देशों का विश्वसनीय साझेदार क्यों रहा है और नई दिल्ली द्वारा जी20 शिखर सम्मेलन, वॉयस ऑफ द ग्लोबल साउथ शिखर सम्मेलन और एआई इम्पैक्ट शिखर सम्मेलन की सफल मेजबानी का उदाहरण दिया। कोविड-19 के दौरान भारत द्वारा 100 से अधिक देशों को टीके भेजने का भी उल्लेख किया और तर्क दिया कि गंभीर चुनौतियों से निपटने में भारत के योगदान के कारण वैश्विक स्तर पर भारत पर भरोसा किया जाता है।

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष — आज मार्केटिंग गतिविधियों में बहुत अच्छा लाभ होगा। नौकरीपेशा लोगों पर काम का दबाव बढ़ेगा। नए अनुबन्धों के होने के योग बन रहे हैं।

वृष — आज मनोबल और आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। घरेलू समस्याओं का समाधान प्राप्त होगा। सहकर्मियों के प्रति अपना व्यवहार सौम्य रखें।

मिथुन — आज आपकी आय में कुछ कमी हो सकती है। आप अपने जीवन से संतुष्ट रहेंगे। आप लोगों से मिलना पसन्द करेंगे।

कर्क — आज आपको कार्यक्षेत्र में थोड़ी सावधानी रखनी चाहिए। दिमाग में अनावश्यक विचारों का प्रभाव कुछ अधिक ही बढ़ सकता है।

सिंह — आज मैनेजमेन्ट संबंधी कार्यक्षेत्र में बड़ा लाभ हो सकता है। पिता का मार्गदर्शन आपके लिए आज अत्यंत महत्वपूर्ण होगा।

कन्या — आज स्वास्थ्य की समस्याओं से छुटकारा मिलेगा। सभी काम समय पर पूर्ण हो जायेंगे। आय के अतिरिक्त और नए स्रोत बन सकते हैं।

तुला — आज राजनीति से जुड़े लोगों का मान-सम्मान बढ़ेगा। महिलाओं को हार्मोनल असन्तुलन जैसी समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है।

वृश्चिक — आज आपको उधार धन देने से बचना चाहिए। आलस्य और लापरवाही के कारण व्यापार में अच्छे अवसर चूक सकते हैं।

धनु — आज पति-पत्नी के बीच किसी मामले को लेकर कहासुनी हो सकती है। हालांकि व्यवहार-कुशलता से आप परिस्थितियों को पक्ष में कर लेंगे।

मकर — आज अपनी उपलब्धियों पर गर्व की अनुभूति कर सकते हैं। प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी कर रहे लोगों को अच्छी सफलता मिल सकती है।

कुंभ — आज समाज से जुड़े मुद्दों को लेकर मुखर हो सकते हैं। कब्ज और पेट-दर्द जैसी समस्या हो सकती है।

मीन — आज संतान आपसे अत्यधिक अपेक्षा रखेंगे। घर की बात को बाहर न निकलने दें। अनजान लोगों पर अधिक विश्वास न करें।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

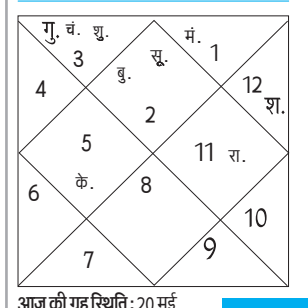

आज की ग्रह स्थिति : 20 मई, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष- शुक्ल पक्ष, चतुर्थी 11.06 तक तत्पश्चात पंचमी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**-ग्रीष्म।

चन्द्रबल-मेष, मिथुन, सिंह, कन्या, धनु, मकर।

ताराबल- अश्विनी, कृतिका, मृगशिरा, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद।

नक्षत्र-आर्द्रा 06.11 तक तत्पश्चात पुनर्वसु।

सुडोकू - 154 का हल

8	1	7	4	6	5	2	9	3
4	2	5	1	9	3	6	7	8
6	3	9	2	7	8	1	5	4
5	9	6	3	2	1	8	4	7
3	7	4	6	8	9	5	1	2
1	8	2	7	5	4	3	6	9
2	5	8	9	4	6	7	3	1
9	6	1	8	3	7	4	2	5
7	4	3	5	1	2	9	8	6

सुडोकू -155

			1			3	4	
4	5							
	4	5					7	8
9								5
	1	7					9	6
							6	9
	6	2	3					

बेंगलुरु में यूपी का भव्य उत्सव

आध्यात्म, संस्कृति और उत्सव का अद्भुत संगम

कथक की मोहक लय से लेकर काशी की आध्यात्मिक आभा तक, लोक संगीत की मिट्टी से जुड़ी धुनों से लेकर भारत की प्राचीन सांस्कृतिक परंपराओं तक... द आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित होने जा रहा उत्तर प्रदेश महोत्सव अब बेंगलुरु के दिल में उत्तर प्रदेश के रंगों को साकार करने के लिए तैयार है।

बेंगलुरु। जब उत्तर भारत की सांस्कृतिक विरासत दक्षिण भारत की युवा ऊर्जा से संगीत, अध्यात्म, नृत्य, भोजन और उत्सव के माध्यम से मिलती है, तब एक असाधारण अनुभव जन्म लेता है। ऐसा ही एक अनूठा और भव्य अनुभव 21 मई से शुरू हो रहे उत्तर प्रदेश महोत्सव में देखने को मिलेगा, जिसका आयोजन द आर्ट ऑफ लिविंग इंटरनेशनल सेंटर, बेंगलुरु में चार दिनों तक किया जाएगा।

उत्तर प्रदेश पर्यटन एवं संस्कृति विभाग के सहयोग से आयोजित यह महोत्सव एक ऐतिहासिक सांस्कृतिक संगम बनने जा रहा है, जहां द आर्ट ऑफ लिविंग का शांत और आध्यात्मिक परिसर उत्तर प्रदेश की विरासत, आध्यात्म, कला और स्वादों के रंगों से जीवंत हो उठेगा। इस विशेष पहल के केंद्र में वह व्यापक दृष्टि है, जिसे वैश्विक आध्यात्मिक गुरु गुरुदेव श्री श्री रवि शंकर वर्षों से आगे बढ़ाते रहे हैं, ऐसी दृष्टि, जहां संस्कृति, अध्यात्म और समाज क्षेत्रीय सीमाओं से परे जाकर एक सूत्र में जुड़ते हैं।

चार दिनों तक आश्रम भक्ति, संगीत और कला के जीवंत उत्सव में परिवर्तित होता दिखाई देगा। लोक प्रस्तुतियां, शास्त्रीय राग, मनोहारी कथक नृत्य, आध्यात्मिक कथावाचन, हस्तशिल्प बाज़ारों की रौनक और उत्तर प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों की सुगंध मिलकर ऐसा वातावरण रचेंगी, जो एक ओर भारतीय परंपरा में गहराई से रचा-बसा होगा और दूसरी ओर आधुनिकता की ताजगी से भी भरपूर।

महोत्सव में पद्म भूषण से सम्मानित पंडित साजन मिश्रा, प्रसिद्ध लोकगायिका एवं पद्मश्री सम्मानित उर्मिला श्रीवास्तव, डॉ. रुचि खरे और गीतांजलि जी सहित अनेक ख्यातिप्राप्त कलाकार अपनी प्रस्तुतियां देंगे। संगीत, नृत्य और कथाओं के माध्यम से बनारस, लखनऊ, मथुरा और पूर्वांचल की समृद्ध कलात्मक परंपराओं को जीवंत किया जाएगा। लोक संस्कृति की मिट्टी से जुड़ी जीवंतता से लेकर हिंदुस्तानी शास्त्रीय संगीत की गरिमा तक, तथा भगवान श्रीकृष्ण और भगवान श्रीराम की परंपराओं से प्रेरित रास-आधारित प्रस्तुतियाँ इस महोत्सव की संध्याओं को दृश्यात्मक रूप से भव्य और भावनात्मक रूप से गहन बना देंगी।

मंच तक सीमित नहीं रहेगा यह अनुभव... आगंतुकों को विशेष रूप से तैयार की गई पर्यटन और आध्यात्मिक प्रदर्शनियों को देखने का अवसर भी मिलेगा, जिनमें अयोध्या, काशी, मथुरा, प्रयागराज, दीपोत्सव और कुंभ मेले की भव्यता प्रदर्शित होगी। इंटरएक्टिव इंस्टॉलेशन और आधुनिक दृश्यात्मक प्रस्तुतियों के जरिए से उत्तर प्रदेश की पवित्र सांस्कृतिक धरोहर और आध्यात्मिक भूगोल को नए, अनुभवात्मक और समकालीन रूप में प्रस्तुत किया जाएगा।

और फिर बात आती है भोजन की... जो निस्संदेह महोत्सव का सबसे बड़ा आकर्षण बनने जा रहा है। मथुरा के पेड़े और आगरा के पेठे से लेकर मसालेदार दालमोठ, नमकीन और उत्तर प्रदेश के पारंपरिक व्यंजनों तक, यह महोत्सव स्वाद की प्रामाणिक यात्रा का अनुभव कराएगा। इस अनुभव को और विशेष बनाते हुए आश्रम की रसोई लगभग 2,000 आगंतुकों और निवासियों के लिए उत्तर प्रदेश शैली में विशेष महाप्रसाद तैयार करेगी, जो केवल भोजन नहीं बल्कि राज्य की आत्मीयता और अतिथि-सत्कार की परंपरा का भी परिचय देगा।

महोत्सव में उत्तर प्रदेश सरकार के उद्योग एवं एमएसएमई विभाग की महत्वाकांक्षी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट पहल को भी विशेष रूप से प्रदर्शित किया जाएगा। विभिन्न स्टॉल्स के माध्यम से राज्य की विशिष्ट शिल्प परंपराएँ और जिलों की पहचान बने उत्पाद प्रस्तुत किए जाएंगे, जिनमें बनारसी सिल्क साड़ियां, लखनऊ की चिकनकारी, मिर्जापुर और भदोही के कालीन एवं दरी सहित अनेक हस्तशिल्प उत्पाद शामिल होंगे।

- उत्सव के पीछे एक गहरी एवं सार्थक साझेदारी भी है। द आर्ट ऑफ लिविंग और उत्तर प्रदेश की संस्थाओं के बीच कुछ वर्षों में आध्यात्मिक, पर्यावरणीय और सामुदायिक पहलों को लेकर सहयोग लगातार बढ़ा है। अयोध्या के आध्यात्मिक महत्व वाले 108 कुंडों के पुनरुद्धार के लिए द आर्ट ऑफ लिविंग के श्री श्री रूरल डेवलपमेंट प्रोग्राम और अयोध्या नगर निगम के बीच महत्वपूर्ण समझौता प्रस्तावित है। इसके अतिरिक्त विद्यालयों, युवा सशक्तीकरण और पर्यावरण संरक्षण से जुड़े कई अन्य सहयोगों पर भी चर्चा चल रही है।
- उत्तर प्रदेश की राज्यपाल आनंदीबेन पटेल के 22 मई को कार्यक्रम में शामिल होने की संभावना है। राज्य सरकार के विभिन्न मंत्रालयों के प्रतिनिधि और कई गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहेंगे। उप्र विधानसभा के अध्यक्ष सतीश महाना ने 14 मई को आश्रम पहुंचकर गुरुदेव श्री श्री रविशंकर से भेंट भी की थी।
- आयोजकों का मानना है कि महोत्सव एक सांस्कृतिक आयोजन नहीं, बल्कि एक व्यापक संवाद की शुरुआत है। ऐसा अवसर, जो एक दशक में प्रदेश की सामाजिक-आर्थिक प्रगति को देश के सामने नए स्वरूप में प्रस्तुत करेगा।

बेंगलुरु में चार दिनों तक उत्तर प्रदेश केवल प्रदर्शित नहीं होगा... वह गाएगा, नाचेगा, उत्सव मनाएगा... और पूरे शहर की धड़कन बन जाएगा।

मैं केवल सब कुछ साधारण रखना चाहता था, जितने अधिक ओवर हो सकें बल्लेबाज़ी करना चाहता था। क्योंकि बाएं हाथ का बल्लेबाज़ मौजूद होने से गेंदबाज़ों के लिए हर समय अपनी लाइन और लेंथ को सही रख पाना कठिन हो जाता है।
-ईशान किशन, सनराइजर्स हैदराबाद

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 20 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज का मुकाबला

कोलकाता नाइट राइडर्स — बनाम — मुंबई इंडियंस

समय - शाम 7:30 बजे

स्थान : कोलकाता

हाईलाइट

आर्सेनल 22 साल में अपने पहले प्रीमियर लीग खिताब के करीब

लंदन, एजेंसी। काई हावर्ट्ज के पहले हाफ में किए गए गोल की मदद से आर्सेनल कुछ तनाव भरे पलों से गुजरने के बाद बर्नली पर 1-0 से जीत हासिल करके 22 साल में पहली बार प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल टूर्नामेंट का खिताब जीतने के करीब पहुंच गया। इस जीत से आर्सेनल के 37 मैच में 82 अंक हो गए हैं और अगर वह रविवार को होने वाले अंतिम दौर के मैच में क्रिस्टल पैलेस को हरा देता है तो वह चैंपियन बन जाएगा। मैनचेस्टर सिटी 36 मैच में 77 अंक के साथ दूसरे स्थान पर है और उसे खिताब की दौड़ में बने रहने के लिए के लिए अपने अगले मैच में बोर्नमाउथ को हराना होगा।

ईस्ट बंगाल ने दूसरी बार आईडब्ल्यूएल ट्रॉफी जीती

कोलकाता, एजेंसी। इंडियन विमेंस लीग 2025-26 सीज़न की नई चैंपियन ईस्ट बंगाल एफसी ने ईस्ट बंगाल ग्राउंड पर श्रीभूमि फुटबॉल क्लब के खिलाफ 2-0 से जीत के साथ मैच खत्म किया, जबकि गोकुलम केरल एफसी को नीता फुटबॉल एकेडमी ने उसी जगह पर 1-1 से ड्रॉ पर रोका। नेशनल सेंटर ऑफ़ एक्सीलेंस में, किकस्टार्ट एफसी, कर्नाटक और सेथु एफसी ने 1-1 से ड्रॉ खेला, जबकि गढ़वाल यूनाइटेड एफसी ने सोमवार को सेसा फुटबॉल एकेडमी के खिलाफ 3-1 से जीत हासिल की। जबकि ईस्ट बंगाल ने एक मैच बाकी रहते ही टाइटल पक्का कर लिया था, गढ़वाल यूनाइटेड एफसी, सेसा के खिलाफ अपनी जीत के साथ रेलीगेशन से बचने में कामयाब रहा। इस बीच, श्रीभूमि अगले सीज़न में सेसा एफए के साथ आईडब्ल्यूएल 2 में चली जाएगी। मैच खत्म होने के बाद, ईस्ट बंगाल को ट्रॉफी दी गई।

अंकित, जयेश पाटिल पर नाडा ने लगाया तीन साल का डोपिंग प्रतिबंध

नई दिल्ली,एजेंसी। सेना खेल नियंत्रण बोर्ड (एसएससीबी) के अंकित और रेलवे के जयेश पाटिल पर राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) ने तीन साल का प्रतिबंध लगा दिया है। इन दोनों का परीक्षण प्रतिबंधित पदार्थ 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। अंकित ने 69वीं राष्ट्रीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में तीसरा स्थान हासिल किया था जबकि पाटिल इसी स्पर्धा में पांचवें स्थान पर रहे थे। दोनों एथलीटों ने अपने ऊपर लगे आरोपों को स्वीकार कर लिया जिसके चलते उनके प्रतिबंध की अवधि में एक साल की कटौती कर दी गई। यह प्रतिबंध अंकित के लिए 25 फरवरी से और पाटिल के लिए 27 फरवरी से लागू हो गया है। बीस वर्षीय पाटिल 2024 जूनियर राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 3000 मीटर स्टीपलचेज के रजत पदक विजेता भी हैं। दोनों एथलीट का टेस्ट 'मेल्डोनियम' के लिए पॉजिटिव आया था। यह पदार्थ विश्व डोपिंग रोधी एजेंसी (वाडा) की प्रतिबंधित पदार्थों की सूची में शामिल है।

बुमराह को आराम, राहुल उपकप्तान, प्रिंस पहली बार वनडे टीम में

गुवाहाटी, एजेंसी

राष्ट्रीय चयनकर्ताओं ने तेज व स्पिन विभाग में पारंपरिक सोच पर जताया भरोसा

- भारतीय चयनकर्ताओं ने पंजाब के लंबे कद के तेज गेंदबाज गुरनूर बरार और राजस्थान के मानव सुतार की कलात्मक खब्बू स्पिन गेंदबाजी को ध्यान में रखते हुए छह जून से शुरू होने वाले अफगानिस्तान के खिलाफ एकमात्र टेस्ट मैच के लिए उन्हें पहली बार राष्ट्रीय टीम में शामिल किया है। छह फीट और पांच इंच लंबे बरार को 14 जून से शुरू होने वाली अफगानिस्तान के खिलाफ तीन मैचों की वनडे श्रृंखला के लिए भी टीम में जगह मिली है। दिल्ली के तेज गेंदबाज प्रिंस यादव ने आईपीएल में अपने शानदार प्रदर्शन के दम पर वनडे टीम में स्थान बनाया है। स्पिन गेंदबाजी में हर्ष दुबे सुतार का साथ देंगे। ये दोनों अक्षर पटेल (जिन्हें टीम से बाहर कर दिया गया है) और अनुभवी रविंद्र जडेजा (जिन्हें आराम दिया गया है) की जगह टीम में शामिल किए गए हैं।

अफगानिस्तान के ख़िलाफ टीम इंडिया की टेस्ट व वनडे टीम घोषित

तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को अफ़ग़ानिस्तान के ख़िलाफ घर पर एकमात्र टेस्ट और तीन वनडे मुक़ाबलों के लिए चयनित भारतीय दल से आराम दिया गया है। जबकि टेस्ट दल में केएल राहुल ने उपकप्तान के रूप में ऋषभ पंत की जगह ली है। तेज गेंदबाज प्रिंस यादव को पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। पिछले साल नवंबर में दक्षिण अफ़्रीका के ख़िलाफ़ मिली 2-0 की हार के बाद भारत पहली बार टेस्ट खेलेगा। बुमराह के अलावा उस दल से नदारद रहने वाले खिलाड़ियों में बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर अक्षर पटेल और रवींद्र जडेजा और तेज़ गेंदबाज़ आकाश दीप शामिल हैं।

टेस्ट दल में बाएं हाथ के स्पिन ऑलराउंडर मानव सुथार और तेज गेंदबाज गुरनूर बराड़ को पहली बार बुलावा आया है जबकि बाएं हाथ के स्पिनर हर्ष दुबे को भी जगह मिली है।

आईपीएल 2026 में अपनी तेज गेंदबाज़ी से प्रभावित करने वाले प्रिंस यादव को पहली बार भारतीय वनडे दल में जगह मिली है। प्रिंस के साथ ही बराड़ और दुबे को भी पहली बार वनडे टीम में जगह मिली है। इशान किशन और हार्दिक पंड्या ने वनडे टीम में वापसी की है, जबकि जनवरी में न्यूज़ीलैंड के ख़िलाफ़ खेली गई तीन मैचों की वनडे सीरीज़ के लिए भारतीय दल से आयुष बदोनी, पंत, जडेजा, हर्षित राणा और मोहम्मद सिराज बाहर हैं।

इस सीरीज़ में भारत को 2-1 से हार का सामना करना पड़ा था। एकमात्र टेस्ट 6 जून को न्यू चंडीगढ़ में शुरू होगा। जबकि तीन वनडे 14, 17 और 20 जून को क्रमशः धर्मशाला, लखनऊ और चेन्नई में खेले जाएंगे।

भारतीय टेस्ट दल

शुभमन गिल (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल (उपकप्तान), साई सुदर्शन, ऋषभ पंत, देवदत्त पड़िक्कल, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मोहम्मद सिराज, प्रसिद्ध कृष्णा, मानव सुथार, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे, ध्रुव जुरेल।

भारतीय वनडे दल

शुभमन गिल (कप्तान), रोहित शर्मा, विराट कोहली, श्रेयस अय्यर (उपकप्तान), केएल राहुल, इशान किशन, हार्दिक पंड्या, नीतीश कुमार रेड्डी, वॉशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, अर्शदीप सिंह, प्रसिद्ध कृष्णा, प्रिंस यादव, गुरनूर बराड़, हर्ष दुबे।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	13	9	4	0	18	1.065
2.	गुजरात टाइटंस	13	8	5	0	16	0.400
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	13	8	5	0	16	0.350
4.	राजस्थान रॉयल्स	13	7	6	0	14	0.083
5.	पंजाब किंग्स	13	6	6	1	13	0.227
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	13	6	7	0	12	-0.016
7.	दिल्ली कैपिटल्स	13	6	7	0	12	-0.871
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	12	5	6	1	11	-0.038
9.	मुंबई इंडियंस	12	4	8	0	8	-0.504
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	13	4	9	0	8	-0.702

ऑरेंज कैप

- हेनरिच क्लासेन हैदराबाद-555 रन
- साई सुदर्शन गुजरात-554 रन
- शुभमन गिल गुजरात -552 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-24 विकेट
- कागिसो रबाडा गुजरात-21 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई-20 विकेट

कोलकाता नाइट राइडर्स के लिए करो या मरो का मुकाबला आज

कोलकाता, एजेंसी

टूर्नामेंट की खराब शुरुआत के कारण अगर मगर की कठिन डगर में फंसी कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) की टीम को अगर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को जीवंत रखना है तो उसे मुंबई इंडियंस के खिलाफ बुधवार को यहां होने वाले मैच में किसी भी तरह की कसर नहीं छोड़नी होगी। मुंबई इंडियंस की टीम प्लेऑफ की दौड़ से पहले ही बाहर हो चुकी है लेकिन वह केकेआर के समीकरण बिगाड़ने के लिए प्रतिबद्ध होगी। अगर इस मैच में केकेआर हार जाती है, तो अजिंक्य रहाणे के नेतृत्व में लगातार दूसरे सत्र में उसकी टीम प्लेऑफ में जगह बनाने में नाकाम रहेगी। श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में खिताब जीतने के एक साल बाद 2025 में केकेआर आठवें स्थान पर रहा था।

मुंबई के खिलाफ जीत से भी केकेआर का काम पूरा नहीं होगा। उसका भाग्य अभी भी शनिवार को लखनऊ सुपर जायंट्स और पंजाब किंग्स के बीच होने वाले मैच पर निर्भर करेगा। अगर पंजाब वह मैच जीत जाता है, तो रविवार को दिल्ली कैपिटल्स के खिलाफ केकेआर का आखिरी लीग मैच महज औपचारिकता रह जाएगा। मौजूदा चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु, गुजरात टाइटन्स और सनराइजर्स हैदराबाद पहले ही प्लेऑफ में अपनी जगह पक्की कर चुके हैं, जबकि लखनऊ सुपर जायंट्स और मुंबई इंडियंस प्रतियोगिता से बाहर हो चुके हैं।

बदलाव के दौर से गुजर रहा सीएसके : अश्विन

- **चेन्नई।** पूर्व भारतीय क्रिकेटर रविचंद्रन अश्विन ने चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) के कप्तान रुतुराज गायकवाड़ का समर्थन करते हुए कहा कि महेंद्र सिंह धोनी के कप्तानी छोड़ने के बाद आईपीएल की यह टीम स्पष्ट रूप से बदलाव के दौर से गुजर रही है। गायकवाड़ ने 2024 में सीएसके की कप्तानी संभाली थी और अश्विन ने कहा कि आईपीएल जैसे दबाव वाले टूर्नामेंट में किसी टीम का नेतृत्व करना आसान नहीं है। उन्होंने गायकवाड की कप्तानी को लेकर धैर्य बनाए रखने की भी अपील की।

वैभव की आतिशी पारी से आरआर ने एलएसजी को हराया

आईपीएल 2026 : राजस्थान रॉयल्स ने सात विकेट से जीता मुकाबला, प्लेऑफ के लिए बढ़ाया कदम

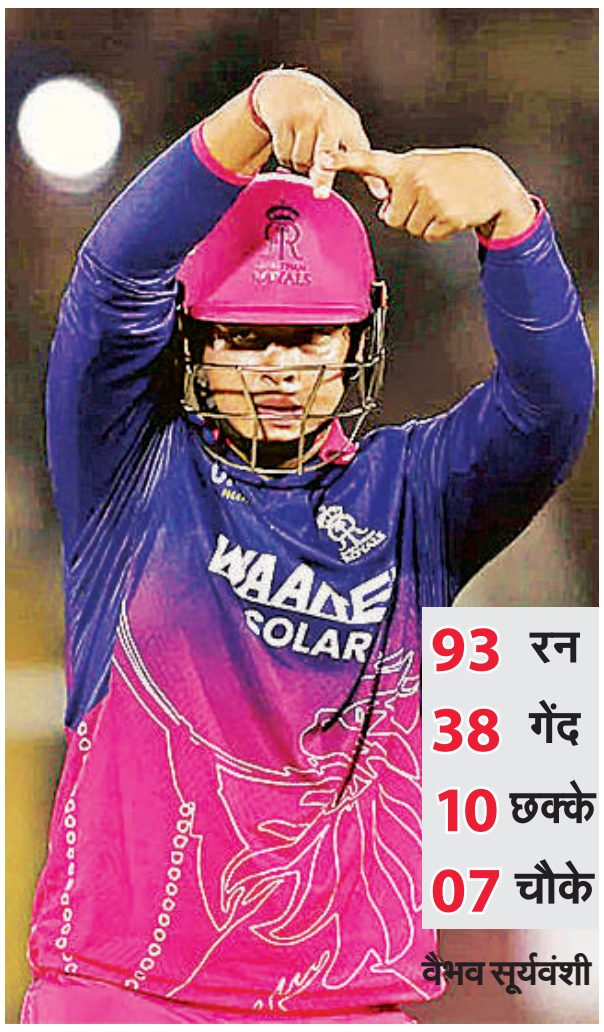

जयपुर, एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी की 38 गेंदों में 93 रन की आक्रामक पारी की बदौलत राजस्थान रॉयल्स ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टी20 मैच में मंगलवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) को पांच गेंद शेष रहते सात विकेट से हराकर प्लेऑफ में जगह पक्की करने की दिशा में मजबूत कदम बढ़ा दिए। एलएसजी ने मिचेल मार्श की 96 रन की तेजतर्रार पारी की बदौलत पांच विकेट पर 220 रन बनाए, लेकिन सूर्यवंशी की पारी के सामने यह स्कोर भी बौना साबित हुआ।

राजस्थान रॉयल्स ने 19.1 ओवर में तीन विकेट पर 225 रन बनाकर लक्ष्य हासिल कर लिया। अगर-मगर के बिना प्लेऑफ की उम्मीदें बनाए रखने के लिए राजस्थान रॉयल्स को आखिरी दो मैच जीतना जरूरी था और गेंदबाजों के निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बल्लेबाजों ने टीम को आसान जीत दिला दी। रॉयल्स अब 13 मैचों में 14 अंक के साथ तालिका में चौथे स्थान पर पहुंच गया। एलएसजी पहले ही प्ले ऑफ की रेस से बाहर है। अपनी पारी की शुरुआती 10 गेंदों में सिर्फ पांच रन बनाने वाले सूर्यवंशी ने 38 गेंदों की पारी में सात चौके और 10 शानदार छक्के जड़े। उन्होंने कार्यवाहक कप्तान यशस्वी जायसवाल (43) के साथ पहले विकेट के लिए 39 गेंदों में 75 रन की साझेदारी की, जबकि ध्रुव जुरेल (नाबाद 53) के साथ 45 गेंदों में 105 रन जोड़े। जायसवाल ने 23 गेंदों की पारी में आठ चौके और एक छक्का लगाया, जबकि जुरेल ने 38 गेंदों में नाबाद 53 रन बनाते हुए तीन चौके और तीन छक्के जड़े। सूर्यवंशी 13 मैचों में 579 रन के साथ मौजूदा सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले बल्लेबाज बन गए। पहले बल्लेबाजी का न्योता मिलने पर जोश इंग्लिस ने एलएसजी को तेज शुरुआत दिलाई। उन्होंने शुरुआती ओवरों में आक्रामक तेवर दिखाते हुए 29 गेंदों में 60 रन की तूफानी पारी खेली। इसके बाद "बाइसन" के नाम से मशहूर मार्श ने अपनी दमदार बल्लेबाजी का शानदार प्रदर्शन करते हुए 11 चौके और पाँच छक्के जड़े। मौजूदा सत्र में यह तीसरी बार रहा, जब उन्होंने 90 से अधिक का स्कोर बनाया। एलएसजी के लिए निराशाजनक रहे इस सत्र में मार्श का प्रदर्शन टीम के लिए सबसे बड़ी सकारात्मक बात साबित हुआ है। उन्होंने 13 मैचों में 563 रन बनाए हैं। राजस्थान रॉयल्स के लिए यश राज पुंजा ने दो विकेट लिए, जबकि जोफ्रा आर्चर को एक सफलता मिली। लक्ष्य का पीछा करते हुए जायसवाल ने पहले ओवर में आकाश के खिलाफ चार चौके जड़े। टीम ने इस ओवर से 23 रन बटोरे। सूर्यवंशी को शुरुआती ओवरों में बाउंड्री लगाने में परेशानी हो रही थी।

मैच में पचासा मारने के बाद इस अंदाज में दिखे ध्रुव जुरेल।

जूनियर रोइंग चैंपियनशिप के हीट्स मुकाबलों में यूपी का प्रदर्शन शानदार

गोरखपुर, एजेंसी

मेजबान उत्तर प्रदेश ने 46वीं जूनियर नेशनल रोइंग चैंपियनशिप के हीट्स मुकाबलों के पहले दिन शानदार प्रदर्शन करते हुए दो वर्गों में शीर्ष स्थान हासिल कर सेमीफाइनल में जगह बना ली। रामगढ़ताल में प्रतियोगिता के पहले दिन बालक सिंगल स्कल स्पर्धा में उत्तर प्रदेश के मोहन महेश ने 8:51.3 मिनट का समय निकालते हुए पहला स्थान प्राप्त कर सेमीफाइनल में जगह बनाई। इस स्पर्धा में चंडीगढ़ के उदय दूसरे और तमिलनाडु के कृष कार्तिक कुमार तीसरे स्थान पर रहे। बालक क्वाड्रुपल स्कल स्पर्धा में उत्तर प्रदेश के दीपक कुमार, यश कुमार यादव, हरिनाथ यादव और प्रवीण कुमार की टीम ने 6:41.0 मिनट का समय निकालकर शीर्ष स्थान हासिल किया और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। ओडिशा की टीम दूसरे स्थान पर रही। प्रतियोगिता में आर्मी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी और मध्य प्रदेश के खिलाड़ियों का भी दबदबा देखने को मिला। दोनों टीमों ने छह-छह वर्गों में श्रेष्ठ प्रदर्शन करते हुए अगले दौर में जगह बनाई। हरियाणा ने पांच तथा केरल ने तीन वर्गों में अगले चरण के लिए क्वालीफाई किया। पहले दिन विभिन्न वर्गों में कुल 29 हीट्स मुकाबले आयोजित किए गए। बालिका सिंगल स्कल में ओडिशा की नेहा पहले, मणिपुर की हुदीरोम चानू दूसरे और चंडीगढ़ की तनिष्का तीसरे स्थान पर रहीं। बालिका काक्सलेस पेयर्स में मध्य प्रदेश की स्नेहा कलमे और जिज्ञासा रैगर ने 9:03.0 मिनट के समय के साथ फाइनल में प्रवेश किया। बालक डबल स्कल में आर्मी ब्वायज स्पोर्ट्स कंपनी के राजन और प्रतीक निषाद की जोड़ी पहले स्थान पर रही, जबकि पंजाब के भवदीप सिंह और हरजिंदर सिंह दूसरे स्थान पर रहते हुए सेमीफाइनल में पहुंचे।

बिली जीन किंग ने 82 साल की उम्र में हासिल की स्नातक की डिग्री

लॉस एंजिलिस। बिली जीन किंग ने उपलब्धि हासिल करने की खुशी में अपना दाहिना हाथ उठाया, लेकिन यह उपलब्धि टेनिस कोर्ट पर एक और जीत नहीं थी। इस बार वह कॉलेज में अपने नामांकन के 65 वर्ष बाद डिग्री हासिल करने का जश्न मना रही थीं। टेनिस जगत की दिग्गज और समानता की पैरोकार किंग ने सोमवार को 82 वर्ष की आयु में अपनी अधूरी पढ़ाई पूरी करते हुए 'कैल स्टेट लॉस एंजिलिस' से इतिहास विषय में स्नातक की डिग्री प्राप्त की। श्राइन ऑडिटोरियम में आयोजित दीक्षांत समारोह में लगभग 6,000 विद्यार्थियों के साथ किंग ने मंच पर कदम रखा।

फिटनेस को लेकर संदेह के बावजूद नेमार ब्राजील की विश्व कप टीम में

रियो डी जनेरियो, एजेंसी

स्टार स्ट्राइकर नेमार को उनकी फिटनेस को लेकर संदेह के बावजूद ब्राजील की विश्व कप टीम में शामिल किया गया है। यह फुटबॉलर इस तरह से अपना चौथा विश्व कप खेलेगा।

34 वर्षीय नेमार के नाम पर ब्राजील की तरफ से सर्वाधिक 79 गोल करने का रिकॉर्ड है लेकिन वह अक्टूबर 2023 में बाएं एसीएल में चोट लगने के बाद से अपनी सर्वश्रेष्ठ फिटनेस हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। उन्होंने इस साल ब्राजील के अपने क्लब सैंटोस के लिए आठ मैच खेले हैं, जिनमें चार गोल किये। ब्राजील के कोच कार्लो एंसेलोटी ने सोमवार को रियो डी जनेरियो में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, ''उन्होंने अपनी फिटनेस में काफी सुधार किया है। वह इस विश्व कप में हमारे महत्वपूर्ण खिलाड़ी होंगे। विश्व कप के पहले मैच से पूर्व उनकी फिटनेस में और सुधार होने की संभावना है।'' कोच ने कहा कि उन्होंने अपनी टीम में कुछ स्थानों के लिए अनुभवी खिलाड़ियों को प्राथमिकता दी है, जिनमें नेमार भी शामिल हैं।

- ब्राजील की तरफ से सर्वाधिक 79 गोल करने वाले फुटबॉलर हैं नेमार

ब्राजील की विश्व कप टीम

- **गोलकीपर :** एलिसन, एडर्सन, वेवर्टन, **डिफेंडर :** एलेक्स सैंड्रो, डैनिलो, लियो परेरा, ब्रेमर, इबनेज़, वेस्ले, मार्क्विनहोस, गेब्रियल मैगलहेस, डगलस सैंटोस मिडफील्डर : ब्रूनो गुइमारेस, कासेमिरो, डेनिलो सैंटोस, फैबिन्हो, लुकास पाक्वेटा फॉरवर्ड : एंड्रिक, गेब्रियल मार्टिनेली, इगोर थियागो, माथियस कुन्हा, रफिन्हा, विनीसियस जूनियर, लुइज़ हेनरिक, नेमार, रेयान।

अनुभव किंग कोहल की उभरते क्रिकेटरों को सीख : सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ी बनने के लिए खुद को प्रेरित करें

आईपीएल की कमाई तो ठीक, लेकिन लंबे करियर को समर्पण जरूरी

बेंगलुरु, एजेंसी

दिग्गज भारतीय बल्लेबाज विराट कोहली ने युवा पीढ़ी के खिलाड़ियों से आईपीएल में मिलने वाली तात्कालिक प्रसिद्धि के आकर्षण से ऊपर उठकर लंबे समय तक खेल के प्रति समर्पित रहने और व्यापक क्रिकेट जगत का सम्मान अर्जित करने का आग्रह किया। कोहली अब अंतरराष्ट्रीय स्तर पर केवल 50 ओवर के प्रारूप में खेलते हैं। उन्होंने उभरते हुए क्रिकेटरों से कहा कि वे सभी प्रारूपों में खेलने वाले खिलाड़ी बनने के लिए खुद को प्रेरित करने की कोशिश करें।

कोहली ने एक कार्यक्रम में कहा कि यह जुनून की बात है। आजकल बहुत से लोग जुनून को पैसे से जोड़ते हैं। जी हां, यह एक बड़ा कारक है। क्योंकि जब कोई ऐसा प्रारूप आपको प्रसिद्धि, पहचान और 20 गेंदों में 40-50 रन बनाकर मिलने वाली शोहरत देता है। आईपीएल में आज लोग जिस तरह की कमाई कर सकते हैं, तो यह आपको बहुत आरामदायक स्थिति में पहुंचा सकता है। कोहली ने टेस्ट प्रारूप में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के बाद संन्यास ले लिया। उन्होंने उभरते हुए क्रिकेटरों से इस कठिन लेकिन बेहद फलदायी कदम को उठाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि वे कह सकते हैं, 'देखो, यह (टी20 क्रिकेट) शानदार है। मुझे ज्यादा देर तक दबाव झेलने की जरूरत नहीं है। मैं बस मैदान पर उतरकर गेंद को जोर से मार सकता हूं। या फिर वे कह सकते हैं, 'मैं 15-20 साल खेलना चाहता हूं। मैं क्रिकेट जगत में अपने नायकों की तरह पहचान और सम्मान पाना चाहता हूं और इस अवसर को भुनाना चाहता हूं। उन्होंने यह भी कहा कि यह एक बिल्कुल अलग क्षेत्र है। आपको बहुत दृढ़ संकल्पित होना होगा तभी आप कह पाएंगे कि मैं अगले 10-15 वर्षों तक इस खेल के प्रति समर्पित रहूंगा। यह बहुत कठिन होगा, लेकिन मैं इसके लिए तैयार हूं। कोहली ने आधुनिक क्रिकेटरों के कौशल, विशेष रूप से लगातार छक्के लगाने की उनकी क्षमता को हालांकि कम नहीं आंका। उन्होंने कहा, "यह रोमांचक है, कई ऐसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी आते हैं और उस तरह से खेलते हैं जिस तरह से मैंने खेलते हुए नहीं सीखा। सच कहूं तो, ये खिलाड़ी पावर हिटिंग और विस्फोटक क्रिकेट के मामले में कहीं अधिक उन्नत हैं।" भारत के इस पूर्व कप्तान ने कहा कि उनकी असली परीक्षा आईपीएल के आखिरी दौर में होगी, जब पिचें अधिक चुनौतीपूर्ण हो जाएंगी। इसके लिए बल्लेबाजी में ज्यादा समझदारी से काम लेने की जरूरत होगी। उन्होंने कहा, "हालात यही हैं और मैं हमेशा लोगों से यही कहता हूं कि आईपीएल में भी छठे हफ्ते तक इंतजार करें।

विराट सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी

- मुंबई, एजेंसी। भारत के दिग्गज बल्लेबाज विराट कोहली मंगलवार को जारी एक रिपोर्ट के अनुसार 18 साल पुराने आईपीएल के इतिहास में सबसे अधिक कमाई करने वाले खिलाड़ी हैं। उन्होंने रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के साथ अपने जुड़ाव से 230 करोड़ रुपये कमाए हैं। एक रिपोर्ट के मुताबिक इंडियन प्रीमियर लीग की सभी 10 फ्रेंचाइजी का कुल मूल्यांकन 1.63 लाख करोड़ रुपये है। रिपोर्ट में बताया गया है कि शाहरुख खान के मालिकाना हक वाली कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) 19,200 करोड़ रुपये से अधिक के मूल्यांकन के साथ सबसे आगे है। इसके बाद अंबानी परिवार के मालिकाना हक वाली मुंबई इंडियंस 18,400 करोड़ रुपये और चेन्नई सुपरकिंग्स 18,400 करोड़ रुपये के साथ क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं।

भारत अंडर18 पुरुष टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 6-3 से हराया

भोपाल, एजेंसी

भारत की अंडर18 पुरुष टीम ने ऑस्ट्रेलिया को 6-3 से हराकर सीरीज़ बराबर कर ली, जबकि इंडिया अंडर18 महिला टीम यहां उद्धव दास मेहता (भाई जी) सेंट्रल साई सेंटर में विज़िटर्स के ख़िलाफ़ 2-1 से हार गई। अंडर18 पुरुष मेन्स की इस बड़ी जीत का मतलब है कि उनकी चार मैचों की सीरीज़ अब 1-1 से बराबर हो गई है। इंडिया ने मैच की अच्छी शुरुआत की और पहले हाफ़ में कंट्रोल बना लिया। आकाश दीप (10') ने पहले क्वार्टर में स्कोरिंग शुरू की, और शाहरुख अली (14') ने जल्द ही दूसरा गोल किया। दूसरे क्वार्टर में, केतन कुशवाहा (25') और रोमित पाल (26') ने सोमवार शाम को तेज़ी से गोल करके इंडिया को मज़बूत बढ़त दिलाई। कुशवाहा (40') ने तीसरे क्वार्टर में मैच का अपना दूसरा गोल किया, और अंश बहुता (45') ने इंडिया के लिए छठा गोल किया। ऑस्ट्रेलिया ने ओवेन टेलर (23'), ऑस्कर फ्रीमैन (29'), और जैक वेलर (32') के गोल से स्कोर किया, लेकिन आखिरी क्वार्टर में भारतीय डिफेंस ने मज़बूती से बढ़त बनाए रखी और जीत पक्की की। महिलाओं के मैच में, भारत की अंडर18 टीम ने कड़ी टक्कर दी लेकिन अपनी सीरीज़ का तीसरा मैच हार गई। ऑस्ट्रेलिया ने पहले क्वार्टर में ही बढ़त बना ली जब एनेलिस कलन (5') ने गोल किया।